THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 196 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.5 2080 मंगलवार, 3 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जातीय गणना के आंकड़े जारी करने वाला

पहला राज्य बना बिहार

बिहार में जातिगत जनगणना के आंकड़े

वर्ग	आबादी	हिस्सेदारी
पिछड़ा वर्ग	3,54,63,936	27.12%
अति पिछड़ा वर्ग	4,70,80,514	36.01%
अनुसूचित जाति	2,56,89,820	19.65%
अनुसूचित जनजाति	21,99,361	1.68%
सामान्य	2,02,91,679	15.52%
कुल	13,07,25,310	100%

63%

> 36 प्रतिशत अत्यंत पिछड़ा वर्ग
> ओबीसी 27 प्रतिशत
> यादव 14 प्रतिशत, ब्राह्मण-ठाकुर 3-3 प्रतिशत
> सबसे कम कायस्थ 0.60 प्रतिशत

पटना, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने सोमवार को जातीय गणना के आंकड़े जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही बिहार जातीय गणना के आंकड़े जारी करने वाला पहला राज्य बन गया है। इसमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) 27 प्रतिशत हैं। सबसे ज्यादा 14.26 प्रतिशत यादव हैं। ब्राह्मण3.65 प्रतिशत, राजपूत (ठाकुर) 3.45 प्रतिशत हैं। सबसे कम संख्या 0.60 प्रतिशत कायस्थों की है।

बिहार सरकार के प्रभारी मुख्य सचिव विवेक कुमार सिंह ने जातीय गणना पर एक किताब जारी की है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनसंख्या 13 करोड़ 7 लाख 25 हजार 310 है। इसमें 2 करोड़ 83 लाख 44 हजार 160 परिवार हैं। अनुसूचित जाति 19.65 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति 1.68 प्रतिशत और सामान्य वर्ग 15.52 प्रतिशत है। बिहार की आबादी में करीब 82 प्रतिशत हिंदू और 17.7 प्रतिशत मुसलमान हैं। बिहार में 2011 से 2022 के बीच हिंदुओं की आबादी घटी है। 2011 की जनगणना के अनुसार हिंदू आबादी 82.7 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 16.9 प्रतिशत थी।

बिहार की आबादी में सबसे ज्यादा अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36 प्रतिशत है। उन्हें नौकरी में मौजूदा आरक्षण 18 प्रतिशत दिया जा रहा है। 27 प्रतिशत ओबीसी हैं के लिए 12 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। मौजूदा समय में बिहार में ईबीसी और ओबीसी को मिलाकर 30 प्रतिशत के रिजर्वेशन का प्रावधान है। इसमें 18 प्रतिशत ईबीसी को और 12 प्रतिशत ओबीसी को आरक्षण मिल रहा है। जबकि जाति आधारित गणना के मुताबिक इनकी संख्या बढ़कर 63 प्रतिशत हो गई है। अपर मुख्य सचिव विवेक सिंह ने कहा बिहार राज्य में हुई गणना के अनुसार प्रदेश की जनसंख्या में बिहार के बाहर में रहने वालों की संख्या 53 लाख 72 हजार 22 है। बिहार राज्य में रहने वालों की कुल जनसंख्या 12 करोड़ 53 लाख 53 हजार 288 है। इसमें पुरुषों की कुल संख्या 6 करोड़ 41 लाख 31 हजार 990 है, जबकि महिलाओं की संख्या 6 करोड़ 11 लाख 38 हजार 460 है। अन्य की संख्या 82 हजार 836 पाई गई है।

हिंदुओं की आबादी घटी, मुस्लिमों की बढ़ी

बिहार में साल 2011-2022 के बीच हिंदूओं जनसंख्या कम हुई है। इस दौरान मुस्लिम जनसंख्या बढ़ी है। आज जारी किए गए जातीय गणना की रिपोर्ट के साथ राज्य में धार्मिक जनसंख्या भी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार बिहार में अभी हिंदू आबादी करीब 82 प्रतिशत (81.99) और मुस्लिम आबादी 17.7 प्रतिशत है। जबकि 2011 की जनगणना के अनुसार हिंदू आबादी 82.7 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 16.9 प्रतिशत थी। अभी बिहार में हिंदुओं की जनसंख्या 10 करोड़ 71 लाख 92 हजार 958 है। वहीं मुस्लिम जनसंख्या 2 करोड़ 31 लाख 49 हजार 925 है। 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार में हिंदू आबादी 8 करोड़ 60 लाख 78 हजार 686 थी। वहीं मुस्लिम आबादी 1 करोड़ 75 लाख 57 हजार 809 थी।

मोदी बोले : गहलोत ने चुनाव से पहले हार मान ली

गहलोतजी सोते-जागते कुर्सी बचाने में लगे रहे, आधी कांग्रेस उन्हें हटाने में

चित्तौड़गढ़, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में सांवलिया सेठ मंदिर के दर्शन और 7 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन व शिलान्यास के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पर जमकर बरसे। मेवाड़ में भाजपा के चुनावी अभियान को आगे बढ़ाते हुए कहा कि राजस्थान की संस्कृति यहां की विरासत पर गर्व करने की है, लेकिन पांच साल की कांग्रेस सरकार ने राजस्थान की साख को तबाह कर दिया है।

उन्होंने बड़ा वादा करते हुए कहा कि सरकार बनने पर राजस्थान में हर गरीब को पक्की छत दी जाएगी और हर घर तक नल कनेक्शन दिया जाएगा। भाजपा सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी, यह साफ करते हुए उन्होंने कहा कि हमारा चेहरा सिर्फ कमल है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने झूठ बोलकर सरकार जरूर बना ली, लेकिन चला नहीं पाई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बैठते-उठते, सोते-जागते मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने में लगे रहे और आधी कांग्रेस उन्हें कुर्सी से हटाने में लगी रही। अपने बेटे को बचाने और दूसरे के बेटे को उखाड़ने में लगे रहे, लेकिन लूट मचाने के मामले में पूरी कांग्रेस में सहमति रही। यहां अपराधी, दगाई, भ्रष्टाचारी और कांग्रेस नेता खुद को सरकार मानकर बैठा है, ऐसी सरकार को एक दिन भी नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री गहलोतजी को पता है कि राजस्थान में सरकार की विदाई का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। दिल्ली में बैठे लोगों को भले ही भरोसा न हो, लेकिन गहलोतजी को पता है कि सरकार जा रही है। इसीलिए वे आग्रह कर रहे हैं कि भाजपा सरकार बनने के बाद उनकी योजनाओं को बंद न किया जाए। एक तरह से उन्होंने भाजपा को बधाई दे दी है। गहलोतजी का धन्यवाद, क्योंकि आपने पराजय स्वीकार कर ली। आपने ईमानदारी से स्वीकार कर लिया है, तो मोदी आपसे अनेक गुना ईमानदार है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि आपकी शुरू की गई जनहित की योजनाओं को भाजपा सरकार और अच्छा व बेहतर बनाने का प्रयास करेगी। यह मोदी की गारंटी है कि जिन्होंने पैसा लूटा, भ्रष्टाचार किया, गरीबों को परेशान किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई जरूर होगी। >14

जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी : राहुल

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने सोमवार को जातिगत जनगणना के नतीजे जारी करने के बिहार सरकार के कदम का स्वागत किया। इसके साथ ही पार्टी ने केंद्र से सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने और सामाजिक सशक्तिकरण कार्यक्रमों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तुरंत इसी तरह की कवायद शुरू करने का आह्वान किया। पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि बिहार की जातिगत जनगणना ने साबित कर दिया है कि राज्य में 84 प्रतिशत लोग अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) हैं और उनकी हिस्सेदारी उनकी आबादी के हिसाब से होनी चाहिए। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार के 90 सचिवों में से केवल तीन ओबीसी हैं, जो भारत के बजट का केवल पांच फीसदी संभालते हैं। >14

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

पीएम ने राजघाट-विजयघाट जाकर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 119वीं जयंती मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने राजघाट में श्रद्धांजलि दी। गांधी परिवार सहित अन्य नेता भी आज राजघाट पहुंचे।

वामपंथी उग्रवाद पर एनआईए की बड़ी कार्रवाई

> आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 60 से अधिक जगहों पर तलाशी

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को वामपंथी उग्रवाद या नक्सल मामले में बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 60 से अधिक जगहों पर तलाशी ली। बताया जा रहा है कि दोनों राज्यों में संदिग्धों के परिसरों और ठिकानों पर छापेमारी अभी भी जारी है।

खुफिया जानकारी मिलने के बाद एनआईए की अलग-अलग टीमों ने सुबह से ही राज्य पुलिस बलों के साथ छापेमारी शुरू कर दी। एनआईए के एक शीर्ष सूत्र ने बताया कि वामपंथ उग्रवाद मामले में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कुल 60 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। बताया जा रहा है कि जिन नेताओं के घर पर तलाशी ली जा रही है, उनमें वो शामिल हैं, जिन पर संदेह है कि उनका नक्सलियों से संबंध है। तेलंगाना के हैदराबाद और आंध्र प्रदेश के गुंटूर, नेल्लोर और तिरुपति जिलों में छापे मारे जाने की खबर है। इससे पहले, नौ सितंबर को एनआईए ने सुरक्षा बलों के खिलाफ उपयोग के लिए प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से जुड़ी विस्फोटक सामग्री, ड्रोन और एक खराद मशीन की बरामदगी से जुड़े अगस्त 2023 के मामले के संबंध में तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में कई छापे मारे और तलाशी ली थी। एनआईए ने कोत्तागुडेम के चेरला मंडल में जून के महीने में विस्फोटक सामग्री, ड्रोन और एक खराद मशीन जब्त किए जाने के बाद 12 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

नीतीश बोले-सभी वर्ग का विकास होगा

पटना, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना के आंकड़ों को सार्वजनिक कर दिया। किस जाति और धर्म के लोगों की कितनी आबादी है, इसका भी आंकड़ा जारी कर दिया है। गांधी जयंती के मौके पर जाति आधारित आंकड़े जारी करने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बिहार में कराई गई जाति आधारित गणना के आंकड़े प्रकाशित कर दिए गए हैं। जाति आधारित गणना के कार्य में लगी हुई पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जाति आधारित गणना के लिए सर्वसम्मति से विधानमंडल में प्रस्ताव पारित किया गया था।

मोस्ट वॉन्टेड आतंकी गिरफ्तार

> आईएसआईएस मॉड्यूल से जुड़े होने का शक
> नॉर्थ-इंडिया में हमले की प्लानिंग कर रहा था

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने एनआईए के मोस्ट वॉन्टेड आतंकी शाहनवाज उर्फ शफी उज्जामा को गिरफ्तार किया है। उसके साथ दो और आतंकी भी गिरफ्तार किए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने सोमवार सुबह इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शाहनवाज के आईएसआईएस मॉड्यूल यानी इस्लामिक स्टेट से जुड़े होने का शक है। वह उत्तर भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की योजना बना रहा था। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने साउथ-ईस्ट दिल्ली से रविवार रात शाहनवाज को गिरफ्तार किया था। उसके पास से केमिकल पदार्थ और आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाला मटेरियल मिला था। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। शाहनवाज पुणे पुलिस की कस्टडी से फरार हुआ था और दिल्ली में रह रहा था। उसके ऊपर 3 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने बताया कि शाहनवाज पेशे से इंजीनियर है। वह दिल्ली का ही रहने वाला है, लेकिन पुणे आईएसआईएस केस में शामिल होने के शक में उसे पुणे पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वहां से फरार होकर वह दिल्ली में छिपकर रह रहा था। यहां रहकर वह विदेशी हैंडलर्स से निर्देश ले रहा था और नॉर्थ इंडिया में आतंकी हमलों की प्लानिंग कर रहा था। इस साल 18 जुलाई को पुणे में टू-व्हीलर चुराने के मामले में पुणे पुलिस ने शाहनवाज और मध्यप्रदेश के दो लोगों (मोहम्मद इमरान खान और मोहम्मद साकी) को गिरफ्तार किया था। जब पुलिस पूछताछ के लिए उन्हें उनके ठिकाने पर ले जा रही थी, तो शाहनवाज पुलिस की गाड़ी से कूदकर फरार हो गया।

मोहम्मद इमरान खान और मोहम्मद साकी से पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि दोनों सुफा टेररिस्ट गैंग का हिस्सा हैं। अप्रैल 2022 में राजस्थान में एक कार में विस्फोटक मिलने के मामले में वहां की पुलिस उन्हें ढूंढ रही है। तब पुलिस ने इस मामले को पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल केस नाम दिया।

सात जिलों में बाढ़ की आशंका को लेकर सरकार अलर्ट

कोलकाता, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को कहा कि पड़ोसी राज्य झारखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य के सात जिलों में बाढ़ आने की आशंका है। मुख्य सचिव एच के द्विवेदी ने आज दोपहर पश्चिम बर्धमान, बांकुड़ा, बीरभूम, पूर्व बर्धमान, पश्चिम मेदिनीपुर, हुगली और हावड़ा जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक डिजिटल बैठक की और उन्हें तत्काल सभी प्रकार के एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया।

बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान करें अधिकारी :

एक आधिकारिक बयान में कहा गया, बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे निचले और बाढ़ संभावित क्षेत्रों की तत्काल पहचान करें और साथ ही जलभराव और तटबंध टूटने की निगरानी शुरू करें और उनके उपचार के लिए उचित कदम उठाएं।

दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान अभिषेक बनर्जी ने सरकार को दी चुनौती, दिल्ली पुलिस पर लगाए आरोप

नई दिल्ली/कोलकाता, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजघाट पर विरोध प्रदर्शन के दौरान टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा हमारे सभी मंत्री, सांसद, जनप्रतिनिधि यहां राजघाट पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हमने 1.10 बजे से अपना शांतिपूर्ण प्रदर्शन शुरू किया लेकिन कभी दिल्ली पुलिस, कभी सीआईएसएफ, तो कभी सीआरपीएफ ने हमें आंदोलन की अनुमति नहीं दी। हमने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया और एक भी राजनीतिक नारेबाजी नहीं की। हमने प्लेकार्ड के जरिए सिर्फ 100 दिन रोजगार के पैसे जारी करने की मांग की। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि आज दिल्ली में गांधी जयंती के दिन हम भाजपा को चुनौती देते हैं कि आगामी दिनों में जोरदार लड़ाई के लिए तैयार रहिएगा। मैदान आपका, रेफरी आपका लेकिन चुनौती हम दे रहे हैं। आने वाले दिनों में पता चलेगा कि आपकी कितनी क्षमता है और आम जनता की क्षमता कितनी है। बता दें कि पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता गांधी जयंती के अवसर पर दिल्ली के राजघाट पर इकट्ठा हुए।

मणिपुर हिंसा : सीबीआई-एनआईए ने मनमानी के आरोपों का खंडन किया

इंफाल, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीबीआई और एनआईए ने मणिपुर के आदिवासी समूह की ओर लगाए गए मनमानी के आरोपों का खंडन किया है। केंद्रीय एजेंसियों ने सोमवार को कहा कि जातीय संघर्ष का सामना कर रहे अशांत राज्य में की जाने वाली हर गिरफ्तारी जांच टीमों के द्वारा जुटाए गए सबूतों पर आधारित है। जांच एजेंसियों ने कहा कि जातीय हिंसा के माहौल में यहां काम कर रहे एनआईए और सीबीआई के अधिकारियों को 2015 में सैन्यकर्मियों पर हमले सहित विभिन्न मामलों में जांच पूरी करने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। मनमानी के आरोप इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फ्रंट (आईटीएलएफ) की ओर से लगाए गए हैं। यह संगठन मणिपुर की पहाड़ियों के कुकी समुदाय प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है। दोनों एजेंसियों के अधिकारियों ने इसके आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी समुदाय, धर्म या संप्रदाय के खिलाफ कोई पक्षपात नहीं दिखाया गया है और केवल भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की नियम पुस्तिका का पालन किया गया है।

11 साल तक जेल में रहने के बाद हत्या के दोषी को जमानत, हाईकोर्ट में अपील लंबित

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने हत्या के एक दोषी की सजा निलंबित कर दी है और उसे जमानत दे दी है। निचली अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी और वह 11 साल से अधिक समय तक जेल में रहा था। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने आदेश दिया कि दोषी दिनेश उर्फ पॉल डेनियल खाजेकर को बंबई उच्च न्यायालय द्वारा अपील का अंतिम निपटारा होने तक जमानत पर रिहा किया जाए।

20 साल की उम्र में गिरफ्तार हुआ था दिनेश खाजेकर :

दिनेश को 29 अक्टूबर, 2011 को उसके और अन्य के बीच हाथापाई में एक व्यक्ति की मौत के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। तब वह बीस साल का था। उनके वकील के मुताबिक वह इस समय 32 साल का है और उसकी अपील पिछले छह साल से उच्च न्यायालय में लंबित है। बंबई उच्च न्यायालय ने सात फरवरी के अपने आदेश में उसकी सजा निलंबित करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उसने शीर्ष अदालत का रुख किया था।

शीर्ष अदालत ने 25 सितंबर के अपने आदेश में कहा, उच्च न्यायालय को अपीलकर्ता को दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 389 के तहत राहत देनी चाहिए थी। इसलिए, अपीलकर्ता (दिनेश) को उच्च न्यायालय के समक्ष अपील का अंतिम निपटारा होने तक जमानत पर रिहा किया जाए। सीआरपीसी की धारा 389 अदालत को अपील की सुनवाई लंबित रहने तक आरोपी की सजा को निलंबित करने की अनुमति देती है और उसे जमानत पर रिहा कर सकती है। शीर्ष अदालत ने खाजेकर को जमानत की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए निचली अदालत में पेश करने का निर्देश दिया और कहा कि उसे उचित नियमों और शर्तों पर जमानत दी जाएगी। दिनेश की ओर से पेश वकील सना रईस खान ने कहा कि अपीलकर्ता, जिसे कथित अपराध के लिए निचली अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, 11 साल से जेल में है और उसकी अपील पिछले छह साल से उच्च न्यायालय में लंबित है।

कांग्रेस का कोषाध्यक्ष नियुक्त करने के एक दिन बाद खड़गे ने माकन से की मुलाकात

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन को पार्टी का कोषाध्यक्ष नियुक्त करने के एक दिन बाद सोमवार को उनसे मुलाकात की और पार्टी और संगठन को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। खड़गे ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक पोस्ट में कहा, मैं एआईसीसी के नवनियुक्त कोषाध्यक्ष अजय माकन से मिला। हमने पार्टी और संगठन को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मैं उनके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं।

खड़गे ने पूर्व केंद्रीय मंत्री माकन को पार्टी का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया। माकन ने पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन कुमार बंसल की जगह पार्टी का कोषाध्यक्ष बनाया। माकन पहले दिल्ली कांग्रेस के प्रमुख के रूप में कार्य कर चुके थे और राष्ट्रीय राजधानी में शीला दीक्षित सरकार में मंत्री भी थे।

चुनाव प्रचार में झूठ बोलते हैं पीएम मोदी : कांग्रेस

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी पर पलटवार किया कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के सबसे ज्यादा मामले राजस्थान में हैं और कहा कि उन्होंने मणिपुर और महिलाओं के खिलाफ अपराध की अन्य घटनाओं पर एक भी शब्द नहीं बोला। लेकिन जब चुनाव प्रचार की बात आती है तो वह वही करेंगे जो वह सबसे अच्छा करते हैं, 'बेशर्मी से झूठ बोलना'। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी भी महिलाओं के खिलाफ हिंसा को नजरअंदाज नहीं करेगी, और राजस्थान सरकार सभी मामलों में अत्यंत तत्परता और गंभीरता के साथ न्याय करेगी, जबकि भाजपा सरकारें इसके विपरीत कभी भी जिम्मेदारी या जवाबदेही स्वीकार नहीं करती हैं। पार्टी के महासचिव संचार प्रभारी रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री मणिपुर के बारे में एक शब्द भी नहीं बोलेंगे। वह उज्जैन का जिक्र नहीं करेंगे. वह महिला पहलवानों पर अत्याचार के लिए अपनी ही पार्टी के सांसद के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगे। और न ही हमारे राष्ट्रीय चैंपियनों के साथ दिल्ली पुलिस के क्रूर व्यवहार की निंदा करेंगे। लेकिन जब चुनाव प्रचार की बात आती है, तो वह वही करेंगे जो वह सबसे अच्छा कर सकते हैं- बेशर्मी से झूठ बोलना। उन्होंने कहा, हमने सोचा था कि कम से कम गांधी जयंती पर प्रधानमंत्री देश को अपने झूठ, विकृतियों और मानहानि से बचा लेंगे।

हरियाणा के खिलाड़ी-सिंगर आतंकियों के टारगेट पर

एनआईए जांच में खुलासा-कौशल चौधरी ने केटीएफ के डल्ला-बंबीहा गैंग से हाथ मिलाया; रंगदारी की तैयारी

चंडीगढ़, 2 सितंबर (एजेंसियां)। खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के निशाने पर अब हरियाणा की फेमस हस्तियां आ गई हैं। इसका खुलासा एनआईए द्वारा गैंगस्टर-आतंकवादी साठगांठ की जांच में हुआ है। जांच में यह भी सामने आया है कि गुरुग्राम के गैंगस्टर कौशल चौधरी ने खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के आतंकवादी अर्श डल्ला और बंबीहा गिरोह के साथ गठजोड़ कर लिया है। कौशल चौधरी गैंग हरियाणा खासकर गुरुग्राम में सक्रिय है। चौधरी सलाखों के पीछे और न्यायिक हिरासत में हैं।

अर्शदीप डल्ला कौशल चौधरी लक्की पटियाल

हथियारों की खरीद-फरोख्त की प्लानिंग

एनआईए की चार्जशीट में कौशल चौधरी गैंग के सदस्यों को कथित तौर पर डल्ला और बंबीहा गिरोह द्वारा फेमस हस्तियों को खत्म करने और एनसीआर में सबसे बड़ा जबरन वसूली रैकेट बनाने का काम सौंपा गया है। केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया कि चौधरी और उनके सहयोगी अमित डागर व्यापारियों से जबरन वसूली, धमकी और हत्या और गायकों, व्यापारियों और खिलाड़ियों के बीच आतंक पैदा करने की योजना बना रहे हैं। आतंक और हिंसा के कामों से आने वाले पैसे को हथियारों की खरीद के लिए यह प्लानिंग की गई है।

सोशल मीडिया के जरिए हुआ संपर्क

डागर और कौशल गैंग दोनों जबरन वसूली, हत्या और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से विदेश में बैठे आतंकवादियों के संपर्क में थे। जबरन वसूली से जुटाए गए धन का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने और भारत में सक्रिय बंबीहा गिरोह सहित अन्य गिरोहों को रसद सहायता प्रदान करने के लिए किया जा रहा है

लॉरेंस के बढ़ते फेम से हुआ गठजोड़

कौशल चौधरी ने 2016 में कथित तौर पर कुख्यात गैंगस्टर दविंदर बंबीहा को गुरुग्राम में शरण दी थी और इसके बाद दोनों करीब आ गए, जबकि लॉरेंस ने आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा के साथ अपने संबंध मजबूत कर लिए। एनआईए ने खुलासा किया है कि लॉरेंस गैंग द्वारा 2018 में गुरुग्राम में घुसकर चौधरी और डागर को मारने की योजना बनाई गई थी।

स्वच्छ भारत अभियान को सामाजिक आंदोलन के रूप में लें : न्यायाधीश खन्ना

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने सोमवार को कहा कि महात्मा गांधी की जयंती पर शुरू किए गए स्वच्छ भारत अभियान को सामाजिक आंदोलन के रूप में लिया जाना चाहिए ताकि स्वच्छ भारत स्वस्थ और खुशहाल हो।

न्यायमूर्ति खन्ना महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा शीर्ष अदालत परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के जन्मदिन पर 'स्वच्छ भारत अभियान' शुरू किया गया है। इसे एक सामाजिक आंदोलन के रूप में लिया जाना चाहिए। जब तक इसे एक सामाजिक आंदोलन के रूप में नहीं लिया जाएगा, यह अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम नहीं होगा।

भारत अधिक स्वस्थ और खुशहाल

न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि स्वच्छ और साफ भारत अधिक स्वस्थ और खुशहाल है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपने शब्दों और कामों से अमर हो जाते हैं। उन लोगों में ही महात्मा गांधी भी शामिल हैं। वह दुनिया भर में पूजनीय थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता को सच्ची श्रद्धांजलि उनके शब्दों और विचारों को आत्मसात करके दी जा सकती है। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के योगदान का जिक्र करते हुए शीर्ष अदालत के न्यायाधीश ने कहा कि वह एक सच्चे गांधीवादी थे जो अपने शब्दों और विचारों से जीते थे।

इस दौरान खन्ना ने उन कठिन परिस्थितियों पर भी प्रकाश डाला जब शास्त्री देश के दूसरे प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि शास्त्री देश के प्रति निस्वार्थ समर्पण रखते हुए ईमानदार और विनम्र बने रहे।

वरुण गांधी बोले : एक करोड़ सरकारी पद खाली, नौकरियां नहीं दे रहे ताकि चुनाव में रेवड़ियां बांटी जा सकें

पीलीभीत, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पीलीभीत के भाजपा सांसद वरुण गांधी ने रोजगार के मुद्दे पर एक बार फिर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि देश में एक करोड़ सरकारी पद खाली हैं। घर घर में बेरोजगार हैं तो नौकरियां क्यों नहीं दे रहे, ताकि पैसा बचाकर चुनाव में रेवड़ियां फेंकी जाएं। आटा-चावल मुफ्त में दिया जाए। दो दिवसीय दौरे पर पीलीभीत पहुंचे सांसद वरुण गांधी ने सोमवार को बिलसंडा के कई गांवों में जनसंवाद कार्यक्रमों को संबोधित किया। वरुण गांधी ने कहा कि राजनीतिक में भ्रष्टाचार बहुत घुस गया है। मैंने आज तक सांसद की तनख्वाह तक नहीं ली है। सरकारी गाड़ी से नहीं चलता हूं। लाभ लेने लगूंगा तो मन की बात बोल नहीं पाऊंगा। उन्होंने कहा कि जिले के अन्य नेताओं को देखिए। सबने बनने के बाद अपना कितना फायदा किया।

'दिल्ली में सर्कस शुरू कर दिया'

बंगाल सरकार के प्रदर्शन पर भाजपा सांसद का हमला

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार को घेरने के लिए ममता बनर्जी की पार्टी ने दिल्ली में शक्ति प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। इस बार टीएमसी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मनरेगा के पैसों को लेकर तीन अक्तूबर को जंतर-मंतर पर इकट्ठा होकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। इसी को लेकर भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने बंगाल सरकार पर निशाना साधा।

महिलाओं पर हो रहा अत्याचार

उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत ताज्जुब हो रहा है कि बंगाल में कोई प्रदर्शन नहीं किया जा रहा है, जहां महिलाओं के साथ इतने अत्याचार हो रहे हैं। बस भीड़ जुटाकर दिल्ली में सर्कस शुरू कर दिया है।

युवकों के पास रोजगार नहीं

उन्होंने कहा कि इतने सारे युवकों को नौकरी नहीं मिल रही है। इसके लिए वहां के युवक प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए कोई लड़ाई नहीं लड़ रहा है। यह लोग बस भीड़ जुटाकर दिल्ली आ गए हैं। दिल्ली में आकर सर्कस शुरू कर दिया है। उन्होंने पूछा कि दिल्ली में क्या है?

बंगाल के मंत्रियों के पास पैसा

चटर्जी ने आगे कहा कि यह लोग कह रहे हैं कि केंद्र सरकार इन्हें पैसा नहीं दे रहा है।

यही कहकर यह लोगों को ले यहां लेकर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि क्या दिल्ली, देश या पश्चिम बंगाल के लोग यह मान लेंगे? उन्होंने कहा कि मनरेगा पश्चिम बंगाल फंड केंद्र सरकार के पास नहीं है। यह टीएमसी के पंचायत प्रमुख और पंचायत उप प्रमुख, विधायकों, मंत्रियों और अन्य लोगों के घरों और फ्लैटों में है। ये तो हर कोई जानता है।

शराबी बाप ने की 3 बेटियों की हत्या

पुलिस कस्टडी में बोला-गरीबी से तंग आकर की हत्या मेडिकल बोर्ड करेगा पोस्टमार्टम

जालंधर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। जालंधर शहर में पठानकोट हाईवे की तरफ मकसूदां में आते कानपुर में सुबह-सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी । 3 सगी बहनों की लाशें घर के बाहर ही एक लोहे के ट्रंक में बंद मिली। तीनों बहनें रविवार रात 8 बजे से लापता थीं।

इन तीनों बहनों की हत्या उनके बाप सुनील मंडल ने ही की थी। पुलिस ने सुबह ट्रंक में शव मिलने के बाद उसे हिरासत में ले लिया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुनील मंडल ने पुलिस कस्टडी में पूछताछ के दौरान अपना गुनाह कबूल करते हुए कहा कि उसने गरीबी से तंग आकर बेटियों अमृता कुमारी 9 वर्षीय, कंचन कुमारी 7 वर्षीय और वासु 3 वर्षीय बच्ची को मौत के घाट उतारा था। हालांकि खुद सुनील मंडल खुद नशे का आदी है और अक्सर शराब के नशे में रहता है। सुनील मंडल के 5 बच्चे हैं। तीनों सगी बहनों के शरीर पर कोई मारपीट का निशान नहीं मिला है। पुलिस मेडिकल बोर्ड से तीनों का पोस्टमॉर्टम करवा रही है।

बसपा, जीजीपी मिलकर लड़ेंगे मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव

भोपाल, 2 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य में लगातार जनाधार खो रहे दो राजनीतिक संगठनों - बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) - ने राज्य की 230 विधानसभा सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

बड़े पैमाने पर गोंड जनजाति-प्रमुख जीजीपी, जो आदिवासी-बहुल महाकोशल क्षेत्र में धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो रही है, और मायावती के नेतृत्व वाली बसपा, जिसकी उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सीमा से लगे क्षेत्रों में ताकत कम हो रही है, ने अपनी खोई हुई जमीन पाने के लिए हाथ मिलाया है। दोनों पार्टियों के बीच बनी सहमति के अनुसार, गठबंधन सभी 230 सीटों पर चुनाव लड़ेगा - बसपा 178 सीटों पर और जीजीपी 52 सीटों पर। जीजीपी लंबे समय से आदिवासी बहुल महाकौशल क्षेत्र (जो छत्तीसगढ़ का पड़ोसी है) में एक ताकत रही है। विंध्य, ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड क्षेत्र (जो उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सीमा से लगे हैं) वर्षों से बसपा के प्रभाव क्षेत्र रहे हैं। हाल के वर्षों और चुनावों में दोनों पार्टियों का राज्य में प्रभाव कम हुआ है। जबकि जीजीपी, जिसने पिछली बार 2003 के चुनावों के दौरान राज्य में अपनी अधिकतम तीन विधानसभा सीटें जीती थीं, 2008, 2013 और 2018 के चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई। वहीं, दूसरी ओर बसपा ने 2008 में सात सीटें, 2013 में चार सीटें और 2018 के चुनावों में सिर्फ दो सीटें जीतीं।

'सर्व धर्म समभाव' में खलल डालने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे : प्रमोद सावंत

पणजी, 2 सितंबर (एजेंसियां)। महात्मा गांधी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने 'सर्व धर्म समभाव' के रास्ते में रोड़ा बनने वालों को चेताया। मुख्यमंत्री ने लोगों से आग्रह किया कि अगर कोई राज्य में 'सर्व धर्म समभाव' में खलल डालता है तो आप लोग सड़कों पर न उतरें, सरकार पर भरोसा रखें।

सावंत ओल्ड-गोवा में आयोजित एक कार्यक्रम में महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। सावंत ने कहा, "गोवा में पिछले कई वर्षों से सर्व धर्म समभाव कायम है। लेकिन आजकल कोई इसमें खलल डालने की कोशिश कर रहा है। कोई शिवाजी की मूर्ति का अपमान कर रहा है। चर्च का पादरी हिंदू धर्म के खिलाफ बोल रहा है और कोई मुसलमानों के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहा है।" सावंत ने कहा, "इस तरह की घटनाएं होने के बाद लोग परेशान हो जाते हैं और थाने पहुंच कर

सार्वजनिक रूप से जमा हो जाते हैं। सरकार पर भरोसा रखें। शिवाजी की प्रतिमा को अपमानित करने वालों को पुलिस ने पकड़ लिया है। हिंदू देवताओं के खिलाफ बोलने वाले की शिकायत की गई।

सोशल मीडिया पर मुसलमानों के खिलाफ पोस्ट करने वालों पर प्राथमिकी दर्ज की गई। सावंत ने आगे कहा, लोगों को सड़कों पर उतरने की बजाय सरकार पर भरोसा करना चाहिए। हम उन लोगों को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो हमारे सर्व धर्म समभाव में खलल डालेंगे। सावंत ने हाल ही में लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा था कि कुछ लोग 'सर्व धर्म समभाव' की प्रथा को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, कुछ लोग हमारे राज्य में सर्व धर्म समभाव की प्रथा को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। सभी धर्मों के त्योहार मनाना हमारी परंपरा में है। हम जश्न मनाने के लिए एक-दूसरे के यहां जाते हैं। हमें इस प्रथा को बनाए रखना होगा। सावंत ने कहा, "हिंदू, ईसाई और मुस्लिम एक साथ रहते हैं और हमें इस परंपरा को बनाए रखना है। गणेश चतुर्थी के दौरान ईसाई लोग हमारे घर आते हैं और क्रिसमस के दौरान हम उनके घर जाते हैं। ये परंपरा पिछले कई सालों से चली आ रही है। लेकिन, मुझे लगता है कि कुछ लोग इसमें खलल डालने की कोशिश कर रहे हैं। मैं सभी से शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील करता हूं।"

अमृतसर में गोल्डन टेंपल पहुंचे राहुल गांधी

नीला पटका बांध टेका माथा

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी सोमवार को अचानक अमृतसर के गोल्डन टेंपल पहुंच गए। राहुल गांधी की यह निजी यात्रा थी और उन्होंने श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेका।

राहुल गांधी ने सिर पर पगड़ी की जगह नीले रंग का पटका बंधा हुआ था। राहुल गांधी की यह निजी और आध्यात्मिक यात्रा थी, इसलिए वहां पर ज्यादा कार्यकर्ता भी नहीं आए।

राहुल गांधी की थी निजी यात्रा

कांग्रेस के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा ने पहले ही ट्वीट करके बता दिया था कि राहुल गांधी गोल्डन टेंपल में माथा टेकने के लिए अमृतसर आ रहे हैं। साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया कि वह शारीरिक रूप से मंदिर के पास इकट्ठे ना हो। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी की यह निजी और आध्यात्मिक यात्रा है और उनकी निजता का सम्मान करें। आप अगले दौरे पर उनसे मिल सकते हैं। इस दौरान राहुल गांधी ने लंगर और स्वैच्छिक सेवा भी की। बता दें कि आज गांधी जयंती है और आज के दिन मंदिर में सुबह से ही सैकड़ो श्रद्धालु प्रार्थना के लिए कतार में खड़े हैं। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी स्वर्ण मंदिर का दौरा किया था और माथा ठेका था। इस दौरान भी उन्होंने लंगर सेवा की थी।

सफाई अभियान के दौरान एआरटीओ ने एसआई के साथ की मारपीट

हरिद्वार, 2 सितंबर (एजेंसियां)। हरिद्वार में एआरटीओ कार्यलय में मारपीट का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में एआरटीओ एक एसआई के साथ मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एआरटीओ पंत ने घटना की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने इसका कारण स्पष्ट नहीं किया। एआरटीओ कार्यलय परिसर की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि एआरटीओ कार्यालय में सफाई अभियान चल रहा था। उसी दौरान एआरटीओ प्रवर्तन के साथ रहने वाले कर्मचारियों में आपस में ही कहासुनी हो गई। इस दौरान वहां एसआई और एआरटीओ भी आ गए। इसके बाद दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। मारपीट होने पर मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें छुड़वाया।

कांग्रेस एमएलए सुखपाल खैहरा की गिरफ्तारी में गवर्नर की एंट्री

पंजाब के डीजीपी से रिपोर्ट मांगी पूछा-किस आधार पर हुई गिरफ्तारी

मोहाली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में कपूरथला के भुलत्थ से कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा की गिरफ्तारी में गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित की भी एंट्री हो गई है। गवर्नर ने पंजाब के डीजीपी से गिरफ्तारी के मामले को लेकर रिपोर्ट तलब की है। उनसे पूछा गया है कि खैहरा को क्यों और किन हालातों में गिरफ्तार किया गया। यह बात इसलिए अहम है क्योंकि पंजाब में आप सरकार, सीएम भगवंत मान और गवर्नर के रिश्तों में लंबे समय से तल्खी चल रही है। खैहरा को गुरुवार सुबह साढ़े 5 बजे चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया था। विधायक को गिरफ्तार करने के लिए जलालाबाद पुलिस उनके चंडीगढ़ सेक्टर 5 स्थित निवास स्थान पर पहुंची थी। जिसके बाद पंजाब के सीनियर कांग्रेसी नेता गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित से मिले थे। जिसमें उन्होंने खैहरा की गिरफ्तारी को राजनीतिक स्टंट बताया था। उक्त पत्र पर संज्ञान लेते हुए गवर्नर ने डीजीपी पंजाब से मामले में गिरफ्तारी की रिपोर्ट तलब की है। जिसमें उन्होंने खैहरा की गिरफ्तारी का कारण पूछा।

जब कांग्रेस पंजाब प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और विपक्षी दल नेता प्रताप सिंह बाजवा की अगुआई में कांग्रेस नेता गवर्नर से मिलने पहुंचे थे। जहां कहा गया था कि राज्यपाल को सुखपाल सिंह खैहरा के साथ जो कुछ हुआ, उसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये झूठा मामला दर्ज किया गया।

रोचक खबरें

आसमान में छाए प्लास्टिक के बादल!

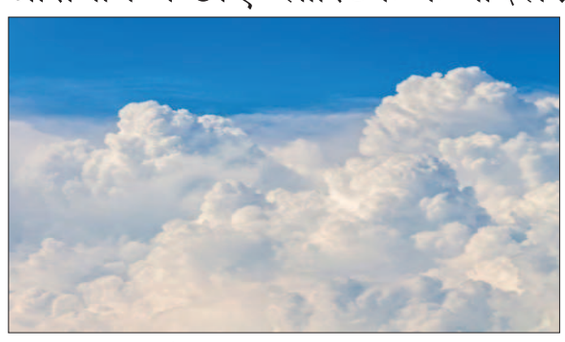

कभी भी हो सकती है इनकी बारिश, साइंटिस्ट का पहली बार खुलासा

बारिश की बूंदें हर किसी को तरोताजा कर देती हैं. लोग बारिश में भीगना चाहते हैं, उसका लुत्फ लेना चाहते हैं. लेकिन सोचिए अगर पानी के बूंदों की प्लास्टिक की बारिश होने लगे तो क्या होगा? जी हां, आप बिल्कुल सही सुन रहे हैं. जापान में वैज्ञानिकों की एक टीम ने बादलों के बीच तैरते हुए नौ प्रकार के पॉलिमर और एक रबर की खोज की है. साइंटिस्ट इसे जलवायु के लिए चिंताजनक संकेत मान रहे हैं. क्योंकि प्लास्टिक अगर इकट्ठा हो गए तो धरती का वायुमंडल खतरे में पड़ सकता है. पहली बार इस तरह की रिपोर्ट सामने आई है.

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, शोधकर्ताओं की टीम ने माउंट फ़ूजी और माउंट ओयामा की चोटियों पर छाई धुंधली धुंध से पानी इकट्ठा किया और उस पर रिसर्च की. सभी नमूनों का कंप्यूटर इमेजिंग तकनीक की मदद से विश्लेषण किया. साइंटिस्ट ने पाया कि बादल से लिए गए हर लीटर पानी में प्लास्टिक के 6.7 से 13.9 टुकड़े थे. इनकी माप 7.1 माइक्रोमीटर से लेकर 94.6 माइक्रोमीटर तक थी. इनका व्यास इंसानों के एक बाल के बराबर थी.

हाइड्रोफिलिक पॉलिमर की सबसे ज्यादा मात्रा

एनवायरमेंटल केमिस्ट्री लेटर्स में पब्लशि रिसर्च के मुताबिक, पानी की इन बूंदों में हाइड्रोफिलिक पॉलिमर की सबसे ज्यादा मात्रा पाई गई. हाइड्रोफिलिक पॉलिमर भारी मात्रा में पानी या जलीय घोल को अवशोषित करके फूल जाते हैं. यह पानी को पकड़कर रखते हैं. लेकिन सूरज से आने वाले यूवी विकिरण इन जहरीले पॉलिमर के बंधन को तोड़ देते हैं, जिनसे कार्बन डाई ऑक्साइड और नाइट्रोजन जैसी ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा बढ़ती है. इसलिए बादलों में इनकी ज्यादा मात्रा होना काफी खतरनाक संकेत है.

तो इस दिन खत्म हो जाएगी धरती!

नासा ने कर दिया तारीख का ऐलान, क्या देखने जिंदा रहेंगे आप?

आपने कई बार दुनिया के खत्म होने की भविष्यवाणी सुनी होगी. कई प्राचीन कैलेंडर्स और सभ्यताओं ने धरती के खत्म होने के बारे में भविष्यवाणियां की हैं. हालांकि, अभी तक ऐसी किसी भी प्रेडिक्शन को सच होते नहीं देखा गया. ये भविष्यवाणियां सिर्फ लोगों के मन में भय बना देते हैं. किसी इंसान या किसी कैलेंडर की भविष्यवाणी भले ही आपको यकीन ना हो, लेकिन अगर यही बात नासा कहे तो कई लोग इसे मान जायेंगे.

कैलेंडर्स और इंसान तो लोगों को उल्लू भी बना सकते हैं. ये सिर्फ अनुमान के आधार पर भविष्यवाणियां करते हैं. लेकिन नासा जैसे ऑर्गेनाइजेशन कई सालों से अंतरिक्ष पर नजर रखे हुए हैं. तारों, ग्रहों, उल्कापिंडों पर पैनी नजर रखने के बाद अब नासा ने उस तारीख का ऐलान किया है, जिस दिन धरती खत्म हो सकती है. एक विशाल एस्टेरोइड धरती से टकराएगा और तबाही मच जाएगी.

ये रही वो तारीख

नासा का कहना है कि बेन्नू नाम का एक एस्टेरोइड धरती से टकराएगा. ये एस्टेरोइड हर 6 साल में धरती के नजदीक से गुजरता है. इसका आकार उस एस्टेरोइड से आधा है, जिसने धरती से डायनासोर का खात्मा कर दिया था. हर 6 साल में इसकी दूरी धरती से कम होती जा रही है. ऐसे में नासा का कहना है कि 24 सितंबर 2182 को जब ये धरती के पास से गुजरेगा, तब दोनों में टक्कर होने की संभावना सबसे ज्यादा रहेगी. नासा के अनुमान के मुताबिक़, आज से 159 साल बाद ये टक्कर होगी. ये टक्कर 22 एटम बम की स्पीड की तबाही लेकर आएगा. अगर ऐसा हुआ तो इंसान को काफी नुकसान होगा. हो सकता है कि धरती से इंसान का अस्तित्व खत्म हो जाए. हालांकि, नासा ने ये भी साफ़ किया कि इस टक्कर की संभावना काफी कम है. लेकिन ये हो सकता है. फिलहाल नासा इस बारे में काम कर रही है कि टक्कर को टाला जा सके. अगर ये नहीं टला, तो दुनिया के खत्म होने की तारीख 24 सितंबर 2182 तय है.

शादी की खुशियां मातम में बदली

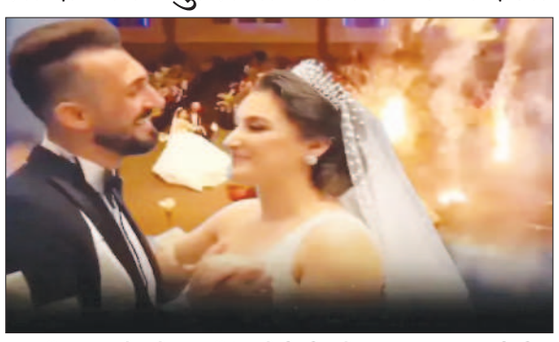

आतिशबाजी की एक चिंगारी ने ले ली 100 जान, हादसे से ठीक पहले का वीडियो वैरल

शादी-ब्याह हर किसी की लाइफ का सबसे खुशनुमा पल होता है. लोग अपनी शादी को सबसे स्पेशल बनाना चाहते हैं. इसकी प्लानिंग काफी पहले से की जाती है. लोग तरह-तरह के इंतजाम करते हैं. वो समय गया जब सिर्फ बारात आती थी और दुल्हन को ब्याह कर दूल्हा ले जाता था. अब तो दोनों साथ में इस शादी को इवेंट की तरह सेलिब्रेट करते हैं. शादियों को अब बिजनेस का रूप दे दिया गया है. कई इवेंट मैनेजमेंट टीम इसमें काम करती है. लेकिन कहते हैं ना कि जब हादसे होने होते हैं, तो कोई भी प्लानिंग इसे रोक नहीं पाती.

बीते दिनों, ईराक में एक वेडिंग में हुए हादसे ने लोगों का दिल दहला दिया. इस शादी में शरीक हुए करीब सौ गेस्ट्स की जलकर मौत हो गई. इतना ही नहीं करीब डेढ़ सौ लोग घायल हो गए. इराक के हमदानिया में स्थित एक मैरिज हॉल में लोग शादी को एन्जॉय कर रहे थे. सभी बेहद खुश थे. दूल्हा और दुल्हन गेस्ट्स के सामने डांस कर रहे थे. उनके आसपास काफी आतिशबाजी हो रही थी. लेकिन तभी एक चिंगारी ने पूरे मैरिज हॉल को जलाकर ख़ाक कर दिया. पलभर में खुशियां मातम में बदल गई. इराक के निनेवेह प्रांत में एक बैंक्वेट हॉल में शादी की खुशियां देखी जा सकती थी. दूल्हा और दुल्हन को आशीर्वाद देने कई गेस्ट्स आए हुए थे. टेबल पर सभी खाना एन्जॉय कर रहे थे. जबकि दूल्हा और दुल्हन सबके बीच नाच रहे थे. उनके आसपास फायर वर्क किया जा रहा था. दोनों के चेहरे पर ख़ुशी साफ़ दिखाई दे रही थी. लेकिन तभी आतिशबाजी की एक चिंगारी ने सबकुछ जला दिया.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 3 अक्टूबर, 2023

सुविचार

दिन-रात अपने मस्तिष्क को, उच्चकोटि के विचारो से भरो। जो फल प्राप्त होगा वह निश्चित ही अनोखा होगा।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 116वां नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर संपन्न

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा गांधी ज्ञान मंदिर एवं श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता केन्द्र के सहयोग से 116वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप कोठी स्थित गांधी ज्ञान मंदिर योग केंद्र में संपन्न हुआ। जिसका लाभ 254 लोगों ने लिया। सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल शिविर में बेगमपेट स्थित मेडिकवर अस्पताल द्वारा सामान्य परीक्षण (डॉ.राजेश ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ. संजय सूर्यवंशी द्वारा दी गई। अवसर पर कैम्प के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, निखिल राणासरिया, स्थानीय पार्टनर गांधी ज्ञान मंदिर के सर्वोदय विचार प्रचार ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल, मंत्री सुरेंद्र लूनिया, कोषाध्यक्ष सुशील कपाड़िया, निदेशक रविंद्र कपाड़िया, श्याम सुंदर अग्रवाल, गोविंद राठी, अजय तुलस्यान, स्वयंसेवी सतीश गर्ग, राधेश्याम बियानी, बजरंग लाल अग्रवाल, बबीता गर्ग, रितु गर्ग, महावीर अग्रवाल, कमल अग्रवाल, पंकज संघी, अग्र महिला मंच की अंजु गोयल, वंदना अग्रवाल, समाजसेवी घनश्याम यादव, गोपाल सिंह, पित्ती लेमिनेशन के सदस्य, मेडी के अस्पताल के डॉ. राजेश डॉक्टर राधिका मुक्त डॉक्टर वेंकटरमन, सुनील माल्या,एलबीएस के डॉ . वेंकटेश्वर, डॉ. अली, श्रीनिवास, शेख अब्दुल्ला, डॉ. संजय सूर्यवंशी एवं अन्य ने सहयोग दिया।

शुक्ला) द्वारा अस्थि रोग की जांच (डॉ. वेमुरी वेंकटरमना) द्वारा की गई। अवसर पर ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस-रक्तचाप एवं हृदयरोग की जांच की गई।

अवसर पर एलसीएस डंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मारेडपल्ली नेत्रों की जांच की जिसमें 95 योग्य को निशुल्क चश्मों का वितरण किया गया और 17 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। साथ ही ईएनटी की सेवा डॉ.पवन एवं फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ.मीता बजाज,

राज्य में प्रधानमंत्री के दौरे से लोग निराश : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद और टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तेलंगाना यात्रा से लोगों को निराशा हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने राज्य के विभाजन के समय तेलंगाना के लोगों को कोई आश्वासन नहीं दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संसद को साक्षी बनाकर उन्होंने जो वादे किये थे, वे अब तक पूरे नहीं किये गये हैं। पलामुरु लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए राष्ट्रीय दर्जा की घोषणा करने के बजाय, पीएम ने घोषणा की कि हल्दी बोर्ड केंद्र द्वारा राज्य को दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यूपीए शासन के दौरान लिए गए फैसलों को भी प्रधानमंत्री ने लागू नहीं किया है। क्या पिछली सरकारों द्वारा लोगों से किए गए वादे बद् हो जाएंगे?'' रेवंत रेड्डी ने मोदी द्वारा किए गए "धोखाधड़ी" के लिए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा और केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी से माफी की मांग की। उन्होंने कहा कि मोदी की सार्वजनिक सभा आयोजित करने में परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले सीएम केसीआर भी दोषी हैं।

सोमवार को गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी तेलंगाना के साथ भेदभाव कर रहे हैं और उन्होंने पीएम से पूछा कि रेलवे कोच फैक्ट्री तेलंगाना को क्यों नहीं दी गई? उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मोदी के तेलंगाना दौरे की कड़ी निंदा करती है क्योंकि पीएम ने राज्य के गठन का विरोध किया है। कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई छह गारंटियों के बारे में बात करते हुए रेड्डी ने कहा कि योजनाएं राज्यों की आय और लोगों की जरूरतों पर आधारित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के मंत्री केटीआर और हरीश राव अपनी पार्टी की छह गारंटियों के बारे में भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने दोनों मंत्रियों को कांग्रेस पार्टी और बीआरएस पार्टी के 10 साल के शासन पर सार्वजनिक बहस की चुनौती दी। इस बीच, रेवंत रेड्डी ने गांधी भवन में आयोजित एक समारोह में महात्मा गांधी को उनकी 154वीं जयंती और पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 119वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

आईआईटी हैदराबाद में स्वच्छता सेवा अभियान में आयोजित

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईटी हैदराबाद (आईआईटीएच) ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के हिस्से के रूप में "स्वच्छता ही सेवा" अभियान में गर्व से भाग लिया, जो न केवल परिसर को बल्कि आसपास के समुदायों को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। कार्यक्रम में आईआईटीएच के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के साथ-साथ चिमनापुर गांव के स्थानीय निवासियों और सम्मानित अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय), संगारेड्डी, चंद्रशेखर बडुगु, आईएएस ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस क्षेत्र में स्वच्छता और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ यह समर्पित सफाई अभियान चिमनापुर गांव, कांडी, संगारेड्डी के पास और अंदर सुरम्य चेरुवु में किया गया था। गांव की सफाई के अलावा, आईआईटीएच ने फैकल्टी एंड स्टाफ टॉवर में एक समानांतर पहल का आयोजन किया, जो स्वच्छता और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए अपने समग्र दृष्टिकोण का प्रदर्शन करता है।

आईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रो. बीएस मूर्ति ने आईआईटियंस की उत्साही भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि आईआईटी हैदराबाद में, हम अपने परिसर और उसके आसपास के समग्र विकास में विश्वास करते हैं। स्वच्छता ही सेवा अभियान में हमारी भागीदारी स्वच्छ, हरित और स्वस्थ पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। नोडल ऑफिसर डॉ. प्रखर गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान में हमारी भागीदारी एक स्वच्छ और अधिक टिकाऊ पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए आईआईटीएच के अटूट समर्पण को दर्शाती है। गांधी जयंती पर छात्रावास और शैक्षणिक भवन क्षेत्रों में सफाई अभियान और परिसर में वृक्षारोपण अभियान का एक और चरण आयोजित किया गया। साथ महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी को श्रद्धांजलि दी गई।

गांधी जी की 154वीं जयंती पर गौलीपुरा रोड पर युवा कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एस.पी.क्रांति कुमार के नगतृत्व में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। उपस्थित हैं कांग्रेस कार्यकर्ता बी.कोटेश, जी.नवीन कुमार, चंद्रकांत, जी.प्रणीत, वरिष्ठ हरि कृष्ण, कालिदास, नरसिंग राव और अन्य।

श्रमदान को जीवन शैली बनाएं : कमोडोर ए. माधवराव

बीडीएल में महात्मा गांधी को दी गई श्रद्धांजलि, किया स्वच्छता अभियान 3.0 का प्रारंभ

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश की अग्रणी कंपनी भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त) ने कहा कि श्रमदान को जीवन शैली बनाएं। साथ ही बताया कि, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान 3.0 का प्रारंभ किया है तथा यह अभियान जोकि एक महीने तक जारी रहेगा। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त), ने बीडीएल भनूर यूनिट में महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की तथा श्रद्धांजलि दी और इस अवसर पर बीडीएल कंपनी के निदेशकों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ श्रमदान किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को 'स्वच्छता शपथ' दिलाई गई।

भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) कंपनी बीडीएल अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने अपने संबोधन में सभी को अनुरोध किया कि, 'श्रमदान' को जीवन शैली बनाए तथा बताया कि कंपनी ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में अपनी सभी इकाइयों और कार्यालयों में स्वच्छता अभियान 3.0 शुरू किया है तथा तैयार किये गये इस एक महीने के इस कार्यक्रम में स्वच्छता से जुड़ी निम्न सभी कार्यकलाप सक्रिय रूप से कार्यान्वित किये जायेंगे। जिसमें उन्होंने यह भी बताया कि, मशीनीकृत सफाई", जो तेज और हरित सफाई को सक्षम बनाती है। इस मामले में बीडीएल ने आगे बताया कि, जो सक्रिय कार्यकलाप आयोजित किये जायेंगे उनमें भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) स्वच्छता का अवलोकन करेगा।जिसमें सभी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी पर जोर देने वाले विभिन्न प्रकार के आयोजन शामिल हैं एवं. स्वच्छता अभियान 3.0 के एक भाग के रूप में, बीडीएल व्दारा कई कार्य आयोजित किये जायेंगे। जिनमें अपशिष्ट निपटान, स्थान प्रबंधन, नियम/प्रक्रिया जैसे कार्य तथा सरलीकरण, कार्यस्थलों का सौंदर्यीकरण और पुरानी फाइलों को छांटना जिसमें ई-फाइलें, प्लास्टिक कचरे की प्लागिंग, पौधारोपण शामिल है एवं फैक्ट्री परिसर के आसपास, सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान आयोजित करना आदि शामिल हैं। बीडीएल के अधिकारियों ने यह भी बताया कि, एक महीने भर जारी रहने वाले उक्त स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में छात्र-छात्रों के मध्य स्वच्छता के महत्व को कैसे जागरूक करना तथा प्रश्नोत्तरी/नारा एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएं भी आयोजित करने का प्रस्ताव है। इस अवसर पर बीडीएल आईपीओएस मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. उपेन्द्र वेन्नम द्वारा, महात्मा गांधी के जीवन और कार्यों को दर्शाते हुए संग्रहित दुर्लभ टिकटों पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया तथा बीडीएल सीएमडी ने उक्त प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में बीडीएल निदेशक (वित्त) एन. श्रीनिवासुलु, बीडीएल निदेशक (उत्पादन) पीवी राजाराम, बीडीएल आईपीओएस चीफ विजीलेंस आफिसर ड़ा. उपेंदर वेन्नम, बीडीएल महाप्रबंधक एंड एम्प, युनिट हेड (भानूर युनिट) एल. किशन सहित बीडीएल के सभी कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

महाराजा अग्रसेन जी की 5147वीं जयंती के तहत बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की 5147वीं जयंती के तहत बैडमिंटन प्रतियोगिता कार्यक्रम गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नरसी रेड्डी व अनिरुद्ध गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना व राष्ट्रगान के साथ किया गया। केंद्रीय समिति के पदाधिकारी मनीष अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, अंजनी कुमार अग्रवाल, कपूरचंद गुप्ता, कंचन अग्रवाल, नवीन अग्रवाल आदि सभी ने अतिथियों को साल और पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया और उपस्थित सभी खिलाड़ियों को तरह-तरह से प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज हैदराबाद तेलंगाना की अधिकतम शाखाओं के युवक ,युवतियों व बड़ो ने बहुत ही उत्साहपूर्वक बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में हैदराबाद के अलावा बाहर के खिलाड़ी भी आए। इस प्रतियोगिता में इंटरनेशनल कोच सूर्य प्रसाद व उसकी 10 सदस्यों की टीम ने करीब 162 गेम्स खिलाये। इस प्रतियोगिता में स्टेट व राष्ट्रीय रंग के समाज के खिलाड़ी कृतिका मित्तल, प्दिवस अग्रवाल, अस्मिता अग्रवाल को भी आमंत्रित करके उनको सम्मानित किया गया। विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी व नगद इनाम व सर्टिफिकेट से पुरस्कृत किया गया वह पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट सभी भाग लेने वाले खिलाड़ियों को दिए गए। कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने में राकेश जलान, नितिन सुरेका, नीरज मोर, रोहित जैन, राहुल गोयल, मनीष, मुकेश अग्रवाल, सत्यप्रकास बंसल, एमआर सुरेका, विकास श्रॉफ, सुरेंद्र केडिया, राजेश सराफ, अविरल बंसल, अरविंद सराफ, हितेश गुप्ता, निर्मल अग्रवाल, सतीश धोदिया आदि का सहयोग रहा।

बिहार एशोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई, जिसमें एसोसिएशन द्वारा आयोजित किये गये विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विचार-विमर्श हुआ। अध्यक्ष हरेराम सिंह ने सफल आयोजन हेतु कार्यकारिणी के सभी सदस्यों की प्रशंसा की। बैठक में कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता के द्वारा दोनों कार्य कर्मों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। बैठक में मानवेंद्र मिश्रा द्वारा आने वाले उत्तर भारतीयों का महापर्व छठ की तैयारी पर चर्चा की गई। उपाध्यक्ष उत्तम यादव ने अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में अशोक प्रसाद सिंह, महेश साहू, उमेश साहू, मनोज यादव, जितेंद्र सिंह, अजय ओझा, धर्मेंद्र सिंह, गोपाल भगत, युवा विंग के हरेराम यादव, भारत सिंह आदि की उपस्थिति रही। उपाध्यक्ष रविशंकर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

दभा हिंदी प्रचार सभा में मनाई गई गाँधी जयंती

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, खैरताबाद के उच्च शिक्षा शोध संस्थान एवं शिक्षा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में गांधी जयंती मनाई गई। समारोह के गणमान्य सदस्यों द्वारा महात्मा गाँधी प्रतिमा को मालार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। बी.एड. प्रशिक्षणर्थियों द्वारा प्रार्थना गीत गायन के उपरांत पी.जी. विभागाध्यक्ष प्रो. संजय एल. मादार ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में हिंदी पखवाड़ा समारोह के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर भाषण प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसका संचालन बी.एड. के प्रवक्ता जी. एकाम्बरेश्वरुडु ने किया। तत्पश्चात बी.एड. की छात्राध्यापिकाओं द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना का गायन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बी.सी. वेलफेअर सोसायटी के डेप्युटी सेक्रेटरी तेलंगाना के डॉ. गुडिमल्ला तिरुपति ने अपने वक्तव्य में भारत को आज़ादी दिलाने में महात्मा गाँधी जी के विशेष प्रयासों को उजागर किया। सभा के अध्यक्ष पी.ओबय्या ने गाँधी और हिंदी के मध्य महत्वपूर्ण संबंधों को अधोरेखित किया। सभा के प्रथम उपाध्यक्ष मुहम्मद अब्दुल रहमान ने महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन परिचय सम्बन्धी जानकारी देते हुए उनके हिंदी के महत्वपूर्ण योगदान की बात कहीं। द्वितीय उपाध्यक्ष एल.मधुसुदन ने स्वच्छता अभियान की याद दिलाते हुए हमारे जीवन में उसके महत्व को समझाया। प्रबंध निधिपालक शेख मोहम्मद खासिम, सभा की सचिव (प्रभारी) एवं संपर्क अधिकारी श्रीमती ए. जानकी ने अपने वक्तव्य में कहा कि गाँधीजी के महात्मा बनने में उनके शस्त्र सत्य, अहिंसा एवं शांति का बहुत बड़ा योगदान रहा है। शिक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सी.एन. मुगुटकर ने अपने वक्तव्य में कहा कि महात्मा गाँधी जी के अनुयायी विनोबा भावे जी के आदर्शवादी विचारों से प्रभावित देश के अनगिनत देशभक्तों में हम भी एक हैं। ग्रन्थपाल डॉ. संतोष कांबले ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता श्रीमती शैलेषा एम. नंदुरकर ने किया।

राजस्थान हरियाणा समाज का सशक्त संगठन 'आप और हम' के अध्यक्ष बनने पर धर्मीचन्द कुमावत का सम्मान करते हुए कुमावत समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल आलोदिया, पूर्व उपाध्यक्ष शंकरलाल मानणिया, कुमावत समाज सिकंदराबाद-हैदराबाद के पूर्व अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा, कुमावत समाज कुक्कटपल्ली देवेन्द्रनगर के पूर्व उपाध्यक्ष बाबूलाल घोडावड, प्रचार मंत्री राजुराम बाकरेचा, जयप्रकश चांदोरा, रूपाराम बाकरेचा, हीरालाल गेदर एवं अन्य।

अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्राणी मित्र संघ आदि विभिन्न जीवदया संस्थाओं के तत्वावधान मे अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस (विश्व अहिंसा दिवस, महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती) का आयोजन अहिंसा से विश्व शांति एवं प्राणीयों के प्रति दया विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, विशेष अतिथि के रूप मे आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन तेलंगाना के संयोजक मुकेश चौहान जैन, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार, जैन राजनितीक चेतना मंच तेलंगाना अध्यक्ष आर.के.जैन आदि ने भाग लिया। आयोजित संगोष्ठी मे मुख्य वक्ता के रूप मे भारतीय प्राणी मित्र संघ अध्यक्ष व जीवदया प्रेमी जसराज श्रीश्रीमाल ने अपने विचार व्यक्त किये। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता जसराज श्रीश्रीमाल ने कहा कि हैदराबाद मे जो अहिंसा का कार्य हो रहा है वह और कहीं इतना बडी मात्र मे नहीं होता, मेरे जीवन में मैने एसे कहीं नहीं देखा। कार्यक्रम मे जैन संस्कार वाटीका के घेवरचंद बंदामुथा, कीर्तिभाई श्रीश्रीमाल, रविन्द्र सालेचा, संदीप भोजाणी, अमृत गुरूजी, प्रवीण बंदामुथा, अमित श्रीश्रीश्रीमाल, अविनाश बालड, अक्षय सालेचा, वर्धमान चौहान, योगेश कुणाल, अक्षय, जैनम, तीर्थ, प्रथम, हिमांशु, जैनम, प्रीतेश, मोक्षित, चिराग, भाविक, भागुबेन, अश्विनी, वर्षा, रूचिता, दिव्या, शिक्षा, अपेक्षा, दिव्या, लिशा, आयुशी, अंजलि, खुशी, वंशिका, नेहल, भक्ति लब्धि, भूमि आदि विभिन्न संस्थाओं के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य की हत्या के बाद दूसरे पक्ष के पति-पत्नी, बेटा-बेटी सहित पांच की हत्या

देवरिया, 2अक्टूबर (एजेंसियां)। देवरिया जिले में रुद्रपुर कोतवाली के फतेहपुर के लेहड़ा टोला पर सोमवार की सुबह भूमि के विवाद में एक पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, उसके प्रतिशोध में उमड़ी भीड़ आरोपी पक्ष के सत्यप्रकाश दुबे के दरवाजे पर पहुंच गई। वहां धारदार हथियार और असलहों से लैस लोगों ने पति, पत्नी दो बेटी, एक बेटे को मार डाला। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और मौके डीएम, एसपी सहित कई थानो की पुलिस पहुंच गई।

रुद्रपुर कोतवली के अभयपुर टोला निवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव की एक जमीन लेहड़ा टोला निवासी सत्य प्रकाश दुबे के दरवाजे के पास है। जिसका विवाद काफी समय से दोनों पक्षों में चला आ रहा है। इसमें प्रेम ने धान की रोपाई कराई थी।

सुबह विवादित भूमि पर प्रेम गए थे और इसी बीच सत्य प्रकाश से विवादित भूमि को लेकर बहस हो गई। देखते ही धारदार हथियार से पूर्व जिला पंचायत सदस्य की हत्या कर दी गई। कुछ ही देर में काफी संख्या में लोग सत्य प्रकाश दुबे के दरवाजे पर पहुंचे और जो जहां मिला उसकी हत्या करने लगे। यहां असलहे से लैस लोगों ने फायरिंग करते हुए धारदार हथियार से सत्य प्रकाश की हत्या कर दी। भीड़ घर में घुस गई और उनकी पत्नी किरण, बेटी शलोनी (18), नंदनी (10) और बेटा गांधी (15) की हत्या कर दी। जबकि अनमोल (8) गंभीर रुप से घायल हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। बवाल की सूचना पर कई पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था एवं अपराध प्रशांत कुमार ने कहा कि देवरिया के रुद्रपुर तहसील के फतेहपुर गांव के लेहड़ा टोले में आपसी रंजिश में हुए विवाद में एक पक्ष के एक व्यक्ति की मौके पर मृत्यु हुई तथा दूसरे पक्ष के छह लोगों को घायल अवस्था में मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां पांच लोगों की मृत्यु हुई।

प्रथम दृष्टया घटना आपसी रंजिश से संबंधित है। आज सुबह प्रेम यादव सत्यप्रकाश दुबे के घर पर आए थे, जिसमें कहासुनी हुई और सत्यप्रकाश दुबे और उनके परिजनों ने प्रेम यादव की धारदार हथियार से हत्या कर दी। कुछ देर बाद प्रेम यादव के टोले अभयपुर से लोगों ने सत्यप्रकाश दुबे के घर पर हमला कर घटना को अंजाम दिया। मामले में दो गिरफ्तारी हुई है। प्रकरण की जांच जारी है।

सीएम योगी ने जताया दुख

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देवरिया जिले में हुई घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

जाट संसद में बोले केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान-पश्चिमी यूपी अलग राज्य बनेगा

मेरठ होगी राजधानी

मेरठ,2अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय पशुधन राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि एक दिन ऐसा होगा और मेरठ पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजधानी बनेगा। वह सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय जाट संसद को संबोधित कर रहे थे। साथ ही उन्होंने केंद्रीय सेवाओं में जाट समुदाय को आरक्षण देने और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, सर छोटूराम और राजा महेंद्र प्रताप को भारत रत्न देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई।

डॉ. बालियान ने कहा कि मेरठ क्रांतिधरा है। पश्चिमी यूपी को अलग राज्य बनने का सपना मैं बहुत दिनों से देख रहा हूं। हालांकि लोग यह बात कहने से डरते हैं, मेरा विश्वास है कि मेरठ एक दिन जरूर राजधानी बनेगा। उन्होंने आरक्षण का समर्थन करते हुए कहा कि केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी ने जाटों को आरक्षण दिया था। इस फैसले के खिलाफ कौन अदालत में गया, सब जानते हैं।उन्होंने जाट को राष्ट्रवादी कौम बताते हुए कहा कि देश की रक्षा और मान-सम्मान के लिए जाट बिरादरी हमेशा आगे रही है। आरक्षण में मैं अकेला कुछ नहीं कर सकता, समाज के लोग आगे रहेंगे तो मैं भी उनके पीछे हूं। बिरादरी पर जब भी संकट आया, मैंने अपने सामर्थ्य से ज्यादा मदद की है। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट रहने और अन्य समाज से भी सामंजस्य बनाने की बात कही। विदेश से भी आए समाज के प्रतिनिधि जाट संसद में अमेरिका से कृपाल सिंह खापरा, ऑस्ट्रेलिया से मोहित नैन, मेलबर्न से सुमित कुंड, कैनबरा से अमित बूरा, सिडनी से टीनू जाट, चीन से बलराज हुड्डा, फ्रांस से चौधरी कपिल डागर, अमरीश काजला और पूनम चौधरी सहित करीब 80 देशों के लोग मौजूद रहे। पड़ोसी जनपदों के अलावा हरियाणा और राजस्थान, पंजाब के लोग काफी संख्या में आए। समाज के लोगों को पगड़ी बांधकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान राजस्थान के कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी।

जाट संसद में सामाजिक भाईचारे को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। गौरवशाली जाट इतिहास को याद किया गया। युवाओं को विदेशों में उच्च शिक्षा के अवसर पैदा करने, समाज के सामाजिक व राजनीतिक नेतृत्व को मजबूत करने, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर मंथन किया गया। नशा मुक्त जाट समाज पर चर्चा हुई। केंद्र में ओबीसी आरक्षण की मांग की गई व इसके लिए प्रयास किया जाएगा। सर छोटूराम, चौधरी चरण सिंह व राजा महेंद्र प्रताप को भारत रत्न की मांग रखी गई। ग्लोबल जाट मीडिया सेंटर की स्थापना की जाएगी। गौरवशाली जाट इतिहास को अंतरराष्ट्रीय जाट संसद द्वारा डिजिटल किया जाएगा। कार्यक्रम में जाट समाज के प्रबुद्ध लोग, बिजनेसमैन, खिलाड़ी, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, कलाकार, राजनेताओं को सम्मानित किया गया। संयोजक रामावतार पलसानियां व परमेश्वर कलवानियां ने इनका स्वागत किया। उन्होंने बताया कि जाट संसद कला, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, रोजगार सृजन व गौरवशाली जाट इतिहास को लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य पर कार्य कर रही है।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल, पूर्व विधायक उमेश मलिक, सहारनपुर जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी, बुलंदशहर की जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया, अतुल कुमार, जिला जाट सभा मेरठ के अध्यक्ष रवींद्र मलिक, सपा प्रवक्ता डॉ. सुधीर पंवार, अभिनेता बिंदर दनोदा, एनडी जाट, चौधरी प्रेम सिंह, प्रीत सिंधू, अखिल भारतीय जाट महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष चौधरी, पूर्व विधायक उमेश मलिक, भाकियू वर्मा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा, सहकारी समिति के चेयरमैन अमरजीत पंवार, नीरज जिटौली आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

सोते समय चुपके से आई मौत

लिव इन में रह रहे महिला और पुरुष की ऐसे हाल में मिली लाशें, कांप गए लोग

आगरा,2अक्टूबर (एजेंसियां)। फिरोजाबाद की जसराना तहसील के गांव कटेना हर्षा में करंट लगने से लिव इन में रह रहे महिला और पुरुष की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने बताया कि महिला ने पति को छोड़ दिया था। वो दूसरे युवक के साथ पिछले 10 वर्षों से लिव इन में रह रही थी।

यहां का है मामला

जसराना तहसील के गांव कटेना हर्षा में दिवाकर और संतोषी नाम की महिला लिव इन में रह रही थी। बताया गया है कि संतोषी ने अपने पति को छोड़ दिया है। इसके बाद से दोनों परिवार वालों की सहमति से साथ-साथ थे।

रात में हुई घटना

पुलिस ने बताया कि रात को सोते समय किसी तरह पंखा उनके ऊपर गिर गया। करंट लगने से दोनों की मौत होना मानी जा रही है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भाजपा पार्षद ने अपने ही घर पर कराया सुतली बम से हमला

वीडियो ने मंसूबे को लगाया पलीता, वजह जान अफसर हैरान

लखनऊ ,2अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ में भाजपा पार्षद ने सुतली बम से हमला कराया है। एडीसीपी ने बताया कि पार्षद ने खुद ही अपने घर पर हमले की साजिश रची थी। उनके ही परिचित लोगों ने बम चलाया था।

लखनऊ के फैजुल्लागंज चतुर्थ वार्ड के भाजपा पार्षद रामूदास कनौजिया ने अपने विरोधी को फंसाने और सुरक्षा लेने के लिए अपने ही घर पर हमला करा लिया। शनिवार देर रात ईंट-पत्थर और सुतली बम से हमले की सूचना देकर एफआईआर भी दर्ज करा दी।

पर, सोशल मीडिया पर रविवार दोपहर वायरल हुए एक वीडियो ने नेताजी के मंसूबे को पलीता लगा दिया। पुलिस पार्षद समेत चार को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

एडीसीपी ने बताया कि पार्षद ने खुद ही अपने घर पर हमले की साजिश रची थी। उनके ही परिचित लोगों ने बम चला पथराव किया। सभी से पूछताछ की जा रही है।

कानूनी राय लेकर केस में किया जाएगा बदलाव

एडीसीपी ने बताया कि अब मामले में विधिक राय लेकर केस में बदलाव किया जाएगा। जिसने साजिश रची और जिसने हमला किया, वे गिरफ्तार किए जाएंगे। एडीसीपी ने बताया अभी तक की जांच में सामने आया कि पार्षद अपने विरोधी को इस मामले में फंसाने की साजिश रची थी। साथ ही वह इस घटना के आधार पर सरकारी गनर यानी सुरक्षा की मांग करते। आसानी से सुरक्षा मिल जाए इसलिए पूरी साजिश रची।

रात सवा बजे धमाके हुए, कुछ समझ पाता पथराव होने लगा

मड़ियांव दाऊदनगर निवासी पार्षद रामू दास कनौजिया ने शनिवार देर रात पुलिस को सूचना दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि करीब 1:15 बजे तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। कुछ समझ पाता, तब तक घर पर पथराव होने लगा। जब वह बाहर निकला, तो कोई नजर नहीं आया। दो सुतली बम, सुतली बम के अवशेष, टूटा टाइल्स आदि पड़े हुए थे। पुलिस ने उनकी सूचना पर अज्ञात पर एफआईआर दर्ज कर ली।

8 मिनट 27 सेकंड के वीडियो में शराब पार्टी दिखी, बम भी दिखा

एडीसीपी नॉर्थ एआर शंकर ने बताया कि रविवार दोपहर को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। यह वीडियो पार्षद के दफ्तर का है। इसमें पार्षद के दफ्तर में पांच छह लोग बैठे नजर आ रहे हैं। सभी शराब पी रहे हैं। वहां मौजूद एक शख्स शेखर राजपूत नाम की इंस्टाग्राम आईडी से लाइव होता है।

डेंगू का डंक: वाराणसी में हर घर में बीमार

रिपोर्ट के लिए दो से तीन दिन का इंतजार, अस्पतालों में जगह नहीं

वाराणसी, 2अक्टूबर (एजेंसियां)। वाराणसी में वायरल फीवर के साथ ही डेंगू, चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या बढ़ी है। लगभग हर घर में कोई न कोई बीमार है। जिला अस्पताल में डेंगू की रिपोर्ट के लिए लोगों को दो से तीन दिन का इंतजार करना पड़ रहा है। इस वजह से बहुत से लोगों की दवा भी नहीं शुरू हो पा रही है। बदलते मौसम और मच्छरों के प्रकोप से वाराणसी में वायरल फीवर के साथ ही डेंगू, चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या बढ़ी है। लगभग हर घर में कोई न कोई बीमार है। डॉक्टर लोगों को जांच कराने की सलाह दे रहे हैं। स्थिति यह है कि जिला अस्पताल में डेंगू की रिपोर्ट के लिए लोगों को दो से तीन दिन का इंतजार करना पड़ रहा है। इस वजह से बहुत से लोगों की दवा भी नहीं शुरू हो पा रही है। वाराणसी जिले के सरकारी अस्पतालों में डेंगू वार्ड से लेकर अन्य वार्ड मरीजों से भरे पड़े हैं। इसमें कुछ लोगों को डेंगू है तो कोई तेज बुखार, जोड़ों में दर्द और सिरदर्द का अस्पतालों में इलाज करा रहा हैं। मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा, जिला अस्पताल में जहां अगस्त महीने में 1000 से 1200 मरीज पहुंचते थे, वहीं सितंबर के पहले सप्ताह से वर्तमान समय तक यह संख्या 1500 से 1700 पहुंच जा रही है। शास्त्री अस्पताल रामनगर में भी हर दिन 1000 से 1200 मरीज आ रहे हैं। इसमें आधे से अधिक वायरल फीवर और डेंगू से ग्रसित हैं। डॉक्टर की सलाह पर लोग अपना सैंपल तो सरकारी अस्पताल की लैब में दे रहे हैं लेकिन इसकी रिपोर्ट उन्हें दो से तीन दिन बाद ही मिल रही है। अस्पताल की ओर से लैब में सैंपल अधिक आने को वजह बताई जा रही है।

जिला अस्पताल में 500, बीएचयू में 200 से अधिक सैंपल की जांच

जिले में केवल दीनदयाल अस्पताल और बीएचयू में ही डेंगू के सैंपल की जांच की सुविधा है। इसमें दीनदयाल अस्पताल में हर दिन 500 से अधिक सैंपल आ रहे हैं। इसमें कुछ लोग खुद जाकर सैंपल दे रहे हैं, जबकि कुछ अन्य सरकारी अस्पतालों से आ रहे हैं। आईएमएस बीएचयू के माइक्रोबायोलॉजी लैब में भी हर दिन 200 से ज्यादा सैंपल आ रहे हैं। यहां तो वाराणसी के अलावा आसपास के जिलों से भी आने वाले सैंपल की जांच रिपोर्ट देनी होती है।

माल्यार्पण करते रहे नेता-अधिकारी

मगर गांधी मूर्ति से गायब चश्मे पर नहीं पड़ी किसी की नजर

जहानाबाद, 2अक्टूबर (एजेंसियां)। पूरे देश के साथ ही जहानाबाद में भी 2 अक्टूबर को गांधी जी की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। गांधी जयंती को लेकर जिले में कई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं।लेकिन, इन सब के बीच जहानाबाद से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है।दरअसल जहानाबाद के गांधी मैदान के पास बापू की मूर्ति पर सुबह से ही माल्यार्पण के लिए अधिकारियों और नेताओं का तांता लगा था।लेकिन, इस दौरान बापू की मूर्ति से गायब गोल चश्मे पर किसी की नजर नहीं पड़ी.

दरअसल गांधी जी इस मूर्ति पर गोल चश्मा नजर नहीं आ रहा था।शहर के पास गांधी मैदान स्थित बापू की मूर्ति से बापू की पहचान माने जाना वाला गोल चश्मा ही गायब था।चश्मा गायब हुआ, कब हुआ, कैसे हुआ, इसकी किसी को कोई खबर नहीं है।मूर्ति के पास कई नेता और अधिकारी पहुंचे, लेकिन किसी ने बापू के गायब चश्मे पर ध्यान नहीं दिया। सभी लोग बापू की मूर्ति पर माल्यार्पण कर चलते बने।

क्या कहते हैं स्थानीय विधायक?

वहीं इस मामले को लेकर जहानाबाद के स्थानीय विधायक सुदय यादव कहते हैं कि यह हमारे लिए शर्म की बात है।विधायक ने कहा कि गांधी की धोती, लंगोटी, चश्मा और छड़ी हम सब के लिए प्रेरणा स्रोत है। हम सब को यह प्रण लेना चाहिए कि हम इनकी चीजों की सुरक्षा करेंगे। बापू का चश्मा गांधीजी की सादगी और अहिंसा के दर्शन को दर्शाता है।यह हमारी राष्ट्रीय पहचान का हिस्सा है।उनके चश्मे और उनके द्वारा उपयोग की गई अन्य कलाकृतियां गांधी की विरासत को याद करने और उसका जश्न मनाने के प्रतीक हैं.

नहीं गया किसी का ध्यान

बता दें, दो अक्टूबर को ही पूरे देश में गांधी जयंती मनाई गई, जहानाबाद में भी प्रतिमा पर कई अधिकारियों और नेताओं ने माल्यार्पण किया।लेकिन, बावजूद इसके इस मूर्ति पर किसी का ध्यान नहीं गया।

पुलिस अब चश्मे का गायब होने की जांच में जुट गई है। खास बात यह है कि गांधी मैदान जैसे पॉश इलाके में ये घटना होना अपने आप में बड़ी बात है।टाउन थाने के बगल में हुई चोरी की घटना को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज पर भड़के राजद विधायक

कहा : वे असली हिंदू नहीं

पटना,2अक्टूबर (एजेंसियां)। संसद के विशेष सत्र के दौरान राज्यसभा में महिला आरक्षण पर हो रही बहस के दौरान राजद के सांसद मनोज झा द्वारा पढ़ी गई एक कविता को लेकर बिहार की सियासत में उठा बवंडर अभी थमा भी नहीं है कि राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज को लेकर विवादास्पद बयान दे दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे असली हिंदू हैं ही नहीं। कुछ पत्रकारों ने जब उनसे गिरिराज सिंह के एक बयान को लेकर

सवाल किया तो भाई वीरेंद्र ने कहा कि सच्चाई यह है कि गिरिराज सिंह असली हिंदू हैं ही नहीं। ये तो अंग्रेजों के दलाल के बेटे हैं। उनके पिता अंग्रेजों के दलाल थे। जो दलाल का बेटा होगा, नाथूराम गोडसे का बेटा होगा उसे कभी हिन्दुस्तान से प्रेम हो ही नहीं सकता। उल्लेखनीय है कि गिरिराज सिंह की पहचान एक फायरब्रांड नेता के तौर पर रही है और वे लगातार हिंदू पक्ष में बयानबाजी करते रहे हैं। भाई वीरेंद्र के इस बयान को लेकर माना जा रहा है कि प्रदेश के सियासत जरूर गर्म होगी।

बरौनी से गुजरने वाली रक्सौल हैदराबाद समेत कई ट्रेनें रद्द

बेगूसराय,2अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मध्य रेलवे एक तरफ जहां लगातार सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत जैसी ट्रेनों की तादाद को बिहार में बढ़ा रहा है। वहीं, दूसरी तरफ ट्रेनों को समयबद्ध तरीके के साथ-साथ सुचारू रूप से चलाने की दिशा में भी काम कर रहा है।हालांकि उन्नयन कार्य को लेकर रेलवे ट्रेनों को रद्द करने के साथ उसका रूट भी परिवर्तित कर देता है।

इसी कड़ी में रेलवे ने अचानक कई ट्रेनों के परिचालन को रद्द कर दिया।ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी बेगूसराय जिला के यात्रियों को हो रही है जो बेगूसराय और बरौनी जंक्शन से अपने गंतव्य तक जाते हैं।हालांकि पूर्व मध्य रेलवे ने बेगूसराय रेल यात्रियों को पितृपक्ष मेला के दौरान पिंडदान के लिए कोसी एक्सप्रेस को पुनपुन हॉल्ट पर रुकने का आदेश जारी कर दिया गया है.

उत्तर बिहार के रेल यात्री सबसे ज्यादा बरौनी जंक्शन से यात्रा करना सुगम समझते हैं।यात्रियों को उम्मीद रहती है कि कहीं से ट्रेन मिले ना मिले इस जंक्शन से ट्रेन मिल जाएगी।पूर्व मध्य रेलवे ने सूचना जारी करते हुए बताया है कि बरौनी जंक्शन से होकर गुजरने वाली हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस, दरभंगा-सिकंदराबाद दरभंगा एक्सप्रेस ट्रेन सहित कई ट्रेनों को तकनीकी कारणों से रद्द कर दिया गया है।

जबकि जयनगर से बरौनी जंक्शन होकर राउरकेला तक चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन को राउरकेला के बदले हटिया रेलवे स्टेशन पर ही आंशिक समापन करेगी।यह ट्रेन हटिया से वापस जयनगर के लिए चलाया जाएगा।ऐसे में पूर्व मध्य रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि यात्री के सुविधा में उन्नयन एवं परिचालक सुगमता के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल राउरकेला स्टेशन यार्ड रीमॉडलिंग और तीसरी लाईन के काम के लिए 11 अक्टूबर तक प्रीएनआई तथा 12 से 15 अक्टूबर तक एनआई कार्य किया जाना है।इसको लेकर 15 अक्टूबर तक यात्रियों को इस परेशानियों का सामना करना होगा.पूर्व मध्य रेलवे ने सूचना जारी करते हुए बताया है कि पितृपक्ष मेला में शामिल होने वाले क्षेत्र के इच्छुक लोग कोसी एक्सप्रेस से पिंडदान के लिए पुनपुन घाट की यात्रा कर पाएंगे।रेलवे ने ऐसे रेल यात्रियों की सुविधा के लिए इस रेल खंड में गुजरने वाली कई ट्रेनों को पुनपुन हॉल्ट पर टहराव देने का निर्णय लिया है।जिसमें बरौनी और बेगूसराय से गुजरने वाली कोसी एक्सप्रेस को भी शामिल किया गया है।बता दें कि बेगूसराय जिला के रेलयात्री 14 अक्टूबर तक पुनपुन हॉल्ट पर जाने के लिए इस ट्रेन की यात्रा कर पाएंगे।

जेल में बंद हत्यारोपी की मौत, लोगों का हंगामा

हाजीपुर,2अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली जिले के हाजीपुर में चर्चित हनी राज हत्या मामले में आरोपी अशोक राय की शुक्रवार को सदर अस्पताल में मौत हो गई। जेल में बंद अशोक की तबीयत खराब होने के बाद पुलिस ने इसे अस्पताल में भर्ती करवाया था। अशोक की मौत पर आक्रोशित लोगों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। पुलिस के मुताबिक, हनी राज हत्या के मामले में पुलिस ने अशोक को दो सप्ताह पूर्व गिरफ्तार किया था। बयाया जाता है कि शुक्रवार को इसकी तबियत अचानक बिगड़ गई, पुलिस ने इसे सदर अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां देर रात इसकी मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को वहां से हटाने के लिए बल का प्रयोग किया, इसमे कई लोगों को चोट आई है। हालांकि पुलिस इस मामले में अब तक चुप्पी साधे हुए है।

उधर, मृतक के परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने न्यायिक हिरासत में इसकी जमकर पिटाई की है, इससे इसकी मौत हुई है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने अशोक से मिलने तक नहीं दिया।

जीतन राम मांझी बोले, अब कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा

नई दिल्ली, 2अक्टूबर (एजेंसियां)। में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद यहां लौटते हुए मांझी ने कहा कि वह अब 79 साल के हो गए हैं, इसलिए 'चुनाव लड़ना ठीक नहीं है।'

उन्होंने कहा, मैं भविष्य में कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा। मेरी उम्र अभी 79 साल है और इस उम्र में चुनाव लड़ना ठीक नहीं है। इसलिए, मैं व्यक्तिगत रूप से सक्रिय राजनीति से संन्यास ले

रहा हूं, लेकिन अगली लोकसभा चुनाव में पार्टी और एनडीए का प्रचार करूंगा।

मांझी ने कहा, मैं अमित शाह से मिला और हमारी पार्टी को जो भी सीटें दी जाएंगी, हम उसे स्वीकार करेंगे और अपनी पार्टी के साथ-साथ गठबंधन को भी जिताने के लिए प्रयास करेंगे।

नीतीश कुमार के एनडीए में शामिल होने की संभावना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मांझी ने कहा कि उनकी पार्टी छोटी है और वह इस पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं, "लेकिन मैं एनडीए में उनके शामिल होने पर आपत्ति जताऊंगा।"

भाजपा नेता को बाइक सवार अपराधियों ने मारी गोली

नालंदा,2अक्टूबर (एजेंसियां)। रहुई थाना क्षेत्र के हवनपुरा गांव के समीप बदमाशों ने सोमवार की सुबह भाजपा नेता को गोलीमार कर जख्मी कर दिया है। जख्मी थाना क्षेत्र के देकपुरा गांव निवासी (35) वर्षीय सोनल सिंह है। सोनल सिंह भाजपा में रहुई मंडल के महामंत्री के पद पर हैं। मिली जानकारी के मुताबिक गोली सोनल सिंह के पेट में लगी है।

भारतीय जनता पार्टी नालंदा के महामंत्री अविनाश प्रसाद ने बताया कि रहुई पुलिस के द्वारा उन्हें सूचना मिली कि उनके गांव के सोनल सिंह को अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी है। घटना की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। बता दें कि सोनल पूर्व में मुखिया का चुनाव भी लड़ चुके हैं। सोनल सिंह अपनी पत्नी के साथ बाइक पर सवार होकर बाढ़ गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। तभी हवनपुरा गांव के समीप बाइक सवार दो बदमाशों ने उन पर गोली चला दी। रहुई थाना अध्यक्ष नंदन कुमार ने बताया कि जख्मी ने खुद फोन कर बताया कि उसे गोली मारी गई है।

पटना में दो सब-इंस्पेक्टरों पर हमला

पटना,2अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना के परसा थाना अंतर्गत खैरताली गांव में रविवार देर शाम छापेमारी करने गए दो सब-इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों पर लोगों के एक समूह ने हमला किया। हमले में सौरव कुमार और संतोष नाम के दो सब-इंस्पेक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस दो नामजद और 31 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

यह घटना तब शुरू हुई, जब एक व्यक्ति ने अपनी बेटी के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई। वह नियमित रूप से पुलिस स्टेशन जा रहा था और पुलिस से उसकी तलाश करने की अपील कर रहा था। उनकी शिकायत के बाद दो सब इंस्पेक्टर सौरव कुमार और संतोष कुमार सिविल ड्रेस में शिकायतकर्ता के साथ गांव गए। शिकायतकर्ता ने संदिग्ध का घर दिखाया और उसके घर गया।

कांग्रेस ने नई विकलांगता पेंशन को बताया सैनिकों के सम्मान पर चोट

छावनी बोर्ड खत्म करने पर पूछे सवाल

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार की नई पेंशन पॉलिसी को देश के सैनिकों के साथ विश्वासघात बताया है। विकलांगता पेंशन के नए नियमों को कांग्रेस पार्टी के पूर्व सैनिक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी ने सीमा पर खड़े सैनिकों के मान-सम्मान पर सर्जिकल स्ट्राइक करार दिया है। चौधरी ने कहा, अगर मोदी सरकार, सेना के साथ खड़ी होती, तो आज सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन मिल चुकी होती। देश में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का निजीकरण हो रहा है। 150 साल पुराने 62 कैंटोनमेंट बोर्ड को खत्म कर दिया गया है। शार्ट सर्विस सैनिकों से उनके हक छीन लिए गए। चौधरी ने अग्निपथ स्कीम इस देश की सुरक्षा प्रणाली पर सबसे बड़ा प्रहार बताया है।

21 सितंबर को जारी हुआ नोटिफिकेशन

दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को चौधरी ने वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन के संदेश सिंघालकर और कर्नल सुधीर कुमार की मौजूदगी में कहा, मोदी सरकार की नई पेंशन पॉलिसी देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाली है। कर्नल रोहित चौधरी ने कहा कि एक नई पेंशन पॉलिसी आई है। इसका नोटिफिकेशन 21 सितंबर को जारी किया गया है। इस पॉलिसी को देखकर लगता है कि यह गैरकानूनी है और वेटरन ऑर्गेनाइजेशन इसका पुरजोर विरोध करती हैं। मोदी सरकार ने देश की सेना के ऊपर बहुत भयंकर सर्जिकल स्ट्राइक की है। ये सर्जिकल स्ट्राइक सीमा पर खड़े सैनिकों के मान-सम्मान पर की गई है।

डिसेबिलिटी एलीमेंट को खत्म कर दिया

कर्नल रोहित चौधरी के अनुसार, सेना में डिसेबिलिटी पेंशन के दो हिस्से होते थे। एक सर्विस एलीमेंट और दूसरा डिसेबिलिटी एलीमेंट। जो सैनिक सेवा के बाद स्वस्थ वापस आते थे, उन्हें सर्विस एलीमेंट मिलता था। जिन्हें सेवा के दौरान किसी तरह की डिसेबिलिटी हो जाती थी, उन्हें डिसेबिलिटी एलीमेंट मिलता था। इन दोनों को मिलाकर डिसेबिलिटी पेंशन बनती थी। अब इस पॉलिसी के जरिए डिसेबिलिटी एलीमेंट को खत्म कर दिया गया है। इसका नाम बदलकर इम्पेयरमेंट रिलीफ रख दिया गया है। अब ये पेंशन न रहकर एक्स ग्रेसिया अमाउंट होगा। यह पूरी तरह से सेना के कामकाज के खिलाफ है।

चौधरी ने लगाया झूठे राष्ट्रवाद का आरोप

नई पॉलिसी के तहत इम्पेयरमेंट रिलीफ में इनकम टैक्स छूट भी नहीं मिलेगी। डिसेबिलिटी एलीमेंट खत्म होते ही सैनिक की मौत होने पर विधवा को दी जाने वाली पेंशन घट जाएगी।

इतना ही नहीं, नई पॉलिसी में कई अन्य विसंगतियां भी हैं। क्या सरकार ऐसी स्थिति लाना चाहती है, जिससे देश के पूर्व सैनिक सड़कों पर उतरें। देश की सरहदों पर खड़े सैनिक को शंका रहेगी कि यदि कल मुझे डिसेबिलिटी हो गई, तो मेरे जाने के बाद परिवार का क्या होगा। कर्नल रोहित चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार का झूठा राष्ट्रवाद उन्हें बार-बार सेना पर सर्जिकल स्ट्राइक करने की प्रेरणा देता है।

बेलगाम ट्रक ने सड़क किनारे सो रहे 10 मजदूरों को कुचला, 5 की मौत

बुलढाणा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाणा में नांदुरा-मलकापुर राज्य राजमार्ग पर एक भयानक दुर्घटना में एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे सो रहे 10 मजदूरों को कुचल दिया। इस हादसे में पांच की मौके पर ही मौत हो गई। मलकापुर के एसडीपीओ देवराम गवली ने कहा कि यह घटना सुबह करीब 5.30 बजे हुई, जब सेब की खेप से लदा एक ट्रक हाइवे से उतरकर सड़क मरम्मत कार्यों में लगे 10 श्रमिकों पर चढ़ गया। पुलिस ने बताया कि चालक मौके से भाग गया। एसडीपीओ देवराम गवली ने आईएएनएस को बताया कि पीड़ित मुख्य सड़क से काफी दूर थे और ऐसा लग रहा था कि ट्रक रास्ता भटक गया था, जिससे यह त्रासदी हुई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ड्राइवर को गाड़ी चलाते समय झपकी आ गई होगी। उसने ट्रक छोड़ दिया। फिलहाल वह फरार है और हमने उसकी तलाश शुरू कर दी है।

हत्या के 2 साल बाद मिला महिला कॉन्स्टेबल का कंकाल

साथी हवलदार ने मर्डर किया; लोग जिंदा समझें इसलिए रिकॉर्डेड ऑडियो परिवार को भेजता रहा

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने रविवार को दो साल पुराने महिला कॉन्स्टेबल मर्डर केस की गुत्थी सुलझा ली। पुलिस ने इस केस में दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल सुरेंद्र राणा और उसके दो साथियों को अरेस्ट किया है। आरोपी ने बताया कि वह मोना नाम की महिला से प्यार करता था। जब उसने शादी से मना किया तो उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को एक नाले में छुपा दिया। उस पर पत्थर रख दिए।

इस दौरान वह मोना के आईडी कार्ड और सिम कार्ड का इस्तेमाल करता रहा, ताकि किसी को मोना की मौत का शक न हो। उसके पास मोना के रिकॉर्ड किए गए ऑडियो थे, जिन्हें वह एडिट करके उसके परिवार को भेजता था, ताकि उन्हें लगता रहे कि वह जिंदा है। दो साल मोना के घरवालों और पुलिस को चकमा देने के बाद जब ये केस क्राइम ब्रांच के पास आया, तो धीरे-धीरे इन्वेस्टिगेशन में सारी कहानी सामने आई। पुलिस ने कंकाल बन चुके दो साल पुराने शव को बुराड़ी के पुश्ता इलाके से बरामद कर लिया। कंकाल के अवशेषों को डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए भेजा गया, ताकि यह पता लगाया जा सके ये मोना का ही शव है। मामला 2021 का है। दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह राणा (42) साल 2012 में दिल्ली पुलिस में बतौर पीसीआर वैन चालक के रूप में शामिल हुआ। इसके दो साल बाद 2014 में मोना दिल्ली पुलिस में कॉन्स्टेबल की पोस्ट पर भर्ती हुई। दोनों को 2021 में कंट्रोल रूम में एक साथ तैनात किया गया। इसके बाद दोनों की दोस्ती हुई।

महिला ने दिल्ली पुलिस की नौकरी छोड़ी, पीछे पड़ा रहा आरोपी

इस बीच मोना को यूपी पुलिस में सब-इंस्पेक्टर की नौकरी मिल गई, जिसके बाद उसने दिल्ली पुलिस की नौकरी छोड़ दी। वह दिल्ली से सिविल सेवा यानी यूपीएससी की तैयारी भी कर रही थी। पुलिस के मुताबिक मोना के नौकरी छोड़ने के बाद भी सुरेंद्र उस पर नजर रखता था। जब मोना को पता चला तो उसने विरोध किया। सुरेंद्र शादीशुदा होने के बावजूद मोना पर शादी का दबाव बना रहा था। जब उसने मना कर दिया तो उसकी हत्या का प्लान बनाया। पुलिस ने बताया, 8 सितंबर, 2021 को दोनों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद सुरेंद्र महिला को बुराड़ी पुश्ता ले गया, जहां उसने पहले उसका गला घोंटा और फिर उसे पुश्ता के पास एक नाले में डुबो दिया।

'गांधी का अहिंसा का संदेश दुनिया के लिए आशा की किरण'

अमेरिकी राजदूत ने बापू को किया याद

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। आज गांधी जयंती है और पूरी दुनिया के नेता इस मौके पर महात्मा गांधी को याद कर रहे हैं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। नई दिल्ली में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने भी बापू को याद करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। गार्सेटी ने कहा है कि महात्मा गांधी का अहिंसा का संदेश दुनिया भर में समान्ता और न्याय के लिए आशा की किरण बना हुआ है। फ्रांस के राजदूत ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए महात्मा गांधी और उनकी विरासत की तारीफ की।

अमेरिकी राजदूत बोले-नागरिक अधिकारों पर बापू का प्रभाव

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा कि 'महात्मा गांधी की जयंती पर, मैं उनकी विरासत से बहुत प्रभावित हूं। उनका अहिंसा का संदेश दुनियाभर में समानता और न्याय के लिए आशा की किरण बना हुआ है। डॉ. मार्टिन लूथर किंग और अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन पर महात्मा गांधी का व्यापक प्रभाव है और यह हमें गांधी के आदर्शों की शक्ति याद दिलाता है।' इसके साथ ही एरिक गार्सेटी ने कई तस्वीरें भी साझा की, जिनमें वह किसी में चरखा चलाते तो किसी में मुंबई स्थित मणि भवन में दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि मुंबई के मणि भवन में महात्मा गांधी कई साल तक रहे थे।

नई दिल्ली में फ्रांस के राजदूत थिएरी माथौ ने भी गांधी जयंती पर बापू को याद किया। सोशल मीडिया पोस्ट में थिएरी माथौ ने लिखा कि 'फ्रांसीसी दूतावास में सभी लोग महात्मा गांधी और उनके शांति, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को अपनी श्रद्धांजलि देते हैं। इन मूल्यों का गांधी जी ने दृढ़ता से पालन किया।

फ्रांस में गांधी जी की बहुत प्रशंसा की जाती है और स्ट्रासबर्ग और वोरियल में लगी गांधी प्रतिमाएं इसका प्रमाण हैं।'

नॉर्वे की राजदूत मे-एलिन स्टेनर ने गांधी जयंती पर सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए लिखा कि महात्मा गांधी के जीवन से बहुत कुछ सीखने को है। स्टेनर ने अपने गांधी स्मृति म्यूजियम के दौरे की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि 'जब लोग गांधी जी को पत्र लिखते थे तो वो बिना पते के भी उनके पास पहुंच जाते थे।'

ग्वालियर के दौरे पर पीएम मोदी : सिंधिया के गढ़ में भाजपा का फोकस क्यों, पिछली बार कैसे थे नतीजे?

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी आज ग्वालियर जिले के दौरे पर आए। इस चुनावी साल में पीएम मोदी पहले बार ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के दौरे पर रहा। इस तरह से पीएम ने यहां चुनावी अभियान का आगाज किया। दरअसल, यह इलाका केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का गढ़ माना जाता है। इसके साथ ही यह इस समय राजनीति का केंद्र बिंदु बना हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ग्वालियर-चंबल में चुनावी अभियान की शुरुआत करने के लिए आज ग्वालियर दौरे पर आए। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्वालियर यात्रा के दौरान 11,895 करोड़ रुपये की लागत वाले दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे सहित विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। दो महीने में यह पीएम का चौथा और पिछले सात महीनों में मध्यप्रदेश का आठवां दौरा है।

अब जानते हैं ग्वालियर का सियासी समीकरण ग्वालियर संभाग में कुल पांच जिले आते हैं जिनमें ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, अशोकनगर और दतिया जिले आते हैं। इन पांच जिलों में कुल 21 विधानसभा सीटें पड़ती हैं। दरअसल, 2018 के विधानसभा चुनाव में ग्वालियर भी उन क्षेत्रों में थे, जिसने कांग्रेस को अधिक सीटें दिलाकर राज्य में वर्षों बाद पार्टी की सरकार बनाने में मदद की थी। पिछले चुनाव में 114 सीटें जीतने वाली कांग्रेस को यहां से 16 सीटें मिली थीं। वहीं भाजपा को इस इलाके में महज पांच सीटें ही मिल सकी थीं। 109 सीटें जीतने वाली भाजपा को ग्वालियर क्षेत्र में नुकसान हुआ था। दिसंबर 2018 में कांग्रेस सरकार बनने के करीब 15 महीने बाद मार्च 2020 को मध्य प्रदेश के सियासी ड्रामा हो गया। 22 सिंधिया समर्थक विधायकों ने पार्टी से बगावत कर ली। इस बीच 10 मार्च 2020 को कांग्रेस के दिग्गज नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया अचानक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मिलने दिल्ली आए। इस मुलाकात के बाद उन्होंने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

अगले दिन यानी 11 मार्च को सिंधिया ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। विधायकों के लगातार इस्तीफे के बाद कांग्रेस ने यहीं से अपनी हार मान ली और 20 मार्च को दोपहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। अगले दिन 21 मार्च को दिल्ली में जे पी नड्डा की उपस्थिति में विधायकी से इस्तीफा दे चुके सभी 22 बागी भाजपा में शामिल हो गए। वहीं ग्वालियर संभाग क्षेत्र से भी नौ विधायक भाजपा में शामिल हुए।

सांप्रदायिक तनाव के बाद शिवमोगा में धारा 144 लागू

जुलूस पर पथराव से भड़की हिंसा, 40 लोग गिरफ्तार

बंगलुरू, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के शिवमोगा जिले में सांप्रदायिक तनाव के बाद प्रशासन ने रागी गुड्डा इलाके में सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी है। इसके साथ ही रागी गुड्डा में लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है। बता दें कि बीती रात एक धार्मिक जुलूस पर पथराव के बाद कर्नाटक के शिवमोगा में हिंसा भड़क गई थी। शिवमोगा के एसपी जीके मिथुन कुमार ने बताया कि 'कुछ शरारती तत्वों ने ईद उल मिलाद के जुलूस पर पथराव कर दिया था। इसके बाद हिंसा भड़क गई और गुस्साए लोगों ने वाहनों और घरों में तोड़फोड़ की। वीडियो के आधार पर 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।'

क्या अफवाह से फैला सांप्रदायिक तनाव?

एसपी ने बताया कि 'कुछ इलाकों में एहतियातन धारा 144 लागू कर दी गई है। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। हालात फिलहाल नियंत्रण में हैं हालांकि शांति नगर और रागी गुड्डा इलाके में अभी भी तनाव बना हुआ है। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।' मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यह पूरा विवाद एक अफवाह के चलते हुआ। दरअसल अफवाह फैल गई कि ईद उल मिलाद के जुलूस पर पथराव हुआ है, जिसके बाद लोगों की भीड़ ने कई घरों और वाहनों पर पथराव कर दिया। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने स्थानीय लोगों से शांति बरतने की अपील की है और सोशल मीडिया की अफवाहों पर भी ध्यान ना देने को कहा है। सीएम सिद्धारमैया बोले-इसे बर्दाश्त नहीं करेगी हमारी सरकार

शिवमोगा में सांप्रदायिक तनाव पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि ईद उल मिलाद के जुलूस पर कुछ शरारती तत्वों ने पथराव किया। साथ ही पुलिस पर भी पथराव किया गया। अभी तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हमारी सरकार ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

क्या है पूरा विवाद

पथराव में छह लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो पुलिसकर्मी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक अक्तूबर को इलाके में कुछ लोगों ने टीपू सुल्तान के एक कटआउट पर आपत्ति जताई थी। हिंदू पक्ष की शिकायत थी कि कटआउट में टीपू सुल्तान को भगवा वस्त्र पहने एक व्यक्ति को मारते दिखाया गया है। इसे लेकर पहले से ही दोनों पक्षों में तनाव था। तनाव के बाद पुलिस ने कटआउट को ढक दिया था। जिस पर कुछ मुस्लिम पक्ष के लोगों ने कटआउट को ढकने का विरोध किया। पुलिस के समझाने के बाद दोनों पक्ष शांत हो गए। इसके बाद शाम में पहले से प्रस्तावित योजना के तहत मुस्लिम पक्ष ने ईद उल मिलाद का जुलूस निकाला। जैसे ही जुलूस रागी गुड्डा इलाके में पहुंचा तो कुछ शरारती तत्वों ने घरों पर पथराव कर दिया। इस पर दूसरे पक्ष ने भी पथराव किया जिससे स्थिति बिगड़ गई। पथराव में छह घरों और दो वाहनों में तोड़फोड़ की गई। कर्नाटक पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स को तनावग्रस्त इलाकों में तैनात कर दिया गया है।

'कांग्रेस सरकार में असामाजिक तत्वों को मिल रहा समर्थन'

शिवमोगा की घटना को लेकर भाजपा ने साधा निशाना

बेंगलुरु, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के शिवमोगा जिला मुख्यालय में रविवार शाम पथराव की घटना के एक दिन बाद भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर कानून-व्यवस्था बनाने में विफल रहने का आरोप लगाया। शिवमोगा की संवेदनशील प्रकृति की ओर इशारा करते हुए विपक्षी दल के नेताओं ने सवाल किया कि कोई एहतियाती कदम क्यों नहीं उठाए गए और पूछा कि ईद मिलाद जुलूस के दौरान ऐसी घटना क्यों हुई, जबकि हाल ही में गणेश विसर्जन और जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से हुए थे। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा, 'सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रही है। शिवमोगा एक संवेदनशील शहर है और अतीत में (तनाव के) कई उदाहरण सामने आए हैं। ऐसा लगता है कि इस तरह के धार्मिक आयोजन के लिए पर्याप्त उपाय नहीं किए गए हैं।' बेंगलुरु में संवाददाताओं से बात करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि इस तरह की घटनाएं आमतौर पर शिवमोगा के तीन पुलिस थाना क्षेत्रों में होती हैं, जहां एहतियात के तौर पर कुशल अधिकारियों को तैनात किया जाना चाहिए था। अगर ऐसा नहीं होता है, तो ऐसी घटनाएं होती हैं।

'कांग्रेस सरकार में असामाजिक तत्वों को मिल रहा समर्थन'

उन्होंने आरोप लगाया, 'जब से कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है, असामाजिक तत्वों को समर्थन मिल रहा है।' बोम्मई ने कहा कि हर गांव, तालुक और जिले में 'माफिया' की अवैध गतिविधियां बड़े पैमाने पर हो रही हैं, जिसे नियंत्रित करने में यह सरकार विफल रही है।' उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद से जुड़े स्लीपर सेल के सदस्यों को पहले भी शिवमोगा से गिरफ्तार किया जा चुका है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने आरोप लगाया कि पथराव के पीछे धार्मिक कट्टरपंथी ताकतों का हाथ है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईद मिलाद जुलूस के नाम पर हिंदुओं के घरों और संपत्तियों पर हमला किया गया और लूटपाट की गई। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए जाने की घटनाएं हुईं और कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई।

क्या गुलाम नबी आजाद बनेंगे उपराज्यपाल!

पूर्व मुख्यमंत्री ने दिया जवाब

जम्मू, 2 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने उपराज्यपाल बनाने जाने के सवाल पर प्रतिक्रिया दी है। गुलाम नबीं ने कहा कि उन्हें जम्मू-कश्मीर का उपराज्यपाल बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि वह यहां रोजगार करने नहीं बल्कि लोगों की सेवा करने आए हैं। पूर्व कांग्रेस नेता ने डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के स्थापना दिवस पर आयोजित रैली में अफवाहों को नकारते हुए ये बातें कहीं। साथ ही उन्होंने लोगों से अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील की।

आजाद ने कहा कि कुछ लोग यह अफवाहें फैला रहे कि वह पुनर्वास की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं 2005 में मुख्यमंत्री बना था, तो लोगों की सेवा करने के लिए दो केंद्रीय मंत्रालय-आवास और शहरी विकास और संसदीय कार्य छोड़ दिए थे। ऐसा नहीं था कि मेरे पास कोई काम नहीं था। बेरोजगारी और मुद्रास्फीति जम्मू-कश्मीर की दो मुख्य समस्याएं हैं, जिनका समाधान वह क्षेत्र की पर्यटन क्षमता का दोहन करके करना चाहते हैं। महंगाई बढ़ रही है। यह सच है कि मुद्रास्फीति केवल भारत के लिए नहीं है। यूरोप में मुद्रास्फीति सबसे अधिक है, लेकिन उनके पास इससे निपटने के अन्य साधन भी हैं। हम एक गरीब राज्य से हैं। सरकार पदों के विज्ञापन निकाल रही है, लेकिन साक्षात्कार नहीं हो रहे हैं। शिक्षित युवाओं के पास कोई नौकरी नहीं है। अभिभावकों ने बच्चों की शिक्षा पर अपनी बचत खर्च कर दी है। पर्यटन में समाज के सभी वर्गों को आजीविका प्रदान करने की क्षमता है। 2007 में स्थापित ट्यूलिप गार्डन ने हजारों लोगों को आजीविका प्रदान की है।

'चीन को महात्मा गांधी से सीखने की जरूरत' निर्वासित तिब्बतियों ने मनाई गांधी जयंती

धर्मशाला, 2 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन ने सोमवार को धर्मशाला में महात्मा गांधी की 154वीं जयंती के अवसर पर एक आधिकारिक समारोह का आयोजन किया। इस दौरान निर्वासित तिब्बतियों ने कहा कि चीन को महात्मा गांधी से सीखने की जरूरत है। निर्वासित तिब्बती सरकार के मंत्री और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के कर्मचारी उत्तर भारतीय पहाड़ी शहर धर्मशाला में निर्वासित सरकार के मुख्यालय गंगकी पार्क में एकत्र हुए। यहां सभी ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। साथ ही तिब्बत की शांति के लिए प्रार्थना की।

अंहिसा का मार्ग अपनाएं

निर्वासित तिब्बती सरकार की शिक्षा मंत्री डोलमा थरलाम ने महात्मा गांधी के अहिंसा और सत्य के मार्ग के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उनके विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा, 'गांधी जी ने अहिंसा और सत्य के मार्ग को अपनाकर बहुत कुछ किया है। मुझे लगता है कि इसने हम तिब्बतियों के लिए एक बड़ा उदाहरण स्थापित किया है कि हम अपने देश को कैसे वापस पा सकते हैं।'

एक दिन चीन भी समझेगा

थरलम ने उम्मीद जताई कि किसी दिन चीन यह भी सीखेगा कि वह चाहे जो भी नीतियां अपनाए, तिब्बतियों की शक्ति को आसानी से नहीं समझा जा सकता है। उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि समय आएगा और चीन निश्चित रूप से सीखेगा और यह भी समझेगा कि वे चाहे जो भी नीतियां अपना ले, लेकिन तिब्बतियों की सोच को आसानी से नहीं समझा सकता है।

निर्वासित तिब्बती संसद की उपाध्यक्ष डोलमा त्सेरिंग ने इस बात पर जोर दिया कि गांधी जयंती को पूरी दुनिया में अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा, 'यह तिब्बतियों और दुनिया भर के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि इस दिन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है और अहिंसा का मतलब न केवल भाषण से शारीरिक अहिंसा या दूसरों के प्रति अपनी सोच के आधार पर है, इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है।'

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 3 अक्टूबर - 2023

भाजपा का मध्यप्रदेश मॉडल एक तीर से कई निशाने

ऋतुपर्ण दवे

क्या देश के अगले आम चुनाव के लिए दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में नया प्रयोग करने जा रही है? क्या यही प्रयोग राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भी होगा? मध्यप्रदेश विधानसभा उम्मीदवारों की हालिया सूचियों में बड़े-बड़े नाम यहां तक केन्द्रीय मंत्री, सांसद और संगठन के छत्रपों के जारी हुए हैं। इससे न केवल दूसरे प्रतिद्वन्दी दलों की सांसें अटकी हुईं हैं बल्कि खुद भाजपा के संभावित दावेदार भी हक्का-बक्का हैं। राजनीतिक पण्डितों का मानना है कि यह एक तीर से कई निशाने लगाने जैसा है। निश्चित रूप से भाजपा जो दांव खेल रही है वह भारत की राजनीति में कइयों को अटपटा या नया भले लगे लेकिन हवा का रुख भांपने वालों का मानना है कि राजनीतिक बैरोमीटर पर संभावित आंधी-तूफान के संकेत भांपते हुए ही ऐसा बड़ा कदम उठाया होगा? फिलाहाल टिकट वितरण को लेकर मध्यप्रदेश मॉडल की जहाँ पूरे देश में चर्चा है। इसके राजनीतिक मायने भी बहुत गहरे हैं। भाजपा यहां कांग्रेस की 15 महीने पुरानी सरकार गिराकर फिर सत्ता में आई थी। अब भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयर्गीय, केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते सहित प्रभावशाली सांसद राकेश सिंह (जबलपुर), गणेश सिंह (सतना), उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद), रीति पाठक (सीधी) को सीधी विधानसभा चुनाव के रण में उतारना बताता है कि प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को अछूता नहीं रख जहां-तहां ऐसे प्रत्याशी उतारेगी जो पूरे क्षेत्र में तो प्रभावी हों और कम से कम उस पूरे अंचल या संभाग में भी असर डालें। भाजपा ने शुरुआती सूची में मालवा-निमाड़, ग्वालियर-चंबल, महाकौशल-विन्ध्य, भोपाल-नर्मदापुरम पर जबरदस्त फोकस किया है। अब कयास है कि अगली सूची में शेष निमाड़, बुन्देलखण्ड, उत्तर पश्चिम मालवा, नर्मदा उद्गम संभाग (शहडोल) सहित बांकी सीटों में कइयों पर चौंकाने वाले प्रत्याशी देगी। अभी 320 सीटों में केवल 79 सीटों की घोषणा ने ही राजनीति में नई लहर पैदा कर दी है। इसमें भाजपा ने केवल वर्तमान 3 विधायकों की टिकट काटी है। सबसे चर्चित नाम मैहर से नारायण त्रिपाठी का है जिन्होंने हमेशा अपना बगावती सुर दिखाया। उनकी जगह श्रीकांत चतुर्वेदी को टिकट दिया जो ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी हैं। वहीं सीधी से केदारनाथ शुक्ला की जगह सीधी सांसद रीति पाठक को टिकट देना अचंभित करने वाला है। सीधी के चर्चित पेशाब काण्ड के आरोपी प्रवेश शुक्ला को केदारनाथ शुक्ला का करीबी बताकर विपक्ष ने देश-प्रदेश में काफी हंगामा किया था। लगता है कि यह कहीं न कहीं डैमेज कंट्रोल है। इसी तरह नरसिंहपुर विधायक जालिम सिंह की टिकट उनके छोटे भाई केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह सांसद) को देकर भोपाल-नर्मदापुरम अंचल की सभी सीटों को साधने की कोशिश हुई है। अभी महज 79 घोषित प्रत्याशियों के जरिए भाजपा ने मध्यप्रदेश में अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं। आगे 241 सीटों पर प्रत्याशी तय होने बांकी हैं जिनमें उत्तरप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र की सीमा से जुडे तमाम क्षेत्र भी हैं। क्षेत्रीयता के हिसाब से महाकौशल में सबसे ज्यादा 38 में से 22 सीटों पर, मालवा-निमाड़ में 66 में से 21, ग्वालियर-चंबल की 34 में से 15, भोपाल-नर्मदापुरम की 36 में से 7, विंध्य की 30 में 7 तो बुंदेलखंड की 26 में से 7 सीटों पर प्रत्याशी चयन हो चुका है। निश्चित रूप से चंद दिनों में मध्यप्रदेश सहित सभी पांच राज्यों में चुनावी अखाड़ा सजते ही एक से एक और ऐसी राजनीतिक तस्वीरें आएंगी जिनमें कई पहली बार दिखेंगी तो कई उम्मीदों से इतर भी होंगी। बावजूद इसके मध्यप्रदेश में मुकाबला भाजपा बनाम जनता दिख रहा है। कांग्रेस कमलनाथ के उदारवादी हिन्दू चेहरे पर दंगल में उतरने के बावजूद संगठन के लिहाज से भाजपा से उन्नीस क्या पंद्रह भी नहीं है। यहां विज्ञप्तिवीरों को छोड़ दें तो कांग्रेस धरातल पर सिवाय कुछ इलाकों के वर्षों से कहीं दिखी नहीं। गत वर्ष के नगरीय चुनावों में कई बूथों पर कांग्रेसी एजेण्ट तक नहीं थे। कहीं बहुमत में आकर भी अध्यक्ष की दौड़ में मात खा गई। ऐसे में मध्यप्रदेश का मुकाबला भाजपा और जनता के बीच है जिसमें रणीतिक रूप से भाजपा भारी पड़ेगी। राजस्थान में भी चुनावी सरगर्मी चरम पर है। गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ हुई महज 15 मिनट की बैठक चर्चाओं में है। यहां भाजपा की 200 सीटों पर निकली 4 परिवर्तन यात्राओं में जुटी भीड़, उसमें भी ज्यादातर में वसुंधरा का गायब रहना और इसी बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की ताजा तस्वीरें सामने आने के गहरे मायने हैं। यहाँ प्रेशर पॉलिटिक्स की पक रही नई खिचड़ी कौन खाएगा यही बड़ा सवाल है? संकेतों को समझें तो मध्यप्रदेश मॉडल के तहत केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा कुछ अन्य सांसद मैदान में दिखेंगे। छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा सीटों में से 80 की सूची तैयार है।

भाजपा ने 21 प्रत्याशियों की पहली सूची अगस्त में ही जारी कर दी थी। अब 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री के बस्तर आने से पहले दूसरी सूची जारी हो जाए? मध्यप्रदेश मॉडल यहां भी चर्चाओं में है। चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्री महीनों से ताबड़तोड़ दौरे, घोषणाएं और रेवड़ियां बांट लोगों को लुभाने में कोई कमीं नहीं छोड़ रहे हैं। तीनों हिन्दी पट्टी इलाकों में कहीं भी मौजूदा या पूर्व मुख्यमंत्री का चेहरा सामने नहीं रखना भाजपा की गंभीरता और विवशता दोनों दिखाता है। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह 17 वर्षों से मुख्यमंत्री हैं तो छत्तीसगढ़ में रमन सिंह 15 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहे। दोनों के नाम पहली सूची में नहीं है। वहीं राजस्थान में 5 बार सांसद, 4 बार विधायक और 2 बार मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा राजे अलग ही चर्चाओं में हैं। कभी लगता है कि भाजपा डरी हुई है तो कभी लगता है कि भाजपा गंभीर है और कभी लगता है कि भाजपा जनता के मिजाज को भांप, अपने अंदर ही साफ-सफाई में तो नहीं लगी हुई है? अब वजह जो भी हो वो शीर्ष नेतृत्व जाने लेकिन जिस तरह के बयान गुजरे रविवार को सीहोर की एक जनसभा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिए और कहा कि 'मैंने राजनीति की परिभाषा बदल दी है।

मैं सरकार नहीं परिवार चला रहा हूं, मेरे जैसे भैया नहीं मिलेगा, जब मैं चला जाऊंगा तब आप सबको बहुत याद आऊंगा।' उस बयान के राजनीतिक अखाड़े में कई मायने लगाए जा रहे हैं। वहीं जिस तरह से टिकट वितरण में अब तक जो सच सामने है उससे काफी कुछ समझा जा सकता है और बयान से जोड़ा भी रहा है। लेकिन इतना तो है कि विपक्ष को भी भाजपा कमतर नहीं आंक रही है क्योंकि छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठनात्मक रूप से राजस्थान-मध्यप्रदेश के मुकाबले मजबूत है।

राजस्थान की नई राजनीतिक खिचड़ी कांग्रेस-भाजपा दोनों के लिए चुनौती से कम नहीं है। मिजोरम और तेलंगाना का मिजाज तीनों राज्यों से अलग है। इसीलिए निश्चित रूप से मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्यों के चुनाव, आम चुनावों की दिशा तय करने वाले तो साबित होंगे ही साथ भाजपा में भी अन्दरखाने संगठन व सत्ता मे बड़े बदलाव के संकेत देते नजर आ रहे हैं।

आंदोलन से परेशानी

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपने हक के लिए आवाज उठाना हर नागरिक का अधिकार है। लेकिन आंदोलनकारियों को यह भी ध्यान रखना चाहिए उनकी आवाज व उनके आंदोलन से किसी की निजता पर बुरा असर नहीं पडना चाहिए। यदि आम जनता परेशान होगी तो उनके आंदोलन पर अंगुली उठना स्वाभाविक है। अब पंजाब में किसान आंदोलन की वजह से जिस तरह रेल सेवाएं बाधित हुईं और मुसाफिरों को नाहक परेशानी उठानी पड़ी, उससे एक बार फिर आंदोलन के तरीके को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पंजाब और हरियाणा के किसान बाढ़ और बारिश की वजह से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए, उचित मुआवजे, न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने और कर्ज माफी की मांग को लेकर आंदोलन पर उतरे थे। इसमें कोई शंका नहीं कि उन्होंने इसकी घोषणा पहले ही कर दी थी कि अगर सरकारें उनकी मांगें नहीं मानेंगी, तो वे तीन दिन का रेल रोको आंदोलन करेंगे। लेकिन शायद रेलवे ने उनकी इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया और जब किसान रेल की पटरियों पर बैठ गए, तब कई गाडियां रद्द कर दी गई साथ ही कई गाड़ियों का रास्ता बदला गया। इससे हजारों लोगों को तीन दिन तक परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक दिक्कतें लोगों को कटरा और जम्मू में पेश आईं। लोगों ने रेलवे स्टेशनों पर बैठ कर रातें गुजारीं। बहुत सारे लोगों को अपने कई जरूरी काम छोड़ने पड़े। कुछ लोगों की तो नौकरी पर भी बन आई है। देखा जाए तो इस तरह के आंदोलन व रेलवे की लापरवाही पहली बार नहीं हुई है। जब सबको बता दिया गया था कि किसान बर्बाद हुई फसलों के मुआवजे, फसलों की वाजिब कीमत और कर्जमाफी वगैरह को लेकर आंदोलन पर उतर कर रेल व सडक यातायात बाधित करेंगे तो समय रहते उनकी समस्या का हल क्यों नहीं किया गया। चंडीगढ़ से दिल्ली को जोड़ने वाले राजमार्ग को कई बार बाधित किया जा चुका है, इस बार भी लोगों को घंटों सड़कों पर रुके रहना पड़ा। किसानों की मांगों को भी अनुचित नहीं कहा जा सकता,सरकारों के लिए उन्हें पूरा करने में कई तरह की परेशानी हो सकती है वह अलग बात है। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं कि उनकी बातें सुनी ही न जाएं। अगर सरकार उनसे बातचीत करके बीच का कोई रास्ता निकालने का प्रयास करती, तो शायद किसानों को कठोर कदम से बचा जा सकता था। पंजाब और हरियाणा में किसानों के संगठन पूरे देश के किसान संगठनों से ज्यादा ताकतवर और सक्रिय हैं, इसलिए वे सरकारों पर दबाव बनाने की स्थिति में हमेशा रहते हैं। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने का कानून बनाने पर उसी समय सहमति बन गई थी, जब तीन कृषि कानूनों को समाप्त करने की घोषणा हुई थी। मगर अभी तक उस दिशा में किसी सकारात्मक कदम का इंतजार किया जा रहा है। इसलिए किसान हर नई मांग के साथ उस मांग को नत्थी कर देते हैं। देखा जाए तो तीन कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल तक चला आंदोलन इस घोषणा के साथ समाप्त हुआ था कि अगर न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून नहीं बनता है, तो किसान फिर से आंदोलन पर लौट आएंगे। इस तरह रेल रोको आंदोलन के जरिए किसानों ने यह भी संदेश देने की कोशिश की कि सरकार को जल्दी इस दिशा में गंभीरता से काम करने की जरूरत है। मगर आदत के अनुसार सरकारें किसानों की मांगों को तो मान लेती हैं लेकिन फिर उसे अमल में नहीं लाती। इसलिए, समस्याओं का समाधान तो नहीं निकलता लेकिन मांगों को लेकर हंगामे की संभावना हमेशा बनी रहती है। आंदोलनकारी तभी कठोर कदम उठाने पर विवश होते हैं, जब सत्तापक्ष उनसे किसी तरह का संवाद करने की कोशिश नहीं करता। बहरहाल, किसानों को समझने की जरूरत है कि आंदोलन का स्वरूप को ऐसा बनाएं कि किसी को असुविधा न झेलनी पडे।

दवाब के बाद कनाडा का यू टर्न

सुनील कुमार महला

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाने के बाद अब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के तेवर नरम पड़ते नजर आ रहे हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि भारत ने कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। हाल ही में, कनाडा और भारत के बीच तल्ख होते रिश्तों के बीच अब बदलाव के संकेत देखने को मिल रहे हैं। मीडिया के हवाले से यह पता चलता है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने अब यह बात कही है कि भारत व कनाडा के बीच रिश्ते काफी पुराने हैं और यह बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ रिश्तों का अपना महत्व है और कनाडा रिश्तों को बेहतर बनाएगा। इस मामले में कनाडा काफी गंभीर है। वैसे कनाडा पर हर तरफ से दबाब भी इन दिनों बढ़ रहा है। जानकारी देना चाहूंगा कि एलन मस्क ने हाल ही में कनाडा सरकार की दुनिया की सबसे दमनकारी ऑनलाइन सेंशरशिप योजना लेकर यह कहा है कि जस्टिस अभिव्यक्ति की आजादी को दबा रहे हैं। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि एलन मस्क स्पेसएक्स के संस्थापक और दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में से एक हैं। मस्क ने ट्रूडो सरकार की आलोचना की है। यहां यह बात महत्वपूर्ण व उल्लेखनीय है कि कनाडा के एक आदेश के तहत सभी ऑनलाइन स्टीमिंग सेवाओं को आधिकारिक रूप से सरकार के रिकॉर्ड में पंजीकृत कराने का आदेश दिया है ताकि सरकार उस पर रेगुलेटरी कंट्रोल कर सके। वास्तव में कनाडा सरकार के इस आदेश की जमकर आलोचना की जा रही है। पत्रकार और लेखक ग्लेन ग्रीनवाल्ड ने सोशल मीडिया पर इस संबंध में एक पोस्ट साझा की है, जिसमें उन्होंने यह लिखा कि कनाडा सरकार दुनिया की सबसे दमनकारी ऑनलाइन सेंशरशिप योजना लेकर आई है। वास्तव में इसके तहत सभी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं, जिनमें पॉडकास्ट होता है, उन्हें आधिकारिक रूप से सरकार के रिकॉर्ड में पंजीकृत कराना होगा, जिससे सरकार ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं पर रेगुलेटरी नियंत्रण कर सके। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह पहली बार नहीं है कि कनाडा की ट्रूडो सरकार पर बोलने की आजादी के हनन का आरोप लगा हो। इससे पहले भी फरवरी वर्ष 2022 में भी ट्रूडो सरकार ने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया था और यह कनाडा के इतिहास में पहली घटना थी। दरअसल, कोरोना महामारी के दौरान कोरोना वैक्सीन को लेने की अनिवार्यता के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों ने विरोध प्रदर्शन किया था और उस समय इसे लेकर पूरे कनाडा में बहुत हंगामा हुआ था। तब हालात को नियंत्रित करने के लिए कनाडा सरकार ने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया था। बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में अपने अमेरिकी दौरे के दौरान यह बात कही थी कि कनाडा एक ऐसा देश बन गया है जहां भारत से संगठित अपराध, लोगों की तस्करी के साथ ही, अलगाववाद और हिंसा का मेल है।एस जयशंकर ने यह बात कही है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने जिस तरह निजी और सार्वजनिक तौर पर आरोप लगाया वो ठीक नहीं था। उन्होंने कहा कि कनाडा को खालिस्तानियों पर लगाम

क्यों महत्वपूर्ण है भाजपा व कांग्रेस के लिए विधानसभा चुनाव ?

अशोक भाटिया

2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इस साल नवंबर-दिसंबर में पांच महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। इस हिंदी पट्टी मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधी लड़ाई है। इन तीन राज्यों में से राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और मध्य प्रदेश में बीजेपी सत्ता में है। हाल ही में, कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ ने भाजपा को आगामी मध्य प्रदेश चुनावों के लिए अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा करने की चुनौती दी और सवाल किया कि भगवा पार्टी ऐसा करने से क्यों हिचकिचा रही है। ऐसा इस लिए कि ऐसे राज्य चुनाव कम ही हुए, जिनसे केंद्र की कुर्सी भी तय होने की संभावनाएं-आशंकाएं जुड़ी हों। दरअसल पांच राज्यों के चुनाव बस ड्योढ़ी पर खड़े हैं। उनमें मिजोरम और तेलंगाना भी सियासी रंगत और फिजा बदस्तूर बदलेंगे, लेकिन असली लड़ाई के मैदान तो हिंदी पट्टी के राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ हैं, जो संसदीय चुनाव के बस अगले ही मोर्चे पर गंभीर असर डाल सकते हैं, या कहें इसके आसार हैं। वजह यह कि उत्तर और पश्चिम भारत की इसी पट्टी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 2014 से भी ज्यादा 2019 के संसदीय चुनावों में वोट हासिल हुए थे और यहां पार्टी कुछ भी सीटें गंवाने का जोखिम उठाने की हालत में नहीं है। ये वही राज्य हैं, जहां उसका मुकाबला मोटे तौर पर सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस से है। इन्हीं मैदानों में दोनों पार्टियों के सियासी रंगो-आब का इम्तहिान होना है। इसलिए इन राज्यों के सिपहसालारों पर दोहरी जिम्मेदारी है। पिछली बार 2018 के विधानसभा चुनावों में इन तीनों राज्यों में जीत के बावजूद कांग्रेस संसदीय चुनावों में सूपड़ा साफ करवा चुकी थी, लेकिन आज, 2019 के बाद से नदियों में काफी पानी बह चुका है, हवा का रुख बदला है। ऐसे में दोनों पार्टियों और उनके सेनापतियों के आगे चुनौती यह है कि राज्य चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करके संघीय चुनावों के लिए पुख्ता जमीन तैयार करें। दरअसल महंगाई, बेरोजगारी, छोटे उद्योगों के बंद होने और काम-धंधों में मंदी की वजह से केंद्र के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर का ताप शायद राज्यों से ज्यादा है। हाल के कई जनमत सर्वेक्षणों में न सिर्फ इन मुद्दों पर लोगों की चिंताओं में भारी इजाफा दिखा है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता के आंकड़े भी पहले के मुकाबले घटे हैं। उसके बरक्स कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकप्रियता में (खासकर भारत जोड़ाा यात्रा के बाद) न सिर्फ छलांग दिखा है (अलबत्ता मोदी से तकरीबन आधे पर दिखाए गए हैं), बल्कि इंडिया गठबंधन के जरिये मजबूत दावेदारी भी दिखाने की कोशिश की गई है, ताकि मोदी बनाम कौन का सवाल भी कुछ मंदा पड़ जाए। यही नहीं, कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन अब खुलकर भ्रष्टाचार, क्रोनी कैपटलिज्म (याराना पूंजीवाद) और बढ़ती गैर-बराबरी का मुद्दा उठाकर नैरेटिव भी तैयार करने की कोशिश कर रहा है। भाजपा इसकी काट के लिए इंडिया बनाम भारत, राम मंदिर निर्माण, एक राष्ट्र एक चुनाव जैसे अपने किस्म के राष्ट्रवाद का नैरेटिव तैयार करने की कोशिश में दिखती है। भाजपा की कोशिश ऐसे कुछ और मुद्दे तथा सोशल इंजीनियरिंग की भी दिखती है। इसी मायने में हिंदी पट्टी के इन राज्यों में दांव बड़े हैं। इन राज्यों की कुल 65 संसदीय सीटों (राजस्थान 25, मध्य प्रदेश 29 और छत्तीसगढ़ 11) में 2019 में भाजपा को 61 और उसके सहयोगी हनुमान बेनीवाल को 1 सीट हासिल हुई थी, हालांकि राजस्थान की नागौर सीट से सांसद बेनीवाल तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के दौरान एनडीए से अलग हो गए। अब भाजपा नागौर से 2014 और 2019 में हारीं कांग्रेस की ज्योति मिर्धा को अपने पाले में लाई है, ताकि जाटों की कुछ नाराजगी दूर की जा सके। इसलिए भाजपा की चुनौती संसदीय चुनावों में अपना प्रदर्शन दोहराने या कम से कम नुकसान होने देने की है। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि तकरीबन 45 सीटों पर भाजपा दो लाख से अधिक वोटों से जीती थी, लेकिन बाकी सीटों पर उसकी जीत का अंतर एक लाख या पचास हजार से भी कम रहा था। जाहिर है, राज्य चुनावों के प्रदर्शन से हवा बदली तो मुश्किल पेश आ सकती है। इसके बरक्स राज्य चुनावों में बेहतर प्रदर्शन से उसे संसदीय चुनावों के लिए फिजा तैयार करने में मदद ही नहीं मिल सकती, बल्कि यह भी साबित करने की कोशिश हो सकती है कि मोदी की लोकप्रियता बरकरार है। उधर, कांग्रेस की चुनौती यह तो है ही कि उसे इन आधी या उसके आसपास संसदीय सीटें हासिल करनी हैं, लेकिन इसके लिए उसे राज्य चुनाव जीतना भी बेहद जरूरी है। अगर वह राज्य चुनावों में छत्तीसगढ़, राजस्थान की अपनी सरकारें बचा लेती है और मध्य प्रदेश जीत लेती है तो उसकी संभावनाएं कई गुना छलांग लगा सकती हैं और इंडिया गठजोड़ के नेतृत्व पर उसकी दावेदारी मजबूत हो सकती है। वैसे, इनमें दो राज्यों में भी कांग्रेस जीत जाती है, तब भी उसकी फिजा को बल मिल सकता है। अभी तक की संभावनाएं यही बताती हैं कि छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में वह बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार फिलहाल न सिर्फ मजबूत स्थिति में दिख रही है, बल्कि भाजपा का चेहराविहिन होना भी उसे लाभ दे सकता है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लगातार लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा कर रहे हैं, लेकिन उनके सामने दो चुनौतियां दिख रही हैं। एक, लगभग बीस साल से सत्ता में होने से सत्ता-विरोधी लहर का सामना कर पड़ सकता है। दूसरे, भाजपा में कई नेता अपने-अपने दावे ठोंकते दिख रहे हैं और कांग्रेस से टूटकर गया ज्योतिरादित्य सिंधिया का खेमा कुछ असंतुष्ट लगता है। फिर कई रसूखदार नेता भाजपा से टूटकर कांग्रेस में जा मिले हैं। इसके अलावा आरएसएस से जुड़े किसी छोटे गुट ने जनहित पार्टी बना ली है। इसका असर क्या होगा, यह तो कहना आसान नहीं लेकिन इतना साफ है कि शिवराज सरकार के खिलाफ असंतोष है। इसके बरक्स कांग्रेस में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी में कम से कम ऊपर मतभेद नहीं दिख रहा है। फिर कांग्रेस मध्य प्रदेश में भी कर्नाटक की तरह शिवराज सरकार के भ्रष्टाचार के मुद्दों को हवा दे रही है। राजस्थान में कांग्रेस के खिलाफ सत्ता-विरोधी रुझान भी हो सकता है और राज्य की परंपरा भी है कि हर चुनाव में सरकार बदल जाती है, लेकिन कांग्रेस को राहत भाजपा में स्पष्ट नेतृत्व के अभाव से मिल सकती है।

हैवानियत बर्बरता भरी दरिंदगी से शर्मसार मानवता!

मनोज कुमार अग्रवाल

धर्मनगरी हो या किसी भी प्रदेश का कोई शहर कस्बा जिस्म के भूखे दरिंदे सिर्फ मौके की तलाश में रहते हैं कितना भी महिला सुरक्षा महिला आरक्षण बेटी बचाओ के नारे लगाइये कितने भी सख्त कानून बना दीजिए लेकिन इंसान के जिस्म में छिपे छिछली मानसिकता के दरिंदे नाबालिक बच्चियों को महाकाल की नगरी से लेकर खेत खलिहान पार्क स्कूल मदरसे कहीं भी बर्बरता से बाज नहीं आ रहे हैं। अब महाकाल की नगरी उज्जैन में एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है।उज्जैन में एक 12 साल की बच्ची का बलात्कार करके उसे घायल अवस्था में सड़क पर छोड़ दिया गया और ये बच्ची उज्जैन की सड़कों पर और गलियों में लोगों का दरवाजा खटखटाते हुए मदद मांगती रही, लेकिन किसी ने इसकी मदद नहीं की। महज 12 साल की एक बच्ची से दरिंदगी की खबर जानकर रूह कांप जाएगी। इस बच्ची के साथ बेरहमी से दुष्कर्म किया गया।उस मासूम के अंग-अंग को नोचा गया। यहां तक कि बदन से कपड़े भी जानवरों की तरह फाड़ दिए गए।वो बच्ची उन्हीं फटे हुए कपड़ों से अपने बदन को किसी तरह से छुपाने की कोशिश करती है. पैरों से चलती है लेकिन लड़खड़ाती है। किसी तरह बदन को छुपाते-छुपाते घर के बाहर खड़े एक शख्स के पास पहुंचती है लेकिन शायद उस इंसान को कोई फर्क नहीं पड़ा।उसने उस मासूम बच्ची के बदन को ढकने के लिए एक कपड़े का टुकड़ा तक नहीं देता है। सीकर जिले के रामगढ़ शेखावाटी इलाके में इसी हफ्ते नाबालिग बच्ची का अपहरण करने के बाद उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या कर कुएं में फेंक दिया. इस मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में एक नाबालिग आरोपी को भी पकड़ा किया है।आप को याद होगा अभी एक माह पहले भी राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में अज्ञात व्यक्तियों ने कथित तौर पर एक नाबालिग लड़की की हत्या कर दी और बाद में उसके शव को कोयले की भट्टी में जला दिया था। धर्म नगरी उज्जैन में बारह साल की बच्ची के साथ जो हुआ उसने बर्बरता और हैवानियत का ऐसा दाग लगा दिया है जिसे भुलाना मुश्किल होगा।आठ घंटे तक एक मासूम अस्त व्यस्त अधूरे कपड़ों में महाकाल की नगरी में मदद के लिए दर दर पैदल भटकती रही लेकिन कर्मकांड और पूजा अर्चना को ही धर्म समझ बैठे लोग एक जीती जागती मुसीबतजदा बच्ची की मदद के लिए सामने नहीं आए। यह बेहद शर्मनाक ही नहीं मरती मानवता का एक कलंकित अध्याय भी है हम तड़के तीन चार बजे से महाकाल की भस्मआरती कर महाकाल को जगा रहे हैं लेकिन खुद सोए हुए हैं महाकाल तो जागृत है और हर भक्त को जागने का अपना संदेश दे रहे हैं काश हम महाकाल के जागृत विग्रह से अपनी सोइ आत्मा को जगा पाते। हालांकि छात्रा से रेप के मामले में पुलिस ने सनसनीखेच खुलासा करते हुए आरोपी ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी ऑटो चालक पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश में घायल भी हो गया, उसे इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। इस मामले में पुलिस ने साक्ष्य छिपाने के अपराध में साथी ऑटो चालक को भी आरोपी बनाया है।आपको बता दें कि परिवार वालों से रूठ कर कक्षा आठवीं की छात्रा सपना से उज्जैन पहुंची थी। उज्जैन में 25 सितंबर की रात 3:00 बजे से सुबह 6:00 बजे के बीच उसका 6 लोगों के साथ संपर्क हुआ। छात्रा के साथ सुबह 4:00 से 5:00 के बीच में रेप हुआ। पुलिस ने महाकाल थाने में एफ आई आर दर्ज की।इस पूरे मामले का खुलासा करने के लिए 28 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की एसआईटी बनाई गई।लड़की कुछ मंदबुद्धि बतायी गयी है। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है।इस पूरे मामले में 14 किलोमीटर के दायरे में सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए।पुलिस ने तीन ऑटो चालक सहित 6 लोगों से पूछताछ की। वहीं साक्ष्य छुपाने के मामले में एक अन्य ऑटो चालक के खिलाफ नीलगंगा थाने में एफआईआर दर्ज की है। उज्जैन में 25 सितंबर की सुबह महाकाल थाना क्षेत्र में कक्षा आठवीं में पढ़ने वाली सतना की छात्रा के साथ दुष्कर्म का यह मामला सामने आया । निर्भया कांड की तरह छात्रा पर बर्बर योन जुल्म किया गया। इस मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने बताया कि इस मामले में आरोपी ऑटो चालक को गिरफ्तार करते हुए पूरे घटनाक्रम का पटाक्षेप कर दिया गया है।

आरोपी ऑटो चालक ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसने पुलिस से बचने के लिए गाड़ी का नंबर बदल दिया. इतना ही नहीं आरोपी ने अपना मोबाइल भी बंद कर दिया।

अक्षरों की मात्रा तो कब की मिट चुकी है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

नोट से चीप, आलू से सोना और टेस्ट ट्यूब बेबी से सीता मैया को ढूंढ़ निकालने के बाद जो अपार सफलता मिली, उसके लिए मैं हृदय की गहराई से आप सभी का आभार व्यक्त करता हूँ। मुझे पता है कि आप भी मुझे बधाई देना चाहते है, किंतु आपके पास शब्दों की कमी पड़ रही है। इसीलिए मैंने अक्षरों की ओर दृष्टिपात किया है। सुना है अक्षर जन्म और मृत्यु के खेल से परे होते हैं। सोचा क्यों न मैं भी अक्षरों पर एक कवर स्टोरी बना दूँ। अब तो हर सच्चाई कवर होने लगी है। जीवन में किसी न किसी को कभी न कभी अवश्य कवर करना चाहिए, वरना हमें कवर करने वाला दुनिया में कोई नहीं बचेगा। बहुत दिनों के बाद मैंने अक्षरमाला को बड़े ध्यान से देखा। पिछली बार 2011 के आसपास देखा था। मात्र देखने का परिणाम यह हुआ कि देश का साक्षरता दर सत्तर पार हो गया। मैंने देखने में कभी कमी नहीं की। यही कारण है कि यहाँ जितने डॉक्टर और इंजीनियर बनते हैं उससे कहीं ज्यादा बाबा उभरकर आते हैं। हमारी साक्षरता पढ़े लिखों में बेवकूफों और बेवकूफों में पढ़े लिखो का संतुलन बनाए रखती है। हाँ तो मेरी बात अक्षरमाला पर हो रही थी। मानो मुझे ऐसा लगा कि चुनिंदा शहरों के साथ-साथ अक्षरमाला को भी स्मार्ट सिटी का दर्जा दे दिया गया है। अक्षरमाला के शहर में स्वर, व्यंजन, गला, मूर्धा, तालू, दाँत, होंठ जैसी अलग-अलग बस्तियाँ काफी हाई-फाई हो गयी हैं। तालू के मोहल्ले में दाँत वाले मोहल्ले का कोई छोकरा घुस आए तो दाँतों की बत्तीसी तोड़ने के लिए तलुआ गैंग के अक्षर डटकर खड़े रहते हैं। मैंने देखा कि कुछ अक्षर बदन पर आभूषण की प्रदर्शिनी लगाए प्रशंसा पाने की होड़ में है। कुछ अक्षर भजन, कीर्तन करते हुए फलाँ-फलाँ का नामस्मरण कर रहे हैं। उन्हें पूरा विश्वास है कि जिनके लिए यह भजन, कीर्तन हो रहा है वे उन्हें असली अक्षर होने का दर्जा देंगे। कुछ अक्षर तो अपने अगल-बगल में इतर लगाए सभी को अपने गंध के मोह में फांसना चाहते हैं। पुरस्कार हथियाना चाहते हैं। कुछ अक्षर अपने बदन पर धर्म, जात-पात, रीति-रिवाज का वर्ण पोतकर शाल ओढ़वाने के लिए बेताब हैं। कुछ अक्षर तो सिजेरियन ऑपरेशन से जबरन बाहर आए किसी तितली के समान प्रतीत होते हैं। जब मन चाहा तब, जिस पर चाहा उस पर गए और मंडराए। अपना जलवा बिखेरने लगे। कुछ अक्षर तो इसलिए जन्म लेते हैं कि उनके भाग्य में दूसरों के द्वारा रौंदना लिखा होता है। दुनिया भर का अपमान मात्र अस्तित्व की पहचान के लिए सह लेते हैं। बावजूद इसके कई रौंदे जा रहे हैं और कई विलुप्तता के कगार पर खड़े हैं। अक्षरों की महानगरी मात्राओं की बिल्डिंगों से पटी पड़ी है, जहाँ केवल अहं की मात्रा दिखाई दे रही है। अक्षरों की मात्रा तो कब की मिट चुकी है।

घर की इन जगहों पर होता है पितरों का वास

श्राद्ध के 15 दिनों तक सुबह शाम लगाएं दीपक, मिलेगा आशीर्वाद

पितृ पक्ष या श्राद्ध की शुरुआत इस बार 29 सितंबर से हो गई है तथा इसका समापन 14 अक्टूबर सर्व पितृ अमावस्या के दिन होगा। सर्व पितृ अमावस्या को महालया अमावस्या, पितृ अमावस्या एवं पितृ मोक्ष अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है तथा यही पितृ पक्ष का अंतिम दिन भी होता है। वही इन दिनों पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म पिंडदान तर्पण आदि कार्यों का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष में मृत्यु की तिथि के अनुसार श्राद्ध किया जाता है। लेकिन अगर किसी व्यक्ति की तिथि ज्ञात न हो तो ऐसी स्थिति में अमावस्या तिथि पर श्राद्ध किया जाता है। क्योंकि इस दिन सर्वपितृ अमावस्या के नाम से भी श्राद्ध योग माना जाता है।

वही श्राद्ध कर्म के चलते पूजा-पाठ के साथ-साथ नियमित रूप से दीपक जलाने का भी विशेष महत्व बताया गया है। वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे स्थानों का जिक्र किया गया है, जहां पर पितरों का वास होता है।शास्त्रों के मुताबिक, जिस तरह मां लक्ष्मी के लिए घी का दीपक, हनुमान जी के लिए चमेली के तेल का दीपक तथा शनि महाराज के लिए सरसों के तेल का दीपक जलाया जाता है। उसी प्रकार पितृ पक्ष में भी अलग-अलग दीपक जलाए जाते हैं।

आइये बताते 16 दिन किस दिशा और किन स्थानों पर दीपक जलाने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

पितृपक्ष में घर की इन जगहों पर जलाएं दीपकः-

- ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, पितृपक्ष के 16 दिन पितरों का स्मरण किया जाता है।इन दिनों में घर के दक्षिण दिशा में दीपक जलाना बेहद शुभ माना गया है। बता दें कि वास्तु में दक्षिण दिशा में पितरों का वास बताया गया है। ऐसे में प्रातः-शाम घर में दीपक अवश्य जलाएं। ऐसी मान्यता है कि घर की दक्षिण दिशा में दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं। साथ-साथ कृपा भी प्रदान करते हैं।
- ऐसी धार्मिक मान्यता है कि पितृपक्ष के चलते घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व कोना) में गाय के घी का दीपक जलाएं।इससे पितर देव बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं। साथ ही, वंशजों को सभी मनोकामनाएं पूर्ति का आशीर्वाद देते हैं।
- धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक, पितृ पक्ष के दिन पितरों की कृपा पाने के लिए उत्तम माने जाते हैं।इन दिनों में पीपल के वृद्ध के नीचे दीपक जलाने से पितृ देव प्रसन्न होते हैं। साथ ही, कृपा बरसाते हैं।कहते हैं कि पीपल के वृक्ष में देवी-देवताओं के अतिरिक्त पितरों का वास होता है। इसलिए ये 16 दिन पीपल के वृक्ष के पास घी का दीपक अवश्य जलाएं।
- वास्तु जानकारों का कहना है कि पितृपक्ष में नियमित तौर पर शाम के वक़्त किचन में पानी की जगह पर दीपक जलाना शुभ माना गया है।इससे पितर प्रसन्न होते हैं तथा वंशजों को आशर्वाद देते हैं।इससे पितर तो प्रसन्न होते ही हैं। साथ ही, मां लक्ष्मी और मां अन्नपूर्णा का आशीर्वाद भी मिलता है।

न कर पाएं तर्पण-पिंडदान तो करें ये उपाय, तृप्त होंगे पूर्वज

पितृ पक्ष या श्राद्ध की शुरुआत इस बार 29 सितंबर से हो गई है तथा इसका समापन 14 अक्टूबर सर्व पितृ अमावस्या के दिन होगा। सर्व पितृ अमावस्या को महालया अमावस्या, पितृ अमावस्या एवं पितृ मोक्ष अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है तथा यही पितृ पक्ष का अंतिम दिन भी होता है। वही पूर्वजों की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान बहुत अहम माना गया है।इस वर्ष पितृ पक्ष 29 सितंबर से आरम्भ होकर 14 अक्टूबर 2023 तक हैं।

आइये बताते है श्राद्ध का महत्व, क्यों मृत्यु के बाद श्राद्ध को जरुरी माना गया है।

पितरों के सम्मान का समय है पितृ पक्ष

पितृ पक्ष में पूर्वज पितरलोक से धरती पर अपनों के बीच उन्हें आशीर्वाद देने आते हैं।ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, श्राद्ध को परिभाषित करते हुए शास्त्र कहते हैं - श्रद्धार्थमिदं श्राद्धं अर्थात अपने मृत पितृगण के प्रति श्रद्धा पूर्वक किए जाने वाले कार्य को श्राद्ध बोलते हैं।जिससे पितरों का आशीर्वाद मिलता है तथा फलस्वरूप भौतिक सुख-सुविधाओं के लिए किये गए प्रयत्न सार्थक होनें लगते हैं।

श्राद्ध कर्म से मिलने वाले लाभः-

आयुः प्रजां धनं विद्यां स्वर्गं मोक्षं सुखानि च ।
प्रयच्छन्ति तथा राज्यं पितरः श्राद्धतर्पिता ।।

याज्ञवल्क्य स्मृति का वचन है कि श्राद्धकर्म से प्रसन्न होकर पितर लोक मनुष्यों के लिए आयु, प्रजा, धन, विद्या, स्वर्ग, मोक्ष, सुख और राज्य देते हैं.

नीति ग्रन्थ में पूर्वजों के श्राद्ध का महत्वः

तिल मात्रं अप्युपकारम् शैलवन् मन्यते साधुः ।

सज्जन और साधू व्यक्ति तिल जैसे छोटे से छोटे उपकार को भी शिला या पहाड़ की भांति ही मानते हैं।धन्यवाद शब्द परिवार तथा समाज में एकता और प्रेम को बढाता है।पितरों एवं माता-पिता की वजह से ही तो हमें यह जीवन तोहफे के रूप में प्राप्त हुआ है। वर्ष में एक बार पितृपक्ष में पूर्वजों की मृत्यु तिथि को जल, तिल, यव, कुश और पुष्प से तर्पण करना तथा उनकी आत्मा की शान्ति के लिए गोग्रास देते हुए एक से तीन या पाँच ब्राह्मणों को भोजन करना चाहिए।श्राद्ध कर्म में साधन संपन्न व्यक्ति को कंजूसी नहीं करनी चाहिए।

श्राद्ध करना क्यों है जरुरी ?

नैव श्राद्धं विवर्जयेत।

ज्योतिषाचार्य ने इस श्लोक के माध्यम से बताया कि जो व्यक्ति निर्धन या गरीब है , उसके लिए भी श्राद्ध करने का विधान है।वह शाक से पूर्वजों का श्राद्ध कर सकता है।श्रद्धा के साथ यदि वह गाय को घास भी खिलाता है तो ऐसे में मान लिया जाता है कि उसने अपने पूर्वजों का विधि विधान पूर्वक श्राद्ध कर दिया।

नहीं कर पाएं तर्पण, पिंडदान तो ऐसे दें पितरों को श्रद्धांजलि

न में अस्ति वितं न धनं च नान्यच,
श्राद्धोपयोग्यं स्वपितृन्नतोस्मि ।
तृप्यन्तु भक्त्या पितरो मयैतौ,
कृतौ भुजौ वर्त्मनि मारुतस्य ।।

यदि आप पितृ पक्ष में पूर्वजों का तर्पण या पिंडदान नहीं कर पा रहे हों तो इस मंत्र का जाप करते हुए उनके प्रति सम्मान प्रकट करें।श्लोक का अर्थ है- 'हे मेरे पितृगण, मेरे पास श्राद्ध के उपयुक्त न तो धन है न तो धान्य आदि।अतः शास्त्र के मुताबिक, एकांत स्थान पर बैठ कर मैंने श्रद्धा और भक्ति से अपने दोनों हाथ आकाश की तरफ उठा दिए हैं। कृपया आप मेरी श्रद्धा और भक्ति से ही तृप्त हो जाइए।

अर्थात, आर्थिक और व्यवहारिक कारणों वश पितरों के तर्पण के लिए बताये गए तरीकों को जो करने में असमर्थ हैं, वे भी इस तरह से अपने पूर्वजों का श्राद्ध कर सकते हैं।

श्राद्ध पक्ष में क्या खरीदें और क्या खरीदना है अशुभ?

पितृ पक्ष या श्राद्ध की शुरुआत इस बार 29 सितंबर से हो गई है तथा इसका समापन 14 अक्टूबर सर्व पितृ अमावस्या के दिन होगा। सर्व पितृ अमावस्या को महालया अमावस्या, पितृ अमावस्या एवं पितृ मोक्ष अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है तथा यही पितृ पक्ष का अंतिम दिन भी होता है। वही पूर्वजों की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान बहुत अहम माना गया है।इस वर्ष पितृ पक्ष 29 सितंबर से आरम्भ होकर 14 अक्टूबर 2023 तक हैं।इसके चलते किसी भी तरह के मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। क्या खाना और क्या नहीं खाना इस पर भी ध्यान रखा जाता है। इस के चलते क्या खरीदें एवं क्या नहीं खरीदना चाहिए यह भी बहुत अहम है।

श्राद्ध पक्ष में क्या खरीद सकते हैंः-
पूजा एवं हवन की सामग्री खरीद सकते हैं।
किसी को दान देने की वस्तुएं खरीद सकते हैं।
बहुत आवश्यक सामान खरीद सकते हैं।
किराने का सामान खरीद सकते हैं।

पितृ पक्ष में क्या नहीं खरीदना चाहिएः-

सरसों तेल भी नहीं खरीदते हैं, क्योंकि यह शनि का प्रतीक है। दान करने के लिए पहले से खरीदकर रखें।

झाड़ू भी नहीं खरीदना चाहिए क्योंकि यह माता लक्ष्मी का प्रतीक है। झाड़ू खरीदने से आपको धन हानि हो सकती है।

नमक को भी तीक्ष्ण वस्तु माना गया है इसलिए इसे भी नहीं खरीदना चाहिए। दान करने के लिए पहले से खरीदकर रखें।

पितृपक्ष में सरसों का तेल, झाड़ू एवं नमक खरीदते हैं तो इससे त्रिदोष लगता है।

पितृ पक्ष के चलते नए वस्त्र नहीं खरीदना चाहिए तथा ना ही पहनना चाहिए, इससे पितृ दोष लगता है। दान करने के लिए पहले से खरीदकर रखें।

इस के चलते इत्र का प्रयोग नहीं करना चाहिए तथा न ही खरीदना चाहिए।

इस के चलते किसी भी प्रकार के सौंदर्य साधन का इस्तेमाल करना एवं खरीदना वजित है।

श्राद्ध पक्ष के चलते साबुन, शैम्पू या किसी भी प्रकार का तेल का उपयोग न करें और न ही खरीदें।

मान्यता अनुसार पितृ पक्ष में आप घर और जमीन खरीदते हैं तो आपको उससे सुख की प्राप्ति नहीं होगी।

पितृ पक्ष के चलते लोहे का सामान भी नहीं खरीदना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

श्राद्ध पक्ष में सोना, चांदी या अन्य चीजों की खरीदारी की भी मनाही है।

मृत्यु की तिथि ज्ञात न हो तो इस तिथि पर करें श्राद्ध

पंचमी श्राद्ध 3 अक्टूबर,
षष्ठी श्राद्ध 4 अक्टूबर,
सप्तमी श्राद्ध 5 अक्टूबर,
अष्टमी श्राद्ध 6 अक्टूबर,
नवमी श्राद्ध 7 अक्टूबर,
दशमी श्राद्ध 8 अक्टूबर,
एकादशी श्राद्ध 9,10 अक्टूबर,
द्वादशी श्राद्ध 11 अक्टूबर,
त्रयोदशी श्राद्ध 12 अक्टूबर,
चतुर्दशी श्राद्ध 13 अक्टूबर,
अमावस्या श्राद्ध 14 अक्टूबर

पितृ पक्ष या श्राद्ध की शुरुआत इस बार 29 सितंबर से हो गई है तथा इसका समापन 14 अक्टूबर सर्व पितृ अमावस्या के दिन होगा। सर्व पितृ अमावस्या को महालया अमावस्या, पितृ अमावस्या एवं पितृ मोक्ष अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है तथा यही पितृ पक्ष का अंतिम दिन भी होता है। वही इन दिनों पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म पिंडदान तर्पण आदि कार्यों का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष में मृत्यु की तिथि के अनुसार श्राद्ध किया जाता है। लेकिन अगर किसी व्यक्ति की तिथि ज्ञात न हो तो ऐसी स्थिति में अमावस्या तिथि पर श्राद्ध किया जाता है। क्योंकि इस दिन सर्वपितृ अमावस्या के नाम से भी श्राद्ध योग माना जाता है।

श्राद्ध ग्रहण करने का करें निवेदनः-

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, पितृ पक्ष के चलते पितृ तर्पण एवं ब्राह्मण भोज करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है, साथ ही पितरों का आर्शावाद मिलता है। इन दिनों में किसी सुयोग्य विद्वान ब्राह्मण के माध्यम से अगर संभव हो तो गंगा नदी के किनारे पर श्राद्ध कर्म करवाना चाहिए। अन्यथा घर पर भी श्राद्ध तर्पण किया जा सकता है। ब्राह्मणों को अपनी सामर्थ्य अनुसार बढ़िया भोजन करवाकर दान आदि करना चाहिए। किसी निर्धन, जरूरतमंद की सहायता करने से पुण्य लाभ की प्राप्ति होती है। तर्पण के उपरांत जो भोग लगाया जा रहा है उसमें से गाय, कुत्ते, कौवे आदि का हिस्सा अलग कर देना चाहिए। इन्हें भोजन डालते वक़्त अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए तथा मन में स्मरण करते हुए उनसे श्राद्ध ग्रहण करने का निवेदन करना चाहिए।

पितरों को श्राद्ध तर्पण करने के लिए तिथियों के मुताबिक करें। जिस तिथि में निधन उसी उसी तिथि में तर्पण करने से फल मिलता है। तर्पण के पश्चात दान और जरुरतमंदों की मदद जरूर करें। गंगा नदी के किनारे पर श्राद्ध कर्म करवाने से पितरों का आर्शावाद मिलता है। संभव हो कि एक दिन श्राद्ध तर्पण गंगा किनारे जरूर करें। पितरों को मन पसंद भोज जरूर लगाएं।

हनुमान सेतु मंदिर की कहानी

50 के दशक में लखनऊ में बाबा नीबकरोरी महाराज ने तत्कालीन सरकार के मंशा के विपरीत गोमती तट के किनारे हनुमान जी महाराज की स्थापना की और बाबा जी की कुटिया के रूप में एक कमरे का भी निर्माण हुआ। बाबा महाराज यही गोमती नदी के किनारे भक्तों को दर्शन और प्रसाद देते थे।

कुछ समय पश्चात गोमती नदी में बाढ़ आ गई। आसपास का पूरा इलाका जलमग्न हो गया। सरकार ने सर्वे कराया और अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट में यह कहा कि बाबा नीबकरोरी महाराज के हनुमान मंदिर के कारण गोमती के धारा अवरुद्ध होकर दो भागों में बंट गई है आसपास के सरकारी भवनों और गोमती तट के उस पार की प्राचीन मुगलकालीन छतर मंजिल, शहंशाह कोठी, मोती महल आदि पुरातात्विक भवनों को खतरा है। तत्कालीन सरकार ने भरसक प्रयास किया कि यह मंदिर यहां से हट जाए। बाबा जी ने कहा कि मंदिर यहां से नहीं हटेगा, हनुमान जी यहां से कहीं नहीं जाएंगे गोमती चाहें तो ले जाएं। बाबा जी ने भक्तों से कहा हनुमान जी को बाढ़ से कुछ नहीं होगा। समय-समय पर दो-तीन बार गोमती में भयंकर बाढ़ आई और शहर के आसपास का पूरा इलाका जलमग्न हो गया। लेकिन बाबा महाराज की भविष्यवाणी के अनुसार भयंकर बाढ़ में भी हनुमान जी महाराज को कुछ नहीं हुआ। हनुमान जी महाराज वैसे ही खड़े रहे। अंततः बाबा महाराज की लीला और उनके भक्तों के सामने सरकार की एक न चली और सरकार ने हनुमान जी महाराज के मंदिर को विस्थापित करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के सामने मुख्य मार्ग पर सरकारी जमीन और उस समय 25000 समझौते के रूप में दिया।

इस बीच गोमती नदी के ऊपर प्राचीन जर्जर पुल से हटकर नए सेतु का निर्माण प्रारंभ हुआ। इसका ठेका मुंबई के श्री एस बी जोशी को मिला। कंपनी द्वारा नए पुल के निर्माण के समय गोमती नदी में पुल के जो भी स्तंभ खड़े किए जाते थे वह दूसरे दिन नष्ट हो जाते थे। इससे पुल का निर्माण भी बाधित था और कंपनी को भी काफी क्षति उठानी पड़ रही थी। उधर जोशी जी के पुत्र की तबीयत काफी खराब हो गई थी वह बहुत परेशान थे। इस बीच उन्हें बाबा नीब करोरी महाराज जी के पास जाने की कुछ लोगों ने सलाह दी और वह महाराज जी के समक्ष उपस्थित हुए। महाराज जी ने कहा ऊपर जो जमीन मिली उस पर हनुमान मंदिर बनवा दे और जो 25000 मिला है यह भी ले लो। जोशी जी ने महाराज जी की बात सहर्ष स्वीकार किया। उधर पुल के निर्माण में आने वाली बाधा दूर हो गई और उनके बेटे की तबीयत भी ठीक होने लगी। जोशी जी ने उक्त धनराशि के साथ-साथ अपना पैसा भी लगाकर भव्य मंदिर निर्माण कराया। आज यह भव्य मंदिर लखनऊ विश्वविद्यालय के सामने मुख्य मार्ग पर हनुमान सेतु मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है और लाखों भक्त देश-विदेश से इस मंदिर में दर्शन करने आते हैं।

बाबा महाराज की लीला देखिए कि मुख्य मार्ग पर भव्य नए हनुमान सेतु मंदिर का निर्माण हो गया और उधर हनुमान जी महाराज का प्राचीन विग्रह जो गोमती तट पर स्थापित था वह भी स्थापित ही रहा सरकार चाहकर भी कुछ न कर सकी और बाबा जी महाराज की लीला के आगे मंदिर को विस्थापित ना कर सके। तब से आज तक हनुमान जी महाराज सीना तानकर गोमती मां की गोद में खड़े हैं और आज भी हनुमान जी महाराज और बाबा महाराज के भक्त गोमती तट के किनारे प्राचीन हनुमान सेतु मंदिर में हनुमान जी महाराज का दर्शन करने जाते हैं। महाराज जी के समय में पंडित गया प्रसाद पांडे जी यहां पर पुजारी के रूप में हनुमान जी की सेवा में रहे। लगभग दस वर्षों तक पंडित गया प्रसाद पांडे जी को बाबा जी का सानिध्य प्राप्त हुआ।

वर्तमान में इनके सुपुत्र पंडित श्याम पांडेय मंदिर के पुजारी हैं जो हनुमान जी महाराज सेवा में रत रहते हैं और मंदिर की व्यवस्था देखते हैं। अतः जब भी लखनऊ में हनुमान सेतु मंदिर का दर्शन करने जाएं तो बाबा नीबकरोरी महाराज जी द्वारा स्थापित प्रथम प्राचीन हनुमान सेतु मंदिर गोमती तट में भी दर्शन करने अवश्य जाएं।

बिहार के इस 700 साल पुराने मंदिर में मुंह ढक कर करनी होती है पूजा

बिहार के पूर्णिया में 700 साल पुराना एक मंदिर है।इस मंदिर की देख रेख जैन धर्म के लोगों के द्वारा की जाती है।मंदिर के पंडित दुर्गेश झा बताते हैं कि यह भैरव मंदिर पूर्णिया का आपरूपी मंदिर है, जो काफी प्राचीन है। इस मंदिर में पूजा करने के दौरान भक्तों को भगवान भैरवनाथ को स्पर्श करने से पहले अपने मुंह पर पट्टी बांधनी पड़ती है।

आगे बताया कि मुंह पर पट्टी बांधकर पूजा करने की वजह यह है कि इंसानों के मुंह से निकलने वाली दुर्गंध और विकार भगवान तक ना पहुंच पाए, इसलिए इस परंपरा को बरकरार रखने के लिए इस मंदिर में मुंह पर पट्टी बांधकर पूजा की जाती है।मंदिर कमेटी के सचिव संजय कुमार संचेती, पुजारी दुर्गेश झा, आशुतोष दुबे एवं अन्य ग्रामीणों ने बताया कि यह भैरवनाथ का मंदिर है।

घर नहीं ले जा सकते प्रसाद

मंदिर की मान्यता है कि यदि कोई भक्त यहां प्रसाद चढ़ाता है तो उसे प्रसाद को मंदिर में ही खाना पड़ता है।यदि प्रसाद चढ़ाने के बाद कोई भक्त बिना पूछे या मन से प्रसाद बाहर लेकर जाता है तो उसकी मुश्किलें बढ़ जाती हैं।कई तरह की अप्रिय घटनाएं की आशंका बनी रहती है।इसलिए इस मंदिर की परंपरा रही है कि मंदिर में पूजा करने के बाद चढ़े प्रसाद को मंदिर प्रांगण में ही खाकर खत्म किया जाता है।

एक शख्स ने प्रसाद घर ले जाने का किया था प्रयास

पंडित दुर्गेश झा दावा करते हैं कि एक भक्त ने आज से 15 साल पहले यहां का चढ़ा प्रसाद बाहर ले जाने का प्रयास किया था।उसने भगवान भैरवनाथ की पूजा की और मंदिर में प्रसाद चढ़ाया।फिर बिना बताए वह प्रसाद लेकर घर जाने लगा।इस दौरान उन्हें घर जाते-जाते कई सारी समस्याओं का सामना करना पड़ा।फिर वह वापस आए और मंदिर में आकर दोबारा प्रसाद चढ़ाकर क्षमा याचना की, जिसके बाद उनकी मुश्किलें ठीक हुईं।

इन राज्यों से आते हैं श्रद्धालु

मंदिर कमेटी के सचिव संजय संचेती बताते हैं कि भैरवनाथ का यह मंदिर पूर्णिया के सिटी में है। इस मंदिर में कोलकाता, दिल्ली, उड़ीसा सहित अन्य कई राज्यों से लोग आकर पूजा अर्चना करते हैं। बताया कि कई श्रद्धालु ऐसे होते हैं, जिनकी पहली ही बार में मनोकामना पूर्ण हो जाती है।इस मंदिर में पूजा करने का समय सुबह से दिन के 12:00 तक होता है। दिन के 12:00 से दोपहर के 3:00 तक मंदिर बंद रहता है। इसके बाद फिर पुनः शाम 4:00 से 7:00 बजे तक श्रद्धालु पूजा अर्चना कर सकते हैं।यहां रविवार को भगवान की विशेष आराधना की जाती है।

'चंद्रमुखी 2' के कलेक्शन पर तंज कसने वालों को कंगना ने सिखाया सबक

कंगना रणौत इन दिनों अपनी फिल्म चंद्रमुखी 2 को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 28 सितंबर को रिलीज हुई। फिल्म को क्रिटिक्स से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक तीन दिनों में इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 17.60 करोड़ रूपये का कारोबार कर लिया है।

इस बीच सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स कंगना की इस फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर ट्रोल कर रहे हैं। इस पर कंगना ने करारा जवाब दिया है।

एक यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक क्रिटिक को टैग करते हुए लिखा, 'लगता है कि इस फिल्म को चार रेटिंग देने के बाद आप इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन का अपडेट देना भूल गए हैं। मेरा मतलब 'चंद्रमुखी 2' से है।' यूजर को कंगना रणौत ने तीखा जवाब दिया है।

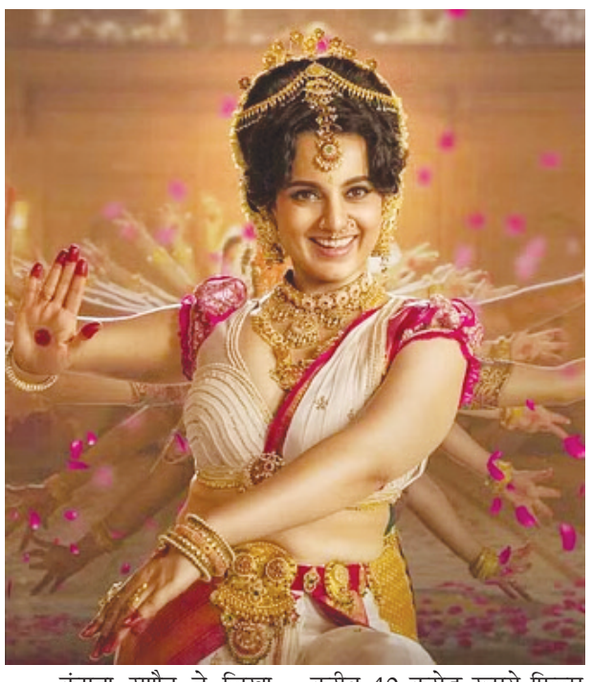

कंगना रणौत ने लिखा, 'बड़ी कसक है आपके सीने में मिया। नींद नही आ रही चंद्रमुखी के बारे में सोच रहे हो? मुझसे पूछ लेते एक मिनट में तुम्हारी कसक को मसल देती। करीब 40 करोड़ रूपये फिल्म ने तीन दिनों में वर्ल्डवाइड कमाए हैं। सो जाओ अब।'

हालांकि, एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'कंगना पूरी तस्वीर साफ नहीं कर रही हैं। नेट कलेक्शन को देखते हुए तो फिल्म डिजास्टर हुई। आपको अब साउथ वाले भी ट्रोल कर रहे हैं। साउथ में भी आपका मजाक बन रहा है। और करो बायकॉट बॉलीवुड। एक कहावत है, 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी' और ' ना घर के ना घाट के'। इस पर कंगना ने जवाब दिया, 'अच्छा है तुम्हारे पास घर और घाट दोनों हैं, अब रहो वहीं पर।'

इसके अलावा कंगना रणौत ने एक अलग पोस्ट में लिखा है, 'सफलता के कई मायने होते हैं। कला सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं होती है। यह एक कलाकार का अधिकार है कि वह अपनी कला को आगे ले जाए और उन्नति करे।

आप उसे शर्मिंदा नहीं कर सकते और उस पर आरोप नहीं लगा सकते हैं। सफलता के कई स्तर होते हैं। कला के मामले में अच्छा और बुरा होना सब्जेक्टिव होता है। कला से सबकी उम्मीदें अलग होती हैं। समझ जाओ नहीं तो तुम्हारी भाषा में तुमको समझा दिया जाएगा।'

फरहान अख्तर की 'जी ले जरा', फिल्म पर प्रियंका चोपड़ा के कारण लगा ब्रेक!

फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'जी ले जरा' को लेकर फैंस काफी उत्साहित थे। वहीं, इसके ठंडे बस्ते में जाने की खबर ने दर्शकों को काफी निराश किया। प्रियंका चोपड़ा , आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ के साथ आने के एलान मात्र ने ही फिल्म को सुर्खियों में ला दिया था। मूवी को लेकर बीते दिनों जानकारी आई कि सितारों के पास डेट्स न होने के कारण इसे अनिश्चित समय के लिए टाला जा रहा है। हालांकि, अब इसके टलने का असली कारण सामने आ गया है, जिसका सीधा कनेक्शन प्रियंका चोपड़ा से है।

फरहान अख्तर का कारण

हाल ही में, फरहान अख्तर ने फिल्म की देरी के बारे में अफवाहों को यह समझाते हुए संबोधित किया कि शेड्यूलिंग संघर्ष इसके लिए जिम्मेदार था। फिल्म निर्माता-अभिनेता ने वैरायटी को बताया कि उनके बीच सिर्फ शेड्यूलिंग को लेकर विवाद चल रहा है, और हाल ही में एसएजी-एएफटीआरए की हड़ताल के कारण फिल्म के लिए प्रियंका की योजनाएं अव्यवस्थित हो गई हैं, उन्हें लगने लगा है कि फिल्म का भाग्य हमारे हाथ से बाहर है। फरहान ने यह कहकर निष्कर्ष निकाला कि फिल्म जब बननी होगी तब बनेगी और वे देखेंगे।

'जी ले जरा' में देरी को लेकर बड़ा दावा

हालांकि, 'जी ले जरा' की देरी पर दिया गया फरहान अख्तर का बयान लेटेस्ट रिपोर्ट से मेल नहीं खाता है। उनके दावे के विपरीत, विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि यह सही व्याख्या नहीं है। सच कहा जाए तो प्रियंका को स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई इसलिए उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उम्मीद की जा रही थी कि अभिनेत्री पिछले हफ्ते राघव चड्ढा के साथ अपनी बहन परिणीति चोपड़ा की शादी के लिए भारत आएंगी और इस फिल्म के लिए डील साइन करेंगी। हालांकि, प्रियंका शादी के जश्न में शामिल नहीं हुईं।

'जी ले जरा' को लेकर सोच-विचार जारी

रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से गया है कि फिल्म को फिलहाल रोक दिया गया है। जब कोई फिल्म योजना के अनुसार नहीं चलती है, तो निर्देशक को नए दृष्टिकोण के बारे में सोचने और यह निर्णय लेने के लिए समय चाहिए होता है कि कहानी को जारी रखना है या नहीं। हालांकि, इसे लंबे समय के लिए स्थगित कर दिया गया है, कहानी अब पुरानी हो चुकी है। फिल्म के निर्माण में दो वर्ष तक की देरी हो सकती है। अंदरूनी सूत्र ने आगे कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि कथानक समय के साथ कायम रहे, इसलिए जोया और फरहान जैसे फिल्म निर्माता और स्क्रीनप्ले लेखक इन सभी विवरणों पर गौर कर रहे हैं।

सेतुपति की नई फिल्म पर आया अपडेट पोनराम के साथ फिर काम करेंगे अभिनेता

तमिल अभिनेता विजय सेतुपति को आखिरी बार फिल्म 'जवान' में देखा गया था। इस फिल्म में उनकी अदाकारी की काफी सराहना हो रही है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर घोषित हो चुकी है। इस फिल्म के बाद अभिनेता फिलहाल निर्देशक वेत्रिमारन के साथ अपनी फिल्म 'विदुथलाई पार्ट 2' की शूटिंग कर रहे हैं।

इस बीच उनके नए प्रोजेक्ट को लेकर अब नई चर्चा शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विदुथलाई के बाद अभिनेता एक बार फिर वेत्रिमारन के साथ एक नई फिल्म के लिए टीम बनाएंगे, लेकिन इसका निर्देशन पोनराम द्वारा किया जाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म की पटकथा और संवाद वेत्रिमारन द्वारा लिखे जाएंगे। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विजय सेतुपति पहले ही निर्देशक पोनराम के साथ उनकी फिल्म 'डीएसपी' में काम कर चुके हैं। 'विदुथलाई' की बात करें तो इस फिल्म में सेतुपति ने एक क्रांतिकारी कम्युनिस्ट समूह के नेता वाथियार की भूमिका निभाई है।

फिल्म में विजय सेतुपति के साथ, सोरी, गौतम वासुदेव मेनन, राजीव मेनन और भवानी श्री ने अभिनय किया था। इसका संगीत इलैयाराजा ने तैयार किया था। फिल्म के दूसरे भाग में प्रकाश राज, मंजू वारियर के साथ-साथ पिछले कलाकार भी होंगे। उम्मीद है कि फिल्म में एक नेता के रूप में विजय सेतुपति के उत्थान और बलिदान को दिखाया जाएगा।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेता के पास फिलहाल कई प्रोजेक्ट्स हैं। उनकी 'महाराजा', 'गांधी टॉक्स' और 'मेरी क्रिसमस' रिलीज का इंतजार कर रही हैं। वह अभिनेता अरुमुगाकुमार के साथ एक फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं, जिसका अस्थायी नाम 'वीजेएस 51' है। फिल्म की शूटिंग जून 2023 में पूरी की गई थी। इसे मलेशिया में फिल्माया गया है। इससे ज्यादा फिल्म को लेकर जानकारी अभी सामने नहीं आ सकी है।

शाहरुख होशियार तो सलमान बेहद सीधे : अनिल चालाक तो जैकी सबसे बड़े आलसी; डायरेक्टर सुभाष घई

फिल्म प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और लेखक सुभाष घई का हाल ही में इंटरव्यू कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा का नाम लेने पर उन्होंने कहा,'शत्रुओं का घन करने वाला सिन्हा'। उन्होंने शाहरुख को 'होशियार' तो सलमान को 'सीधा' बताया। तो वहीं सुभाष घई ने कहा इंडस्ट्री का सच्चा साथी मेरी बीवी हैं। यह सवाल-जवाब और भी रोचक हो गया, जब अनिल कपूर के नाम पर उन्होंने क हा 'चालाक' और सबसे 'आलसी' एक्टर में उन्होंने जैकी श्रॉफ का नाम ले लिया। जब सुभाष घई से पूछा गया कि, यदि आपको टाइम मशीन में डाल दिया जाए तो आप क्या करेंगे? उन्होंने कहा कि,'मैं उसे अपना लुंगा, मैं कहुंगा मैं हूं समय।' उन्होंने कहा कि अगर मैं फिल्मों में न होता तो 'सुभाष घई की जगह सुभाष होता।' इंडस्ट्री का सच्चा साथी उन्होंने अपनी बीवी को कहा। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि के बारे में पूछने पर सुभाष घई ने अपने इंस्टीट्यूट 'व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल' का नाम लिया इसे वो अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं।

बच्चों को मेडिटेशन करने का संदेश दिया

सुभाष घई ने संदेश देते हुए बच्चों को मोबाइल फोन से दूरी बनाने की हिदायत दी। इसके अलावा उन्होंने सभी पेरेंट्स से उनके बच्चों को मेडिटेशन सिखाने के लिए कहा। उनका कहना है, इससे बच्चों के मार्गदर्शन में मदद मिलेगी। आपको अपने परिवार और बच्चों दोनों को इसके महत्व के बारे में समझाना चाहिए।

एक बार फिर नेगेटिव किरदार में दिखेंगे एक्टर करणवीर बोहरा : बोले, 'मुझ पर चॉकलेटी बॉय का रोल नहीं जंचता'

टीवी एक्टर करणवीर बोहरा स्क्रीन पर चॉकलेटी बॉय का किरदार निभाना नहीं चाहते। अभिनेता की मानें तो उन पर सिर्फ नेगेटिव रोल ही सूट करता है। बता दें, करणवीर जल्द ही टीवी शो 'सौभाग्यवती भव' के सीक्वल में विराज का रोल निभाते नजर आएंगे। लोगों से कहता हूं कि प्लीज मुझे चॉकलेटी बॉय का रोल मत देना एक समाचार पत्र से बातचीत के दौरान, करणवीर ने कहा, 'मुझे नेगेटिव, ग्रे शेड किरदार निभाना बहुत पसंद है। खास तौर से टीवी पर, इस तरह के किरदार में खेलने को बहुत मिलता है। मैं आगे भी इस तरह का रोल करना चाहता हूं। यहां तक कि मैं लोगों से कहता हूं कि प्लीज मुझे चॉकलेटी बॉय का रोल मत देना क्योंकि ऐसे किरदार मुझ पर नहीं जंचते।'अभिनेता आगे कहते हैं, 'इस किरदार का अंदाज और एट्टीट्यूड वही पुराना है और साथ ही सक्रिप्ट और कहानी कमाल की है। किरदार में बहुत मैच्योरिटी है। जिस तरह से अलग-अलग परतें खुलेंगी, वो ऑडियंस को चौका देंगी। मैं यकीन के साथ कह सकता हूं कि ये एक फिर से कल्ट साबित होगा।' बातचीत के दौरान, अभिनेता ने इस बात का भी जिक्र किया कि उन्होंने बिना कुछ सवाल किए ही मेकर्स को इस सीक्वल के लिए हामी भर दी थी। वे कहते हैं, 'मेकर्स ने मुझे कॉल किया और जैसे ही उन्होंने सौभाग्यवती भव 2 का जिक्र किया, मैंने उन्हें वहीं रोक दिया और तुरंत शो के लिए हामी भर दी। मैंने उनसे ये भी नहीं पूछा कि आपने किस वजह से कॉल किया। उन्होंने मजाक में कहा कि वह मुझे रिप्लेस कर रहे हैं जोकि मुझे पता था कि ऐसा बिलकुल नहीं हैं। ये शो और विराज का किरदार मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' बता दें, करणवीर के अलावा, एक्टर धीरज धूपर और अमनदीप सिद्धू भी इस शो में अहम किरदार में नजर आएंगे।

'सारागढ़ी' बंद होने पर डिप्रेशन में थे रणदीप : बाल काटने के डर से खुद को कमरे में बंद कर लेते

डायरेक्टर राजकुमार संतोषी की फिल्म सारागढ़ी में रणदीप हुडा कास्ट किए गए थे। ये फिल्म बैटल ऑफ सारागढ़ी पर बेस्ड थी। फिल्म में रणदीप को हवलदार ईशर सिंह का रोल ऑफर किया गया था। हाल ही में रणदीप हुडा ने इसी प्रोजेक्ट को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। उन्होंने कहा है कि फिल्म नहीं बनने की खबर से वो पूरी तरह टूट गए थे। लग रहा था कि उनसे साथ धोखा हुआ है। फिल्म से उन्हें बहुत उम्मीदें थीं। इस कारण वो डिप्रेशन में भी चले गए थे। हालात इतने खराब हो गए थे कि पेरेंट्स उन्हें अकेला नहीं छोड़ते थे। बाल काटने की डर से वो खुद को कमरे में बंद कर लेते थे। दरअसल, जब मेकर्स इस फिल्म की तैयारी कर रहे थे, तभी अक्षय कुमार की फिल्म केसरी रिलीज हो गई, जो इसी सब्जेक्ट पर बेस्ड थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट भी रही। जिसके चलते डायरेक्टर संतोषी की ये फिल्म बनने से पहले ही ठंडे बस्ते में जा गिरी और कभी रिलीज नहीं हो पाई।

एक इंटरव्यू में रणदीप ने बताया कि, इस प्रोजेक्ट को उन्होंने 3 साल दिए थे। इस दौरान उन्होंने सिर्फ ईशर सिंह के कैरेक्टर को जिया था। यहां तक कि जो भी फिल्म इस टाइम पीरियड में उन्हें ऑफर की गईं, उन्होंने सभी को रिजेक्ट कर दिया। ईशर सिंह के कैरेक्टर के लिए उन्होंने अपने बाल लंबे कर लिए थे और दाढ़ी भी बढ़ा ली थी। नतीजतन किसी दूसरी फिल्म को साइन करना उनके लिए आसान नहीं था।

फिल्म का ना बनना किसी धोखे से कम नहीं

जब रणदीप को पता चला कि केसरी की वजह से अब ये फिल्म नहीं बनेगी तो वो पूरी तरह से टूट गए। इस खबर ने उन्हें इतना अंदर तक झकझोर दिया था कि वो डिप्रेशन में चले गए। उन्होंने आगे कहा- लाइफ में एक वक्त ऐसा आता है जब कुछ नहीं होता लेकिन अंधेरी जरुर होता है। इस वक्त मैं सिर्फ निराश और निराश ही था। ये किसी धोखे से कम नहीं था।

डर से खुद को कमरे में बंद कर लेते थे

रणदीप ने आगे कहा- इस चीज ने मुझे बहुत प्रभावित किया। हालात इतने खराब हो गए थे कि पेरेंट्स मुझे अकेले छोड़ने से भी डरते थे। मैं डर से खुद को कमरे में बंद कर लेता था कि ताकि कोई मेरे बाल ना काट दे। हालांकि बाद में मैंने सोचा कि आगे चलकर मेरी हालत इस कदर कभी खराब ना हो। इसके लिए मैंने खुद पर काम भी किया।

मार्शल आर्ट के जरिए खुद को डिप्रेशन से बाहर निकाला

इसी प्रोजेक्ट पर रणदीप ने मुंबई मिरर को दिए इंटरव्यू में बताया था कि इसी कारणवश उन्हें आज तक केसरी नहीं देखी। ना ही किसी चीज ने उन्हें ये देखने के लिए मजबूर भी किया। खुद को इस गम से बाहर निकालने के लिए रणदीप ने मार्शल आर्ट का सहारा लिया। उन्होंने फिजिकल ट्रेनिंग के साथ सिख संस्कृति और परंपराओं को करीब से देखा। सिख धर्म के सिद्धांतों के कारण ही वो इस हादसे के बाद एक बेहतर इंसान बन पाए।

पहलाज निहलानी ने वर्षों बाद खुलासा किया कि सुनील शेट्टी की 'आरजू', क्यों बंद कर दी

निर्माता पहलाज निहलानी ने हाल ही में बताया कि उन्होंने फिल्म 'आरजू' को क्यों बंद कर दिया था, जिसे सुनील शेट्टी का लॉन्चपैड माना जाता था। पहलाज निहलानी ने 'आग का गोला', 'शबनम', 'इल्जाम' और 'आंखें और शोला' जैसी शानदार फिल्में बनाई हैं। उन्होंने एक खुलासा करते हुए कहा कि 'आरजू' के एक महत्वपूर्ण हिस्से की 12 रील शूट करने के बाद भी क्रू मेंबर्स के चलते फिल्म बंद करनी पड़ी। सुनील के अलावा इस फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा और राज बब्बर जैसे बड़े सितारे भी थे।

निहलानी ने इस कारण बंद की 'आरजू'

पहलाज निहलानी ने एक बातचीत के दौरान कहा, 'मैं दृश्यों का उस तरह आनंद नहीं ले रहा था, जिस तरह से वह लिखे गए थे। डायरेक्टर भी एक हीरोइन के चक्कर में पड़ गया और उसका फोकस सिर्फ उसी पर था। पूरी फिल्म में सिर्फ लोकेशन थीं और कलाकार कहीं नजर नहीं आए।' निहलानी ने कहा कि कलाकारों में शत्रुघ्न सिन्हा, राज बब्बर, डैनी, माधवी और किरण कुमार जैसे बड़े नाम शामिल थे।

निहलानी ने आगे कहा, 'एक शेड्यूल के लिए पोशाकें पहले ही बन चुकी थीं और वार्डरोब भी पूरे थे। यूनिट ने शिकायत की कि फिल्म सही तरीके से नहीं बनाई जा रही है और उन्होंने मुझसे कहा कि मैं ब्रेक ले लूं और फिर तय करूं कि क्या करना है। हमारे पास हॉट 12 रीलें थीं, जब मैंने इन्हें देखा तो मुझे लगा कि यह मेरे बैनर के लिए अच्छी फिल्म नहीं है। इसे ठीक से शूट नहीं किया गया। इसलिए, मैंने सोचा कि इसे बंद कर देना चाहिए।'

जिसके बाद उन्होंने सुनील शेट्टी को आश्वस्त किया कि यह फिल्म उनके लायक नहीं है और उन्हें एक दूसरी फिल्म 'एक और फौलाद' का ऑफर दिया गया, लेकिन यह फिल्म भी मुहूर्त के बाद बंद कर दी गई। सुनील ने इसे लेकर खुलकर बात करते हुए कहा था कि पहलाज निहलानी ने उन्हें धोखा दिया था।

वर्ष 1994 में सुनील शेट्टी ने एक फिल्म पत्रिका को बताया था, 'मेरे करियर की शुरुआत में पहलाज निहलानी ने मुझे धोखा दे दिया था, जिसने मुझे पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था, जब उन्होंने नौ रील के बाद मेरी अभिनीत फिल्म को हटा दिया। उन्होंने बाद में दूसरी फिल्म भी बंद करने का फैसला किया। भिखारी को मिली भीख, जितने मिले उतने ठीक। मैं तो बस फिल्में चाहता था, जो भी मेरे पास आया, मैंने उस पर हस्ताक्षर कर दिए।'

'पद्मावत' की इस हसीना को काम मिलना हो गया था बंद, कारण बताकर सबको किया दंग

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका ने हाल ही में बताया कि 'टाइगर जिंदा है', 'पद्मावत' और 'वॉर' जैसी लगातार तीन ब्लॉकबस्टर फिल्मों से एक सीख मिली कि अच्छी चीजों में समय लगता है। वहीं, अच्छी चीजों के परिणाम आने में और भी अधिक समय लगता है। अनुप्रिया ने विद्या बालन स्टारर फिल्म 'बॉबी जासूस' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें सफलता सलमान खान की फिल्म 'टाइगर जिंदा है' से मिली।

अनुप्रिया ने 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर जिंदा है' में पूर्णा के किरदार में नजर आई थीं, जो एक नर्स थीं और उन्हें बंधक बना लिया गया था। इस फिल्म के बाद उन्होंने संजय लीला भंसाली की 'पद्मावत' में शाहिद कपूर की पत्नी का किरदार निभाया था। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि फिल्मों ने उन्हें इंडस्ट्री का एक जाना पहचाना चेहरा बना दिया, लेकिन जल्द ही उन्होंने खुद को एक ऐसी स्थिति में पाया, जहां छह महीनों के लिए उन्हें काम के लिए कॉल आना काफी कम हो गईं। अभिनेत्री ने कहा, 'फिल्मों ने मुझे नाम दे दिया, लेकिन अगले छह महीनों तक मुझे कोई कॉल नहीं आई! मुझे याद है कि मैं बहुत सोच में थी कि क्या हो रहा था। एक कलाकार के रूप में, अगर मेरे पास पहले काम नहीं था, तो कम से कम मेरे पास कई ऑडिशन होते थे।

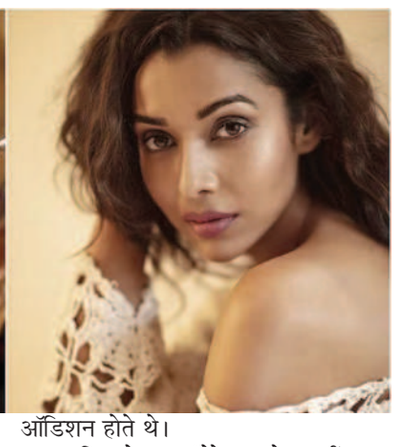

अनुप्रिया ने कहा, 'मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ, लेकिन इसका प्रभाव निश्चित रूप से पड़ा, क्योंकि छह महीने के बाद मेरे लिए चीजें बदल गईं।' दो फिल्मों के बाद वह 2019 में अपनी तीसरी बड़ी फिल्म ऋतिक रोशन की 'वॉर' में दिखाई दीं, जो ब्लॉकबस्टर रही। उन्होंने 'पद्मावत' के दौरान अपने एक सहयोगी से कहा था, 'अगर मुझे इसके बाद एक दिन में फिर से 12 ऑडिशन देने होंगे, तो मैं पैकअप कर लूंगी।' एक्ट्रेस ने कहा, 'क्योंकि मैंने ऐसा पांच वर्ष तक किया और मुझे पता है कि मेरी यात्रा वहां तक रही है, इसलिए मैं कुछ और लक्ष्य रखूंगी। अब मैं उस स्तर पर हूं जहां कास्टिंग एजेंट मुझे सेल्फ-टेस्ट भेजने की पेशकश करते हैं, लेकिन मैं आने और ऑडिशन देने पर जोर देती हूं, जिस तरह से चीजें हैं और मैं जहां जा रही हूं, उससे मैं बहुत खुश हूं।'

'सुल्तान ऑफ दिल्ली' में आएंगी नजर

वहीं उनके वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही डिज्नी प्लस होस्टार की एक्शन थ्रिलर सीरीज 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' में नजर आएंगी। इसका निर्देशन मिलन लुथरिया ने किया है। शो में अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि जब उन्हें यह शो ऑफर किया गया था तो उन्हें शंकरी के अपने डार्क किरदार से प्यार हो गया।

शरीर में यूरिक एसिड को गलाकर बाहर कर देता है कलौंजी

प्यूरिन के क्रिस्टल बनने लगते हैं मोम, जोड़ों के दर्द से मिलता है छुटकारा

कई अध्ययनों से पता चला है कि कलौंजी किडनी को नुकसान पहुंचाने से बचाती है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करती है। यूरिक एसिड रक्त में पाया जाने वाला एक अपशिष्ट उत्पाद है। यह तब बनता है जब शरीर प्यूरीन नामक रसायन को तोड़ता है।

अधिकांश यूरिक एसिड रक्त में घुल जाते हैं,किडनी उन्हें फिल्टर करके यूरीन के जरिए बॉडी से बाहर निकाल देती है। प्यूरीन से भरपूर भोजन और पेय पदार्थ यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाते हैं।

डाइट में कुछ खास तरह के फूड्स जैसे मीठा पेय और मिठाईयां, फ्रुक्टोज का अधिक सेवन, अल्कोहल, मांस का अधिक सेवन, हेरिंग, स्कैलप्स, मसल्स, कॉडफ़िश, टूना सहित कुछ समुद्री भोजन,रेड मीट का अधिक सेवन यूरिक एसिड को तेजी से बढ़ाता है।

जब शरीर में बहुत अधिक यूरिक एसिड रहता है, तो हाइपरयुरिसीमिया नामक स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हाइपरयुरिसीमिया यूरिक एसिड (या यूरेट) के क्रिस्टल बनने का कारण बन सकता है। ये क्रिस्टल जोड़ों में जम सकते हैं और गठिया का कारण बन सकते हैं। गठिया बहुत दर्दनाक हो सकता है। इसकी वजह से किडनी में पथरी हो सकती है।

डॉक्टर के मुताबिक यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए कालौंजी का सेवन बेहद असरदार साबित होता है। कालौंजी औषधीय गुणों से भरपूर एक ऐसा मसाला है जिसका सेवन करके आसानी से यूरिक एसिड को कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि कलौंजी का सेवन कैसे यूरिक एसिड को कंट्रोल करता है।

कलौंजी कैसे यूरिक एसिड को कंट्रोल करती है

जिन लोगों का यूरिक एसिड हाई रहता है वो कालौंजी को अपनी डाइट में शामिल करें। कलौंजी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो सूजन और गाउट के हमले को कंट्रोल करने में असरदार साबित होते हैं। इस बीज को लेने से गाउट के जोखिम को कम कर सकते हैं। एक अध्ययन में रुमेटीइड गठिया के 42 रोगियों को दो महीने तक रोजाना कलौंजी लेने को कहा गया। अध्ययन में शामिल जिन रोगियों ने कालौंजी का सेवन किया उन रोगियों को सूजन और दर्द से राहत मिली।

एक और रिसर्च से पता चला है कि कलौंजी सूजन को कंट्रोल करती है, गाउट अटैक की गंभीरता को कम करने में मदद कर सकती है। कलौंजी में एन-ब्यूटिलफ्थालाइड और बीटा-सेलिनिन नाम के दो कंपाउंड होते हैं जो कि बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। ये नाइट्रिक ऑक्साइड के क्रिस्टल्स को हड्डियों में जमा होने से रोकते हैं और यूरिक एसिड को कंट्रोल करते हैं।

यदि आप गाउट से पीड़ित हैं और यूरिक एसिड बढ़ने के कारण जोड़ों में क्रिस्टल जमा हो रहे हैं तो आप कलौंजी का सेवन करें। कई अध्ययनों से पता चला है कि कलौंजी किडनी को नुकसान पहुंचाने से बचाती है। किडनी स्टोन से बचाव करने के लिए आप कलौंजी के पाउडर को शहद और गर्म पानी के साथ मिलाकर उसका सेवन करें।

कलौंजी का सेवन कैसे करें

इन चमत्कारी बीज का सेवन कई तरह से किया जा सकता है। आप इसका सेवन खाने में शामिल करके कर सकते हैं।आप इसे अपने सलाद, सॉस, करी, अचार और सब्जियों में इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी सुगंध और स्वाद दोनों बेहतर होता है। कलौंजी को सप्लीमेंट या पाउडर के रूप में भी लिया जा सकता है।

कम उम्र में ही क्यों सफेद होने लगे बाल

बालों की समस्या काफी तेजी से लगभग हर उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही है। बालों के टूटने-झड़ने से लेकर इसके समय से पहले सफेद होने की दिक्कतें काफी सामान्य हैं, पर क्या आप इसकी वजह जानते हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, प्रदूषण, आहार में गड़बड़ी और तनाव जैसी स्थितियां बालों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही हैं। आमतौर पर 50 की उम्र के बाद बाल सफेद होने लग जाते हैं, पर कुछ लोगों में यह समस्या 20-30 या इससे पहले की उम्र में भी हो सकती है। इसके कारणों को समझना बहुत आवश्यक है।

डॉक्टर कहते हैं, उम्र बढ़ने के साथ सामान्य तौर पर बालों के रोम छिद्र में रंग का उत्पादन कम होने लग जाता है, जिससे इस तरह की दिक्कत होती है। पर यह किस कारण से होती है और इससे बचाव कैसे कर सकते हैं, आइए जानते हैं।

बालों के रंग के पीछे का साइंस समझिए

आपके बालों के रोम में वर्णक यानी रंगों का उत्पादन करने वाली कोशिकाएं होती हैं जो मेलेनिन नामक एक रसायन बनाती हैं जो आपके बालों को काला रंग देता है। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, ये कोशिकाएं मरने लगती हैं। मेलेनिन की कमी के कारण नए बालों की समस्याएं शुरू हो जाती हैं, विशेषकर बाल ग्रे या सफेद रंग के होने लग जाते हैं। ध्यान रहे, एक बार जब कोई भी फॉलिकल मेलेनिन का उत्पादन बंद कर देता है तो इसके दोबारा शुरू होने की संभावना बहुत कम हो जाती है।

कम उम्र में होने वाली समस्या

उम्र के साथ बालों के सफेद होने की प्रक्रिया सामान्य है पर आखिर कम आयु में ही यह दिक्कत क्यों होने लगती है? इसके लिए विशेषज्ञ कई कारणों को जिम्मेदार पाते हैं जैसे- अधिक तनाव लेना या फिर कोई अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्या। शोध बताते हैं,

यह काफी हद तक आपके जीन पर भी निर्भर करता है जो तय करते हैं कि बाल कब सफेद होंगे। अगर आपके माता-पिता में से किसी के भी 30 साल की उम्र में बाल सफेद हो गए थे, तो इस बात की आशंका है कि आपके भी बाल जल्दी सफेद हो सकते हैं।

इन कारणों के बारे में भी जानिए

आनुवांशिकता के साथ कुछ और कारक भी हो सकते हैं जो समय से पहले आपके बालों के रंग को गायब कर देते हैं।

विटामिन बी 12 की कमी।

न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस - आनुवांशिकता में मिली बीमारियां जो नसों, हड्डियों और त्वचा को प्रभावित करती हैं।

विटिलिगो की समस्या- इस स्थिति के कारण मेलानोसाइट्स (बालों के रोम के आधार पर कोशिकाएं जो रंग पैदा करती हैं) आपना रंग खो देती हैं।

एलोपीसिया एसरिटी की समस्या बालों के झड़ने से संबंधित है, पर इसके कारण भी आपके बाल सफेद हो सकते हैं।

बालों को सफेद होने से कैसे रोकें?

डॉक्टर कहते हैं, समय से पहले बालों को सफेद होने से रोकने के लिए कुछ प्रयास किए जा सकते हैं, हालांकि आनुवांशिकता के जोखिम में इसे कम नहीं किया जा सकता।

एंटीऑक्सीडेंट वाली चीजें अधिक खाएं। सब्जियों और फलों में बहुत सारे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो बालों को सफ़ेद होने से रोकने में सहायक हैं।

धूम्रपान न करें।

आहार से पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स लें। आपके बालों को स्वस्थ रखने के लिए विटामि बी-12 आवश्यक है।

पर्याप्त खनिज प्राप्त करें- बालों के विकास और कोशिकाओं को स्वस्थ रखने में मिनरल्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

हृदय को स्वस्थ रखने के दो 'मूल मंत्र'

हृदय रोगों का जोखिम वैश्विक स्तर पर पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि जिस तरह से लोगों की लाइफस्टाइल खराब होती जा रही है इससे शरीर के इस महत्वपूर्ण अंग पर सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव देखा जा रहा है। हृदय रोगों से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि हम नियमित रूप से स्वस्थ आहार और व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। शोधकर्ताओं ने बताया कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आहार की विशेष भूमिका रही है, हम क्या खाते हैं इसका सीधा असर हमारी सेहत पर होता है।

एक शोध में वैज्ञानिकों की टीम ने हृदय को स्वस्थ रखने के लिए दो मूल मंत्र बताए हैं। अगर हम सभी आहार में मैग्नीशियम और पोटैशियम युक्त चीजों की मात्रा के बढ़ा लेते हैं तो इससे हृदय को स्वस्थ रखने में विशेष लाभ मिल सकता है। रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने के साथ हृदय को कार्यों को बढ़ावा देने में इन दोनों पोषक तत्वों को बहुत महत्वपूर्ण पाया गया है।

हृदय के लिए फायदेमंद है मैग्नीशियम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, मैग्नीशियम आपके हृदय को रक्त पंप करने में मदद करता है। इस खनिज का सही स्तर दिल की धड़कन के स्तर को बेहतर रखने और हृदय रोग या दिल का दौरा पड़ने की आशंका को कम कर सकता है। यह शरीर के सैकड़ों महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में भी मदद करता है।

आपकी मांसपेशियों और तंत्रिकाओं के काम करने के तरीके को नियंत्रित करने से लेकर हड्डियों को मजबूत रखने, दिल को स्वस्थ रखने और ब्लड शुगर को सामान्य रखने में भी इसके लाभ हैं। हृदय रोगियों के लिए मैग्निशियम युक्त चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

आहार में इन चीजों को करें शामिल

आहार के माध्यम से आसानी से मैग्नीशियम की पूर्ति की जा सकती है। साबुत अनाज और गहरी हरे पत्तेदार सब्जियां मैग्नीशियम का अच्छे स्रोत हैं। कम वसा वाले दूध और दही में भी मैग्नीशियम होता है। बीन्स और फलियां (जैसे सोयाबीन, बेक्ड बीन्स, दाल और मूंगफली) और नट्स (जैसे बादाम और काजू) का सेवन करके भी मैग्नीशियम प्राप्त कर सकते हैं।

पोटेशियम से वाहिकाएं रहती हैं स्वस्थ

मैग्नीशियम की ही तरह से पोटेशियम भी हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है, ये रक्त वाहिकाओं की दीवारों को आराम देता है, रक्तचाप को कम करता है और मांसपेशियों की ऐंठन से बचाता है। कई अध्ययनों ने पोटेशियम के कम सेवन के कारण रक्तचाप बढ़ने और स्ट्रोक के जोखिमों को लेकर लोगों को अलर्ट किया गया है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आहार में पोटेशियम को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

पोटेशियम कैसे प्राप्त करें?

आहार के माध्यम से पोटेशियम प्राप्त करने के लिए पत्तेदार साग, बीन्स, नट्स, डेयरी खाद्य पदार्थ, और स्टार्च वाली सब्जियों का सेवन किया जा सकता है। सूखे मेवे (किशमिश, खुबानी), बीन्स और दालें, आलू, पालक, ब्रोकोली, एवोकाडो और केले इस पोषक तत्व के अच्छे स्रोत हैं। आहार में इन चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

दोपहर में व्यायाम से मधुमेह रोगियों को मिल सकता है अधिक लाभ

डायबिटीज का खतरा वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है। डॉक्टर कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण डायबिटीज और इसकी जटिलताएं बढ़ सकती हैं, इसलिए जरूरी है कि हम सभी स्वस्थ और पौष्टिक आहार का सेवन करने के साथ शरीरिक व्यायाम की नियमित आदत बनाएं। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि यदि आप नियमित रूप से व्यायाम करते हैं तो इससे डायबिटीज की जटिलताओं के विकसित होने का जोखिम कम हो जाता है।

डायबिटीज वाले लोगों को कब व्यायाम करना चाहिए, इसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विशेष सलाह दी है। डायबिटीज रोगियों पर किए गए अध्ययन के आधार पर शोधकर्ताओं ने बताया कि यदि आप दोपहर के समय व्यायाम करते हैं तो इससे अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

दोपहर में व्यायाम से मिल सकता है अधिक लाभ

जर्नल डायबिटीज केयर में प्रकाशित रिपोर्ट में अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि वैसे तो व्यायाम करना कभी भी लाभकारी हो सकता है पर मधुमेह के शिकार लोगों में पाया गया है कि यदि आप दोपहर में व्यायाम करते हैं तो यह सुबह या शाम की तुलना में अधिक लाभकारी हो सकता है।

बोस्टन स्थित ब्रिघम एंड वुमेन हॉस्पिटल में फिजियोलॉजिस्ट और अध्ययन के लेखक जिंगी कियान कहती हैं, यदि हम भोजन के बाद व्यायाम करते हैं, तो यह अधिक फायदेमंद हो सकता है।₹ यह एक थ्योरी है जिससे लोगों में लाभ मिलता देखा गया है।

व्यायाम कभी भी करना फायदेमंद

शोधकर्ता कहते हैं, इसके विपरीत जो लोग सुबह व्यायाम करते हैं, अक्सर उनका नाश्ता देर हो जाता है, जो डायबिटीज में जटिलताओं को बढ़ाने वाला हो सकता है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि अगर आपको दोपहर में समय नहीं मिल रहा है तो आप वर्कआउट छोड़ दें। व्यायाम करने का सबसे अच्छा समय वही है जब आप कर सकते हैं और जहां भी आप कर सकते हैं।

अध्ययन में क्या पता चला?

अध्ययन के लिए, टाइप-2 डायबिटीज वाले 2,400 से अधिक लोगों को अपनी कमर पर एक उपकरण पहनने को कहा गया जो शारीरिक गतिविधि पर नज़र रखता था। जिन लोगों ने दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे के बीच में व्यायाम किया, ऐसे लोगों में एक वर्ष में ब्लड शुगर के स्तर में अधिक सुधार दिखा। इतना ही नहीं, जो लोग दोपहर में व्यायाम करते थे, उनमें अब ग्लूकोज कम करने वाली मधुमेह की दवाओं की आवश्यकता भी कम हो गई।

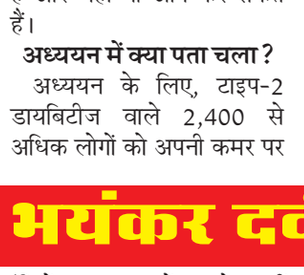

शोधकर्ताओं ने बताया कि इस अध्ययन में किसी विशेष प्रकार के व्यायाम को लेकर जांच नहीं की गई, प्रतिभागियों ने अपने मन से वर्कआउट किया था।

क्या है शोधकर्ताओं की सलाह?

यूनिवर्सिटी ऑफ यूटा हेल्थ में प्रोफेसर तान्या हॉलिंडे कहती हैं, टाइप-2 मधुमेह वाले लोगों के लिए व्यायाम करने के लिए दिन का कौन सा समय सबसे अच्छा है, इस समय के बारे में कोई भी सिफारिश करना जल्दबाजी होगी। हम अभी तक नहीं जानते हैं कि व्यायाम के समय ने इन परिणामों को कैसे प्रभावित किया है, हालांकि लाभ जरूर देखा गया है।

व्यायाम के समय के परिणामस्वरूप आहार या नींद के पैटर्न में परिवर्तन हो सकता है जो रक्त शर्करा में सुधार और शुगर की दवाइयों की जरूरतों को कम कर सकता है। हालांकि इस बारे में ठोस दावे के लिए अभी और भी अध्ययन किए जाने हैं।

घुटनों में भयंकर दर्द होता है

प्रश्न : क्या आयुर्वेद में शिशुओं के लिए अच्छे टॉनिक है जो उनके शरीर का समुचित विकास कर सके?

-श्रीमती मनोरमा राव , सिद्दीपेट

उत्तर : आयुर्वेद का एक अंग ₹कौमारभृत्य₹ शिशुओं की उचित देखभाल एवं उनकी चिकित्सा को ही समर्पित है। आयुर्वेद का प्राचीन ग्रंथ काश्यप संहिता पेडियाट्रिक्स यानी कौमारभृत्य को समर्पित ग्रंथ है। शिशुओं की दवा सुपाच्य, सरल और मीठी होना आवश्यक है। प्राचीन काल से ही गुडूची, सौंफ, भृंगराज, पिप्पली,कालमेघ ,भूमिआमलकी, अश्वगंधा, एला, पुनर्नवा आदि का प्रयोग शिशु चिकित्सा में होते रहा है। ऊंझा अरविंदासव शैशवावस्था कि एक अप्रतिम टॉनिक है। ऊंझा का ₹शिशु साथी₹ बच्चों के विकास को बढ़ाने वाली अपूर्व दवा है। औरा का ₹बेबीबून₹ सैरप भी एक ऐसी ही बेहतरीन औषधी है। शिशु शरीर की मालिश के लिए ऑलिव ऑयल (जैतून का तेल) एक कामयाब नुस्खा है। इससे रिकेट्स या हड्डियों का पोलापन समाप्त होता है। और शिशु शरीर का सही ढंग से विकास होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। सुस्ती से बहुत परेशान हूं ।कुछ भी काम करने का मन नहीं करता। जम्हाई आने लगती है। कृपा कर मेरा मार्गदर्शन करें।

- चंद्रशेखर वर्मा, हैदराबाद

उत्तर : सुस्ती से आलस्य आता है और परिणाम में कार्य हानि होती है। अकर्मण्यता युवा शरीर का सबसे बड़ा शत्रु है ।जब शरीर की इंद्रियां शिथिल होकर अपना कार्य करना क्लान्ति के कारण बंद करने लगती है, तब भी मस्तिष्क को तो काम करना पड़ता ही है। इसी से पैदा होती है जम्हाईयां और धीरे-धीरे पूरे शरीर में आलस छाने लगता है। मन और इंद्रियों का आपस में सहयोग नहीं होने से कोई भी काम करने का मन नहीं करता।

इस स्थिति से बचा जा सकता है। आयुर्वेद में इसका उपचार है।

* कब्ज़ न होने दें । रात को हल्का भोजन करें । कब्ज की स्थिति में औरा का लैक्झोल पाउडर या ऊंझा का निरोग चूर्ण लेवें।

* सुबह - शाम नवरत्न कल्पामृत रस या एक्टिविट कैप्सूल को गाय के दूध के साथ लें।

* सामान्य कमजोरी की स्थिति में रजवाड़ीप्राश या कोहिनूरप्राश लेवें।

* नित्य कसरत करें। खुली हवा में घुमा करें ।

* अच्छी तनावरहित नींद लें । तनाव रहने पर सोते समय और टेंसट्रिम टेबलेट लेवें। * सकारात्मक मित्रों की संगत में रहा करें।

इन उपायों के करते रहने से आलस्य समाप्त हो जाएगा शरीर में सुस्ती खत्म हो जाएगी और काम करने का मन करने लगेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 70 वर्ष है। मेरे घुटनों में भयंकर दर्द होता है । उठने- बैठने, चलने -फिरने में कठिनाई होती है। पेट साफ नहीं रहता। कब्ज की शिकायत है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- गिरीश कुमार सोनी , सिकंदराबाद

उत्तर : बढ़ती उम्र में संधिवात की समस्या आम हो गई है। इसे ही आस्टियों आर्थराइटिस कहते हैं। घुटनों की संधियों में स्थित श्रेष्ठ कफ 'सायनोवियल फ्लुइड' कम हो जाने से हड्डियों में घर्षण होने के कारण संधिशोथ और तीव्र पीड़ा होने लगती है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वातगजांकुश रस व ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस की गोली भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन के बाद ही ऊंझा महारास्नादि क्वाथ 15-15 मिलीलीटर को 3 गुने निवाए पानी में मिलाकर लेवें। दर्द व सूजन दोनों ही कम होने लगेंगे।औरा रुमाटाईज टिकिया या ऊंझा रुमूव कैप्सूल को सोंठ मिश्रित दूध से लेने पर दर्द में बहुत जल्दी राहत मिलने लगती है। ऊंझा महानारायण तेल या रुमाटाईज तैल की मालिश करें। ऐसा करने से तुरंत फायदा होने लगता है।

गरिष्ठ भोजन, भोजन पर भोजन, तीखे मिर्च मसालेदार भोजन, बासी भोजन, वात वर्धक आहार-विहार का त्याग करें। ताजा ,संतुलित, सुपाच्य व पौष्टिक भोजन करें। तनाव, चिंता से दूर रहें। हल्का व्यायाम करना प्रारंभ कर दें। धीरे-धीरे दर्द में आराम होने लगेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

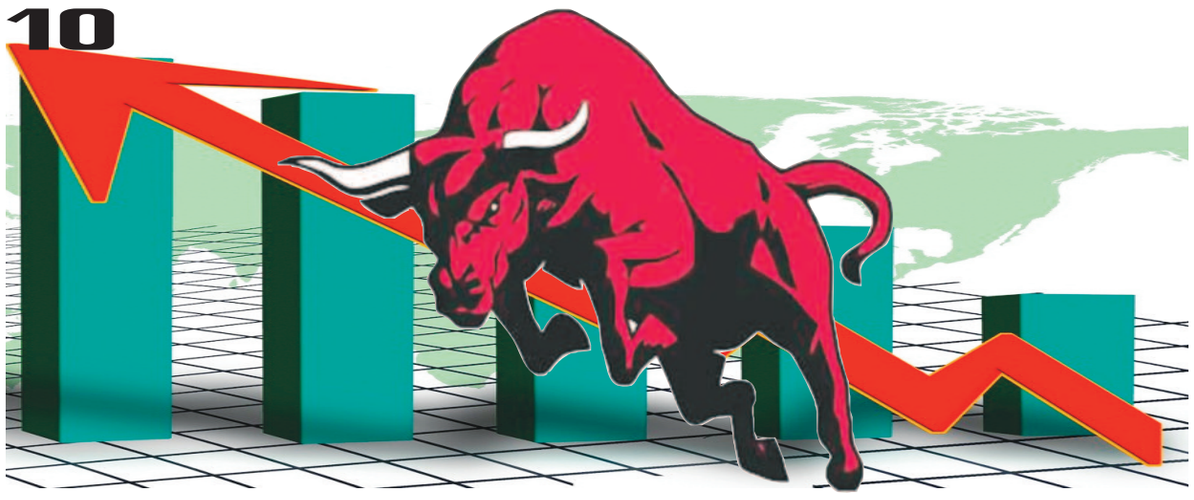

आरबीआई एमपीसी की बैठक चार अक्तूबर से

रेपो रेट स्थिर रहेगा या होगा इजाफा, जानकारों की राय

नई दिल्ली , 2 अक्टूबर (एजेंसिया) भारतीय रिजर्व बैंक इस हफ्ते होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में प्रमुख नीतिगत दर यानी रेपो रेट को 6.5% पर स्थिर रख सकता है। अगर ऐसा होता है तो खुदरा और कॉरपोरेट कर्जदारों के लिए ब्याज दरें स्थिर रह सकती हैं। बता दें कि रूस यूक्रेन युद्ध के बीच रिजर्व बैंक ने मई 2002 में नीतिगत दर बढ़ाना शुरू किया था। इस साल फरवरी में इसे बढ़ाकर 6.5% कर दिया गया था। पिछली तीन बैठकों में रेपो रेट को स्थिर रखा गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक चार से शुरू होकर छह अक्तूबर तक चलेगी। बैठक के नतीजों का एलान छह अक्तूबर को किया जाएगा।

क्या होगा इस बार एमपीसी की बैठक में

जानकारों का मानना है कि इस बार की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में मौजूदा दर संरचना के साथ रेपो रेट को बरकरार रखा जा सकता है। खुदरा मुद्रा स्फीति फिलहाल 6.8% के उच्च स्तर पर है और सितंबर और अक्तूबर महीनों के आंकड़ों में कमी आने की संभावना है। हालांकि खरीफ उत्पादन के बारे में अभी चीजें स्पष्ट नहीं है। यदि इसमें उतार-चढाव होता है तो कीमतों में इजाफा हो भी सकता है।

एमपीसी की आगामी बैठक में रेपो रेट स्थिर रहने की उम्मीद: रेवांकर

श्रीराम फाइनेंस के कार्यकारी उपाध्यक्ष और फाइनेंस इंडस्ट्री डेवलपमेंट काउंसिसल (एफआईडीसी) के अध्यक्ष उमेश रेवांकर ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि पिछली एमपीसी बैठकों में अमेरिका की तुलना में भारत में नीतिगत ब्याज दरों में बहुत अधिक इजाफा नहीं हुआ है। रेवांकर ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस बार के एमपीसी बैठक में भी ब्याज दरों को स्थिर रखा जा सकता है।

खरीफ उत्पादन पर रहेगी बाजार की नजर

रेवांकर ने कहा, पिछली दो तिमाही में महंगाई में वृद्धि हुई है। ऐसा खासकर फूड इन्फ्लेशन बढ़ने से हुआ है। फूड इन्फ्लेशन एमपीसी के पहले नियंत्रण दिख रहा है ऐसे आरबीआई रेपो रेट को स्थिर बनाए रख सकता है। इसके अलावे खरीफ आउटपुट पर भी नजर बनी रहेगी। रेवांकर के अनुसार एक ओर जहां अमेरिका में ब्याज दरों में जल्दी-जल्दी इजाफा किया गया। वहां ब्याज दरें पांच प्रतिशत तक बढ़ गईं। दूसरी ओर भारत में महज 250 बेसिस प्वाइंट तक का ही इजाफा हुआ। रेवांकर के अनुसार खरीफ उत्पादन पर बाजार की नजर बनी हुई है। अगर खरीफ उत्पादन पिछले साल की तरह रहता है तो घबराने की कोई बात नहीं है। पिछले पांच सालों में खरीफ उत्पादन में वृद्धि देखी गई है।

आरबीआई से बैंकों और एनबीएफसी को मिल रहा बहुमूल्य सपोर्ट

रेवांकर के अनुसार देश के केंद्रीय बैंक यानी आरबीआई ने अपना काम बहुत बेहतर ढंग से किया है। इससे बैंकों और एनबीएफसी को काफी मदद मिली है। आरबीआई हमेशा एक सपोर्टिंग रेगुलेटर की भूमिका निभाता रहा है। एनबीएफसी क्राइसिस और कोविड के दौर में आरबीआई ने बैंकों और एनबीएफसी की काफी मदद की है। 15 बड़े एनबीएफसी है जिनकी मदद आरबीआई बैंकों की तरह ही कर रहा है।

गांधी जयंती: लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं खादी के ब्रांड

आजादी के बाद पहली बार बढ़ा कारोबार, ग्रामीण क्षेत्रों में 9.5 लाख रोजगार के अवसर दिए

नई दिल्ली , 2 अक्टूबर (एजेंसिया) खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। केवीआईसी ने दुनिया के सामने भारत की बुलंद तस्वीर पेश की है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार केवीआईसी के उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। खादी ग्रामोद्योग आयोग ने अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। इसने भारत की सभी सर्वश्रेष्ठ एफएमसीजी कंपनियों को कारोबार में पीछे छोड़ दिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में खादी-ग्रामोद्योग आयोग ने 1.34 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया है। जबकि इसने 2013-14 में 31,154 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। 2013-14 और 2022-23 बीच स्वदेशी खादी उत्पादों की बिक्री में 332 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। खादी के कपड़ों में विशेष रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसका उत्पादन 2013-14 में 811 करोड़ रुपए से बढ़कर 2022-23 में 2,916 करोड़ हो गया, जो 260 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। जबकि खादी के कपड़ों में बिक्री में 450 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2013-14 में 1,081.04 करोड़ रुपए से बढ़कर 2022-23 में 5,942 करोड़ रुपए हो गया। खादी क्षेत्र से जुड़े कारीगरों को उत्पादन और बिक्री में इस वृद्धि से काफी फायदा हुआ है। 2013-14 के बाद से उनके पारिश्रमिक में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है। 2021 में खादी ग्रामोद्योग आयोग ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 50 हजार से अधिक उत्पादों की पेशकश करने वाला एक अनूठा सरकारी आनलाइन प्लेटफार्म की शुरुआत की। केंद्र सरकार के वोकल फॉर लोकल अभियान ने खादी को घरेलू और विदेश दोनों जगह लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। हाल के वर्षों में खादी ग्रामोद्योग आयोग ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करते हुए कारीगरों और बेरोजगार युवाओं के लिए स्थाई रोजगार पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया है। 2022-23 में खादी ग्रामोद्योग आयोग ने ग्रामीण क्षेत्रों में 9.5 लाख रोजगार के अवसर तैयार किए है। जबकि 2013-14 में 5.6 लाख रोजगार थे।

आईसीयू में चीन की इकॉनमी, रियल एस्टेट के बाद बिगड़ी बैंकिंग सेक्टर की सेहत, क्या बढ़ाएगा दुनिया का सिरदर्द

नई दिल्ली , 2 अक्टूबर (एजेंसिया) चीन की आर्थिक सेहत किसी से छिपी नहीं है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बीते कुछ समय से बुरे दौर से गुजर रही है। वहां का रियल एस्टेट सेक्टर, जो उसकी जीडीपी में 30 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है खस्ताहाल हो चुका है। रियल एस्टेट कंपनियां दिवालियां हो रही है। लोगों खर्च करने की हालत में नहीं है, इसलिए घर खंडहर बनते जा रहे हैं। एक अरब 40 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश की धीमी विकास दर, बेरोज़गारी, बूढ़ी होती जनसंख्या, प्रॉपर्टी बाज़ार की उथल-पुथल ने उसकी आर्थिक सेहत को बिगाड़ दिया है। चीन क आर्थिक सेहत इस कदर बिगड़ती जा रही है कि अब दुनियाभर की टेंशन बढ़ने लगी है। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है और करीब दो दशक से दुनिया की फैक्ट्री बनी हुई है। दुनियाभर के बाजार चीनी माल से पटे हुए हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां चीन में सामान बनाकर पूरी दुनिया में बेच रही हैं। लेकिन पिछले कुछ महीनों से चीन की इकॉनमी के बारे में डराने वाली खबरें आ रही हैं। चीन का रियल एस्टेट मार्केट संकट में है, एक्सपोर्ट लगातार गिर रहा है, बेरोजगारी चरम पर है और ग्रोथ धीमी पड़ गई है। विदेशी कंपनियां वहां से अपना बोरिया-बिस्तर समेट रही हैं और अमेरिका का साथ तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

सितंबर में घटी डीजल की बिक्री, पेट्रोल की मांग में उछाल

एलपीजी और एटीएफ सेल्स का ऐसा रहा हाल

नई दिल्ली , 2 अक्टूबर (एजेंसिया) सितंबर 2023 के पेट्रोल और डीजल की बिक्री के आंकड़े घोषित कर दिए गए हैं. सितंबर में सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों पेट्रोलियम कंपनियों की डीजल बिक्री घटी है, हालांकि, पेट्रोल की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है. सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के शुरुआती आंकड़ों से यह जानकारी मिली है.डीजल की बिक्री सितंबर में कमजोर मांग और देश के कुछ हिस्सों में औद्योगिक गतिविधियां सुस्त पड़ने की वजह से तीन फीसदी घटी है. देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन डीजल की बिक्री सितंबर में घटकर 58.1 लाख टन रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 59.9 लाख टन थी. सितंबर के पहले 15 दिनों में डीजल की मांग में पांच फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई, जबकि बारिश कम होने से अगले 15 दिनों में डीजल की मांग बढ़ी. महीने दर महीने आधार पर देखा जाए तो मासिक आधार पर डीजल की बिक्री ढाई फीसदी ज्यादा रही है. अगस्त में डीजल की बिक्री 56.7 लाख टन रही थी.आमतौर पर मानसून के दौरान डीजल की बिक्री घट जाती है, क्योंकि बारिश के कारण कृषि सेक्टर की मांग कम रहती है. कृषि क्षेत्र में सिंचाई, कटाई और ट्रांसपोर्टेशन के लिए फ्यूल के रूप में डीजल का इस्तेमाल होता है. हालांकि इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि स्थिर और स्वस्थ आर्थिक गतिविधियों और हवाई यात्रा में सुधार के साथ साल के बाकी महीनों में देश में तेल की मांग ऊंची बनी रहेगी.आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में पेट्रोल की बिक्री पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 5.4 फीसदी बढ़कर 28 लाख टन हो गई. अगस्त में पेट्रोल की मांग में बढ़ोतरी लगभग स्थिर रही है. सितंबर में महीने दर महीने आधार पर पेट्रोल की मांग 5.6 फीसदी बढ़ी है. सितंबर में पेट्रोल की खपत कोविड-प्रभावित सितंबर, 2021 की तुलना में 19.3 फीसदी ज्यादा रही और महामारी-पूर्व की अवधि यानी सितंबर, 2019 की तुलना में 30 फीसदी ज्यादा रही. डीजल की खपत सितंबर, 2021 की तुलना में 19 फीसदी और सितंबर, 2019 की तुलना में 11.5 फीसदी ज्यादा रही.हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ने के बीच विमान ईंधन एटीएफ की मांग सितंबर में 7.5 फीसदी बढ़कर 5,96,500 टन पर पहुंच गई. सितंबर, 2021 की तुलना में यह 55.2 फीसदी ज्यादा रही. वहीं कोविड-पूर्व यानी सितंबर, 2019 की तुलना में यह 3.55 फीसदी कम रही. मासिक आधार पर जेट ईंधन की मांग सितंबर में स्थिर रही. अगस्त, 2023 में विमान ईंधन की मांग 5,99,100 टन रही थी.रसोई गैस यानी एलपीजी की बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर छह फीसदी बढ़कर 26.7 लाख टन पर पहुंच गई. सितंबर, 2021 की तुलना में एलपीजी की खपत 11.4 फीसदी और कोविड-पूर्व की अवधि यानी सितंबर, 2019 की तुलना में 23.3 फीसदी ज्यादा रही. मासिक आधार पर एलपीजी की मांग 7.3 फीसदी बढ़ी. अगस्त में एलपीजी की मांग 24.9 लाख टन रही थी.अप्रैल और मई में डीजल की खपत क्रमशः 6.7 फीसदी और 9.3 फीसदी बढ़ी थी, क्योंकि उस समय कृषि सेक्टर की मांग अच्छी रही थी. इसके अलावा गर्मियों की वजह से कारों में एयर कंडीशनर का इस्तेमाल बढ़ा था.

अभी खरीदें गोल्ड या 2 महीने बाद, जानिए क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली , 2 अक्टूबर (एजेंसिया) सोने की कीमतें इन दिनों काफी नीचे ट्रेड कर रही हैं। इस समय सोना दो महीने के निचले स्तर पर ट्रेड कर रहा है। वैश्विक बाजार में पर्याप्त जोखिम के बावजूद सोना निवेशकों के लिए 'हैवन' बनने में फेल रहा है। बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों ही गिरावट के साथ बंद हुए थे। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोने का वायदा भाव 271 रुपये की गिरावट के साथ 57,575 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी का वायदा भाव 730 रुपये की गिरावट के साथ 69,870 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। वैश्विक स्तर की बात करें, तो सोने का हाजिर भाव अपने महत्वपूर्ण सपोर्ट लेवल 1880 डॉलर प्रति औंस से नीचे गिरकर 1848 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

डॉलर में मजबूती से सोने पर दबाव

कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, यूएस डॉलर की कीमत में मजबूती से सोने पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि सोने की वैश्विक कीमत में अब $1,810 से $1,800 प्रति औंस के स्तर पर प्रमुख सपोर्ट है। जबकि एमसीएक्स पर सोने के लिए तत्काल सपोर्ट 57,000 है, जबकि प्रमुख सपोर्ट अब 56,100 प्रति 10 ग्राम हो गया है।

क्यों गिर रहे सोने के भाव?

एक्मे इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स की कार्यकारी निदेशक और मुख्य रणनीतिकार सुगंधा सचदेवा ने कहा, 'अमेरिका में लगातार उच्च ब्याज दरों के बढ़ती चिंताओं के चलते डॉलर इंडेक्स 10 महीने के उच्च स्तर की ओर बढ़ रहा है। इससे सोने की कीमतों पर दबाव पड़ा है। कीमतें यहां तक कि 1,880 डॉलर प्रति औंस के महत्वपूर्ण सपोर्ट लेवल को भी तोड़ गईं और नीचे की ओर चली गईं। आश्चर्य है कि वित्तीय बाजारों में जोखिम के बावजूद सोना सेफ हैवन डिमांड को आकर्षित करने में विफल रहा।

यहां से कहां जाएंगे भाव

एक्सपर्ट्स के अनुसार सोने की कीमतों में अभी रिकवरी से पहले और गिरावट देखने को मिल सकती है। गोल्ड की कीमतें अपना अगला सपोर्ट 1810 से 1800 डॉलर बना सकती हैं। केवल $1,880 प्रति औंस से ऊपर की क्लोजिंग ही इसे ऊपर की गति के रास्ते पर लेकर जाएगी। वहीं, घरेलू बाजार की बात करें, तो 57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम का लेवल अभी भी प्रमुख सपोर्ट लेवल बना हुआ है। लेकिन इससे नीचे की क्लोजिंग कीमतों को 56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम तक लेकर जा सकती हैं।

क्यों महंगा हो रहा है प्याज, आम आदमी से लेकर सरकार तक चाहती समाधान, नासिक से जुड़ा है कनेक्शन

नई दिल्ली , 2 अक्टूबर (एजेंसिया) महाराष्ट्र के नासिक जिले की सभी 15 थोक मंडियों के प्याज व्यापारी और कमीशन एजेंट्स 21 सितंबर से ही हड़ताल पर है। शनिवार को उन्होंने अपनी हड़ताल को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने की घोषणा कर दी। नासिक में ही देश की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव है। नासिक की मंडियों में प्याज व्यापारियों की हड़ताल से केंद्र और राज्य सरकार की धड़कन तो बढ़ी हुई है ही, आम आदमी की चिंता भी बढ़ा दी है। हड़ताल की वजह से कीमतें बढ़नी शुरू हो गई हैं। नई दिल्ली में फुटकर में प्याज 40 रुपये प्रति किलो तक हो गया है।प्याज व्यापारियों का कहना है कि उन्हें कई वजहों से हड़ताल करने पर मजबूर होना पड़ा है। प्याज के व्यापार में सरकार की दखलअंदाजी बढ़ी है। इसका असर उनके व्यापार और आमदनी पर हो रहा है। सरकार ने हाल ही में प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी एक्सपोर्ट ड्यूटी लगा दी। सरकारी एजेंसियां- नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नाफेड) और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) थोक में खरीदे गए प्याज को अब रिटेल में कई मंडियों में बेच रही है। इसके अलावा सरकार ने भारी मार्केट सेस भी प्याज की खरीद-फरोख्त पर लगाया है।

क्या है व्यापारियों की मांग?

व्यापारियों की मांग है कि सरकार प्याज के निर्यात पर लगाए गए एक्सपोर्ट ड्यूटी को हटाए। केंद्रीय एजेंसियां नाफेड और एनसीसीएफ मंडियों में रिटेल में प्याज न बेचे और सरकार मार्केट सेस को कम करे। प्याज व्यापारियों की हड़ताल समाप्त कराने को महाराष्ट्र सरकार और केंद्र सरकार पूरा जोर लगा रही है।

देश में गेहूं पैदावार का मिला नया लक्ष्य

अब 114 मिलियन टन की ओर बढ़े कदम

करनाल , 2 अक्टूबर (एजेंसिया) देश के वैज्ञानिक एक बार फिर नए लक्ष्य के साथ गेहूं की पैदावार बढ़ाने में जुट गए हैं। पिछले साल का लक्ष्य 112 मिलियन टन हासिल करने के बाद अब केंद्र सरकार ने वर्ष 2024 के लिए देश की गेहूं पैदावार का नया लक्ष्य (114 मिलियन टन) निर्धारित किया है। इसका खुलासा करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक एवं सचिव डेयर डॉ. हिमांशु पाठक ने कहा कि हमें नई तकनीक, नई किस्मों के बीज, किसानों तक पहुंचाकर और उन्हें जागरूक कर नए लक्ष्य को पाना है।भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान (आईआईडब्ल्यूबीआर) में करनाल स्थित सभी अनुसंधान संस्थानों के निदेशकों, वैज्ञानिकों और देश के कृषि अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने बीते रोज मंथन किया। इसमें आईआईडब्ल्यूबीआर के निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत के किसानों, वैज्ञानिकों ने गेहूं की पैदावार में बड़ा काम किया है। इस साल भी 16 नई किस्में रिलीज की गई हैं, जो जलवायु सहनशील हैं, लेकिन अभी नई किस्मों पर अनुसंधान लगातार चल रहा है। आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने 112 मिलियन टन गेहूं के लक्ष्य को पाने पर आईआईडब्ल्यूबीआर के निदेशक सहित सभी वैज्ञानिकों और देश के किसानों की सराहना करते हुए कहा कि अब भारत सरकार ने 114 मिलियन टन गेहूं की पैदावार का नया लक्ष्य दिया है। हमें इसे चुनौती के रूप में लेना है और इसे हासिल करने के लिए गंभीरता से काम करना है। इसके लिए अधिक पैदावार वाली नई किस्मों, उच्च गुणवत्तापूर्ण बीज, नई तकनीक को समाहित करते हुए किसानों के खेतों तक पहुंचाना है, किसानों को जागरूक करना है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या में	सिंह...	05-05 बजे
चंद्र-	वृष में	कन्या..	07-12 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	09-20 बजे
बुध-	कन्या में	वृश्चिक.	11-34 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-21 बजे
शुक्र-	सिंह में	मकर..	15-21 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	17-09 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-41 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-30 बजे
		वृष--	21-49 बजे
		मिथुन..	00-43 बजे
		कर्क...	02-55 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 (सूर्योदय- 06-10, सूर्य अस्त- 18-00)
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तरे - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - 06 -12 तक उपरान्त पंचमी
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष , मंगलवार 03 October
नक्षत्र - कृत्तिका - 18-03 -तक उपरान्त रोहिणी
योग - वज्र - 08 - 17 - तक उप सिद्धि
करण- बालव - 06 -12 - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पंचमी का श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 15:04 से 16:33 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:10 - 07:37	अशुभ	काल	18:00 - 19:33	अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:06	अशुभ	लाभ.	.19:33 - 21:04	शुभ
चंचल	09:06 - 10:36	शुभ	उत्पात	21:04 - 22:35	अशुभ
लाभ	10:36 - 12:05	शुभ	शुभ	22:35 - 00:05	शुभ
अमृत	12:05 - 13:34	शुभ	अमृत	00:05 - 01:36	शुभ
काल	13:34 - 15:04	अशुभ	चंचल	01:36 - 03:07	शुभ
शुभ	15:04 - 16:33	शुभ	रोग	03:07 - 04:37	अशुभ
रोग	16:33 - 18:00	अशुभ	काल	04:37 - 06:10	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं। अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा । आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं । अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें । इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं ।अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें । पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें । आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी । इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपका मन अटकलों और अनावश्यक चीज़ो की और भागेगा , परन्तु फिर भी आपकी केंद्रित रहने की क्षमता काफी मजबूत रहेगी । आप कम से कम समय में अधिक से अधिक काम खत्म करने के क्रम में घर पर या अपने कार्यालय डेस्क पर रहे , हालांकि घर पर काम करने में अधिक समय, ऊर्जा और पैसे का हास होगा । आप कुछ सामान या खाद्य सामग्री मंगवा सकते है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले । अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है । शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का –फुल्का काम करें । कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी। किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है । आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ,प्रियजनों के साथ खुश रहें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी। लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा ।आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा। आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है ।आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा । आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

24 साल से राजघाट साफ कर रहे, अंदर एंट्री नहीं

10 घंटे काम, गुजारे लायक सैलरी, किस हाल में गांधीजी के 'आखिरी लोग'

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'राजघाट पर हर रोज मंत्री आते हैं। जब भी कोई वीआईपी मूवमेंट होता है, तो हमें हटा देते हैं। काम या तो उससे पहले कराते हैं या बाद में करने देते हैं। 2 अक्टूबर क्या, कोई भी बड़ा कार्यक्रम हो, हम सफाई करने वालों को शामिल नहीं किया जाता।'

ये ओमवीर हैं। ओमवीर कौन हैं, ये जानने से पहले मेहबा का अनुभव भी पढ़ लीजिए।

'मैंने कभी गांधीजी की समाधि नहीं देखी। मुझे तो ये भी नहीं पता था कि अंदर महात्मा गांधी की समाधि है। एक बार मैं खाना खाने अंदर जाने लगी, तो गार्ड ने रोक दिया। बोला- तुम अंदर नहीं जा सकतीं। मैं पढ़ी-लिखी नहीं हूं। इसलिए गांधी जी के बारे में ज्यादा नहीं जानती।'

आज गांधी जयंती है। गांधीजी कहते थे कि कोई फैसला करते वक्त सोचें कि उससे कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति को किस तरह मदद मिलेगी। ओमवीर और मेहबा कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति ही हैं। दोनों दिल्ली में गांधी जी की समाधि राजघाट पर सफाई का काम करते हैं।

गांधी जयंती पर तीन रिपोर्टर दिल्ली के राजघाट, वर्धा के सेवाग्राम और अहमदाबाद के साबरमती आश्रम गए। ये तीनों जगहें गांधीजी की जिंदगी से जुड़ी हैं और गांधीवाद का प्रतीक बन गई हैं।

हमने उन लोगों से बात की, जो कई साल से सफाई के काम में जुटे हैं। जाना कि गांधी के प्रतीकों के सबसे करीब जिंदगी गुजार रहे इन लोगों की जिंदगी में कितना बदलाव आ पाया है।

शुरुआत राजघाट से राजघाट के पहले किरदार ओमवीर

पहले झाड़ू लगाने में शर्म आती थी, अब आदत हो गई है

राजघाट कैंपस से कुछ कदम दूर एक पार्क है। यहां महात्मा गांधी की बड़ी-बड़ी मूर्तियां लगी हैं। 45 साल के ओमवीर सिंह 1999 से राजघाट पर काम कर रहे हैं। उनके पिता रेलवे में सफाईकर्मी थे। नौकरी से रिटायर हो गए, लेकिन कभी परमानेंट नहीं हो पाए। उनके 4 बेटे थे। गरीबी की वजह से चारों स्कूल से आगे नहीं पढ़ पाए।

ओमवीर का परिवार उत्तर प्रदेश से है। पिता जवानी के दिनों में ही दिल्ली आ गए थे। ओमवीर और उनके भाइयों का जन्म और परवरिश दिल्ली में हुई। ओमवीर कभी अपने गांव वापस नहीं गए।

वे बताते हैं, 'पिता बहुत गरीब थे। हम लोग मुश्किल से दो वक्त का खाना खा पाते थे। घर में मां, मेरा भाई और एक बहन थी। मैंने 10 वीं के बाद स्कूल छोड़ दिया। मैं पढ़ना चाहता था, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि पढ़ा सकें।'

'पिताजी मुझे अपने साथ काम पर ले जाने लगे। वे कहते थे, घर बैठने से अच्छा है कि मैं काम करूं। मेरी उम्र 17 साल थी, जब वे मुझे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन ले गए थे। मुझे झाड़ू लगाने में शर्म आती थी। मैं ये काम नहीं करना चाहता था, पर धीरे-धीरे आदत हो गई। मेरी नौकरी एमसीडी में लग गई। तब मुझे 2 हजार रुपए मिलते थे।'

ओमवीर की पत्नी भी एमसीडी में काम करती हैं। दोनों सुबह 7 बजे आईटीओ से बस से राजघाट जाते हैं। उनके दो बच्चे हैं। छोटी बेटी 12वीं में है और बड़ा बेटा बीए कर रहा है।

ओमवीर आगे बताते हैं, 'मैं परिवार के साथ वाल्मीकि कॉलोनी में रहता हूं। एक कमरे का मकान है। उसी में किचन और टॉयलेट है। छोटे से कमरे में बिस्तर, तख्त, टेबल और पूरी गृहस्थी है। बेटी के कहने पर 5 साल पहले एक टीवी खरीदा था। फ्रेम की कुछ तस्वीरों के अलावा घर में कुछ नहीं है।'

ओमवीर बताते हैं, 'मेरी शादी 23 साल पहले हुई थी। तब सैलरी 2 हजार रुपए थी। 2018 में पापा रिटायर हो गए थे। पहले तो वे भी पैसा दे देते थे। फिर घर पर कमाने वाला मैं अकेला रह गया। भाई छोटे थे। एक फैक्ट्री में काम करता था, पर उसकी नौकरी चली गई। इससे घर चलाना बहुत मुश्किल हो गया।'

'इसी बीच शादी भी हो गई। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। तब पत्नी ने बहुत साथ दिया। वो दूसरों के घर सफाई करने जाने लगी। कुछ साल बाद पत्नी की भी एमसीडी में नौकरी लग गई। इससे घर की जरूरतें पूरी हो जाती हैं।'

'नौकरी करते हुए 24 साल हो गए, लेकिन कोई सेविंग नहीं है। परिवार और दोस्तों से कर्ज लिया है, उसका भी ब्याज जाता है। अभी मेरे ऊपर करीब 70 हजार रुपए का कर्ज है। अगर पैसे वापस नहीं करेंगे, तो दोबारा कोई मदद नहीं करेगा।'

'अभी मेरी सैलरी 15 हजार रुपए है। महीने के आखिर में हाथ खाली हो जाता है। कई बार कर्ज लेकर घर चलाना पड़ता है। 5 हजार रुपए राशन में चले जाते हैं। बेटी सरकारी स्कूल में है, इसलिए फीस नहीं देनी पड़ती, पर किताबों का खर्च तो होता ही है। वो कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी कर रही है। इस महीने उसके बोर्ड एग्जाम की फीस दी है। इसमें 2300 रुपए लग गए। बेटे के कॉलेज की सेमेस्टर फीस 13 हजार रुपए है।'

'मैं नहीं चाहता कि मेरे बच्चे वैसे ही रहें, जैसी जिंदगी हमने गुजारी है। इसलिए मैं उन्हें पढ़ाना चाहता हूं। मैंने साथ काम करने वालों से पैसे लेकर बेटे की फीस भरी है। एमसीडी में अपने साथियों से कर्ज लेकर पिछले महीने फीस भरी है। अब लोग कर्ज भी नहीं देते। कहते हैं पहले पुराना कर्ज वापस करो।'

कभी राजघाट को अंदर से देखा है? ओमवीर कहते हैं, 'नहीं, काम करते हुए 24 साल हो गए, कभी अंदर जाकर नहीं देख पाए। हम जानते हैं महात्मा गांधी कौन हैं, लेकिन कभी उनके बारे में पढ़ा नहीं। उनकी मूर्तियां देखी हैं।'

राजघाट की दूसरी किरदार: मेहबा देवी

बच्चों को झांसी छोड़ आई, ताकि वो मुझे देखकर झाड़ू न उठा लें

झांसी की रहने वाली 32 साल की मेहबा देवी के दो बच्चे हैं। एक 10 साल का, दूसरा 4 साल का। मेहबा देवी पति और छोटे बेटे के साथ दिल्ली के आईपी एस्टेट पुलिस स्टेशन के पास रहती हैं। बड़ा बेटा दादी के पास गांव में है।

मेहबा देवी कैमरे पर बात नहीं करना चाहतीं, इसलिए कैमरा बंद करवा देती हैं। फिर कहती हैं, '10 साल पहले पति के साथ दिल्ली आई थी। छोटा बेटा यहीं पैदा हुआ। एक ठेकेदार ने काम दिलवाया था। पति के साथ राजघाट के बाहर झाड़ू लगाती हूं। हर महीने 8 हजार रुपए मिलते हैं।' मेहबा पहले आईटीओ पर झाड़ू लगाती थीं। इसी साल फरवरी में राजघाट पर काम शुरू किया है। सुबह 8 बजे से ड्यूटी शुरू होती है। हर कर्मचारी को एक बीट दी जाती है। बीट में एक से डेढ़ किलोमीटर का एरिया रहता है।

मेहबा बताती हैं, '2 अक्टूबर की वजह से काम ज्यादा है। सुबह 8 बजे से 10 बजे तक झाड़ू लगाते हैं। फिर खाना खाने के लिए एक घंटे का ब्रेक लेते हैं। 11 से 2 बजे तक झाड़ू लगाते हैं। शाम को 5 बजे तक घर चले जाते हैं।' हमने मेहबा से पूछा- क्या आपने कभी राजघाट देखा है? मेहबा कहती है, 'नहीं देखा। एक बार जाने की कोशिश की थी, लेकिन गार्ड ने रोक दिया। कहा कि अंदर नहीं जा सकते।'

मेहबा एक कमरे के मकान में रहती हैं। इसका किराया उनका ठेकेदार देता है। मेहबा अपने बच्चों को राजघाट लेकर नहीं आतीं। इसकी वजह बताते हुए मेहबा कहती हैं, 'बड़े बेटे को गांव छोड़ आई। मैं नहीं चाहती कि वो मुझे देखे और झाड़ू लगाने लगे। छोटा बेटा अभी 4 साल का है। वो अभी स्कूल नहीं जाता। उसे घर पर अकेले नहीं छोड़ सकती, इसलिए साथ ले आती हूं।'राजघाट का एरिया विधानसभा से रिंग रोड तक फैला है। यहां सफाई के लिए 60 कर्मचारी हैं। इनमें 51 अस्थायी हैं। 9 कर्मचारी दो साल पहले परमानेंट हुए हैं। धर्मदास की उम्र 55 साल हो गई है। इनमें से 27 साल राजघाट की सफाई करते हुए निकले हैं।

धर्मदास कहते हैं, '27 साल पहले जब काम शुरू किया था, मेरी सैलरी 1800 रुपए थी। मैंने डिप्लोमा किया है। तब घर के हालात अच्छे नहीं थे। 12वीं में था, तब पिताजी गुजर गए। घर में इकलौता लड़का था, इसलिए सारी जिम्मेदारी मुझ पर आ गई। एक पड़ोसी ने मेरी नौकरी एमसीडी में लगवा दी।'

'27 साल बाद भी परमानेंट नहीं हो पाया। हमारी मांग रही है कि एमसीडी सफाई कर्मचारियों को परमानेंट करे। सीएम अरविंद केजरीवाल से कई बार कहा, लेकिन कोई नहीं सुनता। अब तो मेरी नौकरी पूरी होने वाली है, इसलिए परमानेंट होने की उम्मीद नहीं है।' एमसीडी के परमानेंट सफाई कर्मचारियों की सैलरी 40 हजार रुपए से शुरू होती है। ये वक्त के साथ बढ़ती जाती है। अस्थायी कर्मचारी को हर महीने करीब 15 हजार रुपए ही मिलते हैं। ग्रेच्युटी, बोनस, छुट्टी और मेडिकल जैसी सुविधाएं नहीं मिलतीं। ओमवीर के पिता की तरह कई साल काम करने के बावजूद वे परमानेंट नहीं हो पाते और रिटायर हो जाते हैं।

विक्रम जानी की 10 घंटे की नौकरी, सैलरी 17,500 रुपए

विक्रम जानी ठाकोर 26 साल से साबरमती आश्रम में सफाई कर रहे हैं। पक्की नौकरी है। परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं। बेटे ने अभी ग्रेजुएशन खत्म किया है। विक्रम बताते हैं, 'मैं और मेरी पत्नी दोनों आश्रम में सेवा देते हैं। मेरा जन्म ही गांधी आश्रम के पास गोशाला में हुआ था। मैं पास के सरकारी स्कूल में पढ़ता था। स्कूल से आकर गांधी आश्रम में खेलने जाता था। इसलिए बचपन से इस जगह से लगाव हो गया।'

'परिवार की कंडीशन बहुत अच्छी नहीं थी। इसलिए 10वीं से आगे नहीं पढ़ पाया। फिर मुझे गांधी आश्रम में सफाई करने की नौकरी मिल गई। 8 घंटे की नौकरी के 300 रुपए मिलते थे। मेरा काम अच्छा था, इसलिए 5 साल बाद उस घर की सफाई और देखरेख का काम मिल गया, जिसमें गांधी जी रहते थे। 20 साल से यहीं काम कर रहा हूं।'

विक्रम कहते हैं, 'मेरे पिताजी गौशाला ट्रस्ट में खेती करते थे। ट्रस्ट ने वहीं हमें एक घर बनाकर दिया था। कई साल तक वहीं रहे। अब गांधी आश्रम का रीडेवलपमेंट होने वाला है। इसलिए हमें पुराना मकान देना पड़ा। हमें तीन ऑप्शन मिले थे। मकान के बदले मकान, फ्लैट या पैसा। हमने पैसे ले लिए। हमें 90 लाख रुपए मिले थे। इससे मैंने और मेरे भाई ने साबरमती में घर बनवा लिया।' 'मेरा परिवार इतने साल से सफाई का काम करता आया है, हमें इस काम में कभी छोटापन महसूस नहीं हुआ। गांधी जी इतने महान थे, वे भी सफाई को महत्व देते थे, तो हमें तो ये करना ही चाहिए। मुझे इस जगह काम करने का मौका मिला, ये मेरा सौभाग्य है।'

विक्रम बताते हैं, 'अभी मुझे 17,500 रुपए सैलरी मिलती है। इतने में गुजारा तो नहीं हो पाता, लेकिन जिंदगी चल रही है। सेविंग के नाम पर कुछ नहीं बच रहा। अगर कोई बड़ा खर्च आ जाए, तो कर्ज लेना पड़ता है।' विक्रम जानी ठाकोर बताते हैं, 'साबरमती आश्रम में 15 सफाई कर्मचारी हैं, इनमें 5 ही परमानेंट हैं। 10 कर्मचारी अस्थायी हैं, जिनका कॉन्ट्रैक्ट 11 महीने से लेकर 3 साल तक रिन्यू होता है। इनकी सैलरी 14 से 15 हजार रुपए है।'

'परमानेंट कर्मचारियों को 17,500 रुपए सैलरी मिलती है। पहले मेडिकल के लिए 400 से 1200 रुपए अलग से मिलते थे, अब इसे सैलरी में जोड़ दिया है। आश्रम में स्टाफ को खादी के कपड़े पहनना जरूरी है। इसके लिए हर साल 2500 रुपए अलग से दिए जाते हैं।'56 साल की जयश्री पाटिल वर्धा के गांधी आश्रम में बनी 'बा कुटी' की देखरेख में जुटी हैं।

आश्रम में ही रहती हैं। यवतमाल जिले की रहने वालीं जयश्री की शादी 10 मई, 1988 को सेवाग्राम में काम करने वाले रामदास पाटिल से हुई थी। बौद्ध धर्म को मानने वाली जयश्री बताती हैं, 'शादी के बाद ही मुझे भी वर्धा आश्रम में सफाईकर्मी की नौकरी मिल गई थी।' जयश्री के दो बच्चे हैं। 14 साल पहले पति नहीं रहे। इसके बाद से जयश्री न सिर्फ आश्रम में काम करती हैं, बल्कि घर और खेती भी संभाल रही हैं। जयश्री की बेटी नेहा वकील हैं। बेटा अमोल अभी स्कूल में है। सरकारी स्कूल में है, इसलिए फीस बहुत ज्यादा नहीं लगती।

जयश्री बताती हैं, '2022 से पहले तक सैलरी बहुत कम थी। फिर हर महीने 7500 रुपए मिलने लगे।' इतने कम पैसे में आश्रम में काम करने के सवाल पर जयश्री बताती हैं, 'आश्रम के बाहर भी काम मिल रहा था, पर नहीं किया। सुबह 10 बजे से 2 बजे के बीच लोगों के घरों में साफ-सफाई का काम करती हूं। इससे हर महीने 4-5 हजार रुपए मिल जाते हैं।' जयश्री बताती हैं, 'आश्रम की तरफ से तीन कमरों का घर मिला है। यहां काम करते हुए 35 साल हो गए। जब तक आश्रम का मैनेजमेंट चाहेगा, काम चलता रहेगा।'

भाजपा के 50 से अधिक नामों पर मुहर

लोरमी से अरुण साव, राजनांदगांव से रमन सिंह का नाम लगभग तय, रायपुर पश्चिम में फंसा पेंच

रायपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भाजपा ने प्रत्याशियों की सूची तय कर ली है। इसमें कई तरह के प्रयोग भी किए गए हैं। नए चेहरों को शामिल किया जा रहा है। अभी करीब 50 नामों पर मुहर लग चुकी है। इसमें राजनांदगांव से डा. रमन सिंह, लोरमी से अरुण साव, धरसीवां से अनुज शर्मा और बसना से संपत अग्रवाल का नाम लगभग तय माना जा रहा है।

रविवार को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक नई दिल्ली में हुई। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह शामिल थे। बैठक में छत्तीसगढ़ से अरुण साव डॉक्टर रमन सिंह नारायण चंदेल जैसे नेता शरीक हुए ।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जब नाम तय किए जा रहे थे तो केंद्रीय नेताओं को प्रत्याशियों की तस्वीर दिखाई गई। उनका पूरा बायोडाटा दिखाया गया। उनकी छवि के बारे में जानकारी दी गई। समाज में उनका कितना असर है, इसके इस बारे में भी बताया गया। क्यों वह जीतने वाले कैंडिडेट साबित हो सकते हैं, इसके हर पहलू को

राष्ट्रीय नेताओं को समझाया गया।

छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह मंत्री नाना की राम कंवर को चुनाव लड़ाया जाएगा। बाकायदा उनके नाम को दिल्ली में हुई बैठक में तय कर लिया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस बैठक में मौजूद थे। उन्होंने ननकी राम के स्वास्थ्य के बारे में पूछा। ननकी राम कंवर को रामपुर की सीट से चुनावी मैदान में उतारा जाएगा। भाजपा के नेताओं की इस बड़ी बैठक के बावजूद यह तय नहीं हो पाया कि छत्तीसगढ़ के दिग्गज कांग्रेसी नेता के खिलाफ किसे उतारा जाए। उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के खिलाफ भाजपा से अनुराग चुनाव लड़ चुके हैं, मगर इस बार की बैठक में यहां प्रत्याशी बदलने की चर्चा रही।

अंबिकापुर सीट से भाजपा किसे टिकट देगी यह तय नहीं हो पाया। हालांकि पार्टी सूत्रों का कहना है कि जल्द ही नाम तय कर लिया जाएगा। भाजपा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ पाटन के चुनावी मैदान में दुर्ग से सांसद विजय बघेल को टिकट दे चुकी है। रायपुर उत्तर की विधानसभा सीट भाजपा के लिए सवाल बनकर खड़ी है। यहां से रायपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सिंधी समाज से सदानी दरबार से ताल्लुक रखने वाले उदय शदानी, पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी , उत्कल समाज से ताल्लुक रखने वाले पुरंदर मिश्रा, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता और नया युवा चेहरा उमेश घरमोडे जैसे नाम सामने आए हैं। पिछली बार भाजपा ने श्रीचंद सुंदरानी को टिकट दिया था, लेकिन उन्हें कांग्रेस से उम्मीदवार से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में पार्टी अनुभवी को मौका देगी या नए चेहरे पर दांव लगाएगी इसे लेकर चर्चा जारी है। जल्द ही उत्तर की सीट पर उठे सवाल का जवाब भाजपा देगी।

2018 तक 15 सालों तक सत्ता में रही भारतीय जनता पार्टी 15 सीटों पर सिमट गई। इसे लेकर एक बड़ी रणनीति भाजपा ने तैयार की है ताकि दोबारा सत्ता हासिल हो सके। पिछली गलतियों से सबक लेकर भारतीय जनता पार्टी ने नई लिस्ट तैयार की है मंशा यही है कि छत्तीसगढ़ में कमल खिल सके।

'भरोसे की यात्रा' में कांग्रेसियों में दिखी गुटबाजी

कुर्सी को लेकर दो नेताओं के बीच जमकर विवाद

मुंगेली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंगेली में 'भरोसे की यात्रा' में कुर्सी की लड़ाई को लेकर दो कांग्रेसी नेताओं के बीच जमकर तू-तू मैं-मैं देखने को मिली। प्रेसवार्ता के दौरान दो जनप्रतिनिधि आपस में भिड़ गये। दरअसल नगर पालिका अध्यक्ष हेमेन्द्र गोस्वामी एवं मंडी अध्यक्ष आत्मा सिंह क्षत्रिय के बीच जिला संगठन प्रभारी के बगल में बैठने को लेकर विवाद हो गया।

'भरोसे की यात्रा' में प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेसियों में खुलकर मतभेद देखने को मिला है। वहीं जिला संगठन प्रभारी आलोक सिंह ठाकुर ने कहा कि चुनाव के दौरान गुटबाजी नहीं होगी।

मानसून की विदाई में फिर भीगेगा छत्तीसगढ़

मौसम विभाग ने 3 जिलों में ऑरेंज और 6 के लिए जारी किया यलो अलर्ट

रायपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मानसून की विदाई से पहले एक बार फिर बारिश होने वाली है। प्रदेश के 50 फीसदी इलाकों में पानी बरसने की संभावना है। मौसम विभाग ने सोमवार 2 अक्टूबर को बिलासपुर संभाग के रायगढ़, कोरबा और जांजगीर जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा 6 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी है। यहां मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। जिसमें सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, पेण्ड्रा, बिलासपुर और बलौदाबाजार जिले शामिल है। रविवार को बिलासपुर, जांजगीर, महासमुंद, कोरिया, रायगढ़, कोरिया, कोरबा, सरगुजा, बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, धमतरी और गरियाबंद जिले में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई है।

रायपुर में रविवार को धूप-छांव का मौसम बना रहा। शाम को कुछ जगहों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। बाकी जगहों में उमस भरी गर्मी परेशान करती रही। राजनांदगांव में तापमान सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। यहां 32.5 डिग्री टेम्परेचर रहा।

ऑरेंज अलर्ट

जब भारी से अतिभारी या फिर सीमांत भारी बारिश की संभावना होती है तब ऑरेंज अलर्ट जारी किया जाता है। मौसम से जुड़ी किसी भी तरह की आपदा से सतर्क रहने के लिए मौसम विभाग ये अलर्ट जारी करता है।

यलो अलर्ट

यलो अलर्ट जारी करने का मतलब सतर्क रहने से है। हांलाकि ये खतरे को नहीं बताता लेकिन कभी भी मौसम खतरनाक हो सकता है। इसके लिए तैयार रहने के लिए मौसम विभाग ये अलर्ट जारी करता है।

मौसम विभाग के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 10 अक्टूबर से मानसून की विदाई शुरू होगी। एचपी चंद्रा ने बताया कि देश में मानसून का प्रवेश केरल से और विदाई राजस्थान से होती है। इसी कड़ी में दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर संभाग से मानसून की एंट्री होती है और उत्तर छत्तीसगढ़ से विदाई होती है।

वज्रपात से एक ही परिवार के चार की मौत

जामताड़ा, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में वज्रपात की वजह से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गयी। घटना जामताड़ा जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के चन्दाडीह-लखनपुर गांव की है। पश्चिम बंगाल के पुरूलिया जिले के कुर्सीला गांव का रहने वाला एक बंजारा परिवार कुछ दिनों से चंदाडीह-लखनपुर गांव में तंबू लगाकर रह रहा था। इस परिवार के सात सदस्य एक साथ इसी तरह रहते थे। रविवार को इलाके में तेज बारिश हो रही थी। तंबू में अचानक बिजली गिरी और चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। नेहा चौधरी (33वर्ष), अंकित चौधरी (11वर्ष) गगन चौधरी (05 वर्ष) और इक्षा चौधरी (10 महीना) की मौत हो गयी। बाहर भारी बारिश हो रही थी और तंबू के अंदर सभी मोबाइल पर वीडियो देख रहे थे।

इस परिवार के धुनु चौधरी ने कहा, हमलोग घुमंतू प्रजाति के हैं। भोजन पानी की तलाश में भटकते रहते हैं एक जगह नहीं रहते। जहां जो सामान सस्ता मिलता है खरीदते हैं उसे दूसरे शहर बेचते हैं। कई जगहों पर हम शहद भी जमा करते हैं और बचेते हैं। जिस वक्त बिजली गिरी तंबू में चार लोग थे। हमलोग दूसरी जगह थे बच्चे एक साथ बैठकर मोबाइल में ऑनलाइन वीडियो देख रहे थे।

छत्तीसगढ़ में युवक के पेट से निकला गर्भाशय

धमतरी/कांकेर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एक युवक के पेट में गर्भाशय मिलने के बाद उसे ऑपरेशन करके निकाल दिया गया है। पुरुषों में गर्भाशय का होना रेयरेस्ट ऑफ द रेयर है। दुनियाभर में इस तरह के 300 मामले अब तक सामने आए हैं। 26 सितंबर को धमतरी के निजी उपाध्याय नर्सिंग होम में युवक का दुर्लभ ऑपरेशन हुआ। 1 अक्टूबर को उसे डिस्चार्ज कर दिया गया है। युवक की पहचान को गोपनीय रखा गया है। 1 अक्टूबर को नर्सिंग होम के डॉक्टर रोशन उपाध्याय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दुर्लभ ऑपरेशन की जानकारी दी। कांकेर के 27 वर्षीय युवक के पेट में लगातार दर्द रहता था, साथ ही उसकी

दाहिनी जांघ में सूजन भी थी। 25 सितंबर को परिजन उसे इलाज के लिए धमतरी लेकर आए। उसे यहां नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। डॉक्टर रोशन उपाध्याय ने युवक की कुछ जांच की, तो उसमें हर्निया का फंसा होना पाया गया। साथ ही दोनों तरफ के अंडकोष की गोली भी नहीं थी। डॉक्टर रोशन उपाध्याय ने बताया कि इसके बाद युवक का ऑपरेशन किया गया, जिसमें उसके अंदर गर्भाशय (यूट्रस) के होने का पता चला। युवक के पेट में गर्भाशय और नसबंदी की नली थी, साथ ही अंडकोष की दोनों तरफ की गोली दाईं तरफ पेट में थी। ये एक बहुत ही दुर्लभ मामला था। तत्काल इसकी जानकारी मरीज के परिजनों को दी गई, साथ ही सभी अंग दिखाए गए। परिजनों की अनुमति के बाद युवक के पेट के अंदर स्थित गर्भाशय और फैलोपियन ट्यूब को सर्जरी कर निकाला गया। डॉ रोशन उपाध्याय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इस बीमारी को परसिस्टेंट म्यूलेरियन डक्ट सिन्ड्रोम (पीएमडीएस) कहते हैं। यह जीन में म्यूटेशन परिवर्तन की वजह से होता है। इसमें पुरुष का जननांग बाह्य रूप से सामान्य होता है, लेकिन पेट के अंदर स्त्री के गर्भाशय, नली, अंडाणु पाए जाते हैं।

अब तक विश्व में इस तरह के 300 केस की पुष्टि की जा चुकी है। ये छत्तीसगढ़ का पहला मामला बताया जा रहा है। ऑपरेशन में डॉ रोशन उपाध्याय, डॉ रश्मि उपाध्याय, एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ प्रदीप देवांगन, डॉ मॉर्टिन मौजूद रहे।

ऐसे होती है पहचान

1. बच्चों के जन्म के बाद उसके अंडकोष में गोली (टेस्टेस) का नहीं पाया जाना।
2. जांघ के हिस्से में सूजन।
3. वयस्क होने के बाद बांझपन।

इस बीमारी को पर्सिस्टेंट म्यूलेरियन डक्ट सिंड्रोम कहते हैं। यह एक रेयर बीमारी है।

पाटन में सीएम बघेल ने की 'भरोसे की यात्रा' की शुरुआत

बुलेट चलाकर बाइक रैली में हुए शामिल

दुर्ग, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की सरकार ने पहले भेंट मुलाकात,युवाओं से भेंट मुलाकात, और फिर महिला सम्मेलन के माध्यम से प्रदेश की जनता तक पहुंचने की कोशिश की है। और अब 2023 के विधानसभा चुनाव सामने हैं। ऐसे में आचार संहिता लागू हो उससे पूर्व भरोसे की यात्रा आज शुरू कर पूरे 90 विधानसभाओं में निकाली गई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने विधानसभा क्षेत्र पाटन से इसका शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री स्वयं बुलेट चलकर बाईक रैली की अगुवाई की। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता तक बताने के लिए चुनाव से ठीक पूर्व कांग्रेस पार्टी के द्वारा भरोसे की यात्रा निकाला गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने विधानसभा सीट पाटन से इसका शुभारंभ किया। ये यात्रा सभी 90 विधानसभाओं में आज निकाली जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सबसे पहले सेलुद गांव से इसकी शुरुआत की। सीएम भूपेश बघेल खुद बुलेट चलाकर कांग्रेस के युवाओं का उत्साहवर्धन किया। 52 किलोमीटर की भरोसा यात्रा गाड़ाडीह, जामगांव आर, रानितराई, असोगा, खर्रा पाटन और झीट गांव से होकर गुजरी।

पीएम की टिप्पणी पर केटीआर का जवाब

बीआरएस की कार केसीआर द्वारा संचालित, जबकि भाजपा अडानी द्वारा संचालित

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि बीआरएस कार (पार्टी का चुनाव चिह्न) का स्टीयरिंग एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के हाथ में है, आईटी मंत्री केटी रामाराव ने सोमवार को कहा कि 'कार' का स्टीयरिंग मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के हाथ में है, जबकि भाजपा की कमान प्रधानी के बजाय अडानी के हाथ में है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना देश में सबसे आगे है। उन्होंने यहां मलकपेट में एक आईटी टावर की आधारशिला रखते हुए कहा, जब भी प्रधानमंत्री या कोई प्रमुख नेता हैदराबाद का दौरा करते हैं, तो वे सकारात्मक विकास के बारे में बात करने में विफल रहते हैं।

मंत्री ने वादा किया कि 700 करोड़ रुपये से विकसित किया जा रहा आईटी टावर 36 महीने में पूरा हो जायेगा। उन्होंने कहा कि वह अधिक आईटी कंपनियों को यहां अपना परिचालन शुरू करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य पूर्व के देशों में ओवैसी के साथ एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। मैं व्यक्तिगत रूप से माइक्रोसॉफ्ट, एडोब और अन्य जैसी प्रमुख कंपनियों से भी बात करूंगा और उन्हें मलकपेट में आईटी टावर में अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए तैयार करूंगा। अतीत में, टीवी टावर मलकपेट में एक मील का पत्थर हुआ करते थे, लेकिन एक बार जब 30 मंजिल का आईटी टावर बन जाएगा, तो लोग इसे यहां नए मील का पत्थर के रूप में पहचानेंगे।

यह कहते हुए कि बीआरएस अगले चुनावों में विजयी होगी, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कानून और व्यवस्था बनाए रखने के अलावा बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कुशल नेतृत्व में कोई गड़बड़ी या अशांति नहीं हुई, जो पहले नियमित रूप से होती है। हैदराबाद देश के बाकी हिस्सों के लिए एक चमकदार उदाहरण बन गया है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में मॉब लिंचिंग और अन्य गड़बड़ी की खबरें हैं, लेकिन तेलंगाना में पिछले नौ वर्षों में ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई।

उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि क्या तेलंगाना में कोई सांप्रदायिक अशांति है? यहां के लोग खुशहाली से रह रहे हैं। जब गणेश प्रतिमा विसर्जन और मिलाद-उन-नबी त्योहार एक ही दिन मनाया जाने वाला था, तो मुस्लिम समुदाय ने अपनी रैलियां स्थगित कर दीं और शांतिपूर्ण गणेश प्रतिमा विसर्जन की सुविधा प्रदान की। यह हैदराबाद की गंगा जमुनी तहजीब है। रामा राव ने कहा कि तेलंगाना द्वारा स्थापित इस उदाहरण को पूरे भारत में प्रचारित किया जाना चाहिए।

केटीआर ने कहा कि आईटी टावर 11 एकड़ में फैले क्षेत्र में बनाया जा रहा है। इसमें 15 लाख वर्ग फुट जगह होगी और इनमें से 5.5 लाख आईटी जगह और बाकी गैर-आईटी सेवाओं के लिए रखी जाएगी। इस आईटी टावर में करीब 20,000 से 25,000 युवाओं को रोजगार मिलेगा। मंत्री ने पास के मेट्रो स्टेशन से आईटी टॉवर तक एक स्काईवॉक बनाने का भी वादा किया, जैसा कि शहर के रायदुर्ग स्टेशन पर किया गया है। यह कहते हुए कि यह सिर्फ एक ट्रेलर है, मंत्री ने कहा कि पुराने शहर में अभी भी बहुत काम किया जाना है। उन्होंने कहा कि अगले कार्यकाल में मुसी नदी का सौंदर्यीकरण, ओआरआर के पश्चिमी हिस्से से ओआरआर के पूर्वी हिस्से तक 55 किलोमीटर तक एक एक्सप्रेसवे और हैदराबाद मेट्रो सेवा नेटवर्क का 415 किलोमीटर तक विस्तार किया जाएगा। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि नई दिल्ली के एक सज्जन रविवार को महबूबनगर

सीएम केसीआर ने महात्मा गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने सोमवार को महात्मा गांधी की 154वीं जयंती के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता और विकास के लिए राष्ट्रपिता की अमूल्य सेवाओं और बलिदानों को याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सत्यमेव जयते' के नारे के साथ गांधी की शिक्षाएं, प्रेरणा, उपलब्धियां और कार्य योजनाएं तेलंगाना राज्य की उपलब्धि और स्व-शासन द्वारा राज्य के तेज गति से विकास में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण तेलंगाना पारंपरिक व्यवसायों को पुनर्जीवित करके सिंचाई, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करके और आसरा पेंशन का विस्तार करके वरिष्ठ नागरिकों के चेहरे पर मुस्कान लाकर गांधी के 'ग्राम स्वराज्य' की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है। चन्द्रशेखर राव ने कहा कि गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि उनके सिद्धांतों और गतिविधियों को जीवन शैली के रूप में अपनाना और आत्म संयम और पालन के साथ आगे बढ़ना है।

रेल यात्रियों को स्वच्छ और आरामदायक ट्रेन सेवा प्रदान करना मुख्य उद्देश्य : जीएम

एससीआर ने विशाखापट्टणम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस में '14 मिनट्स मिरेकल' का प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छ भारत अभियान के हिस्से के रूप में स्वच्छता ही सेवा के लिए प्रधानमंत्री के आह्वान के जवाब में, रेल मंत्रालय ने '14 मिनट चमत्कार' योजना शुरू की जिसमें कुछ ही समय में वंदे भारत ट्रेन रेक की त्वरित और सही सफाई शामिल है।

उसी के हिस्से के रूप में, दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन ने 2 अक्टूबर को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन नंबर 20834 विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस पर '14 मिनट की चमत्कारिक' चुनौती ली। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और स्वच्छ वंदे वीरों के साथ बातचीत की और विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस पर '14 मिनट मिरेकल' चैलेंज की व्यक्तिगत रूप से निगरानी भी की। मैकेनिकल और सफाई कर्मचारियों ने केवल 14 मिनट की अवधि में पूरे वंदे भारत रेक यानी 16 कोचों की सफाई का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। सभा को संबोधित करते हुए, अरुण कुमार जैन ने बताया कि सम्मानित रेल यात्रियों को शीर्ष श्रेणी, स्वच्छ और आरामदायक ट्रेन सेवा प्रदान करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा 14 मिनट की चमत्कारिक योजना शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि यह चुनौती यात्रियों को विश्वस्तरीय सेवा प्रदान करने के साथ-साथ साफ-सफाई और स्वच्छता के राष्ट्रीय आह्वान के अनुरूप होने की हमारी प्रतिबद्धता का एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि 14 मिनट की सफाई चुनौती स्टेशन पर प्रतीक्षा समय को कम करती है और यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने के लिए अधिक समय प्रदान करती है।

महाप्रबंधक ने यह भी बताया कि 14 मिनट की चमत्कारी चुनौती एक बार की प्रक्रिया नहीं है और इसे यहां से सभी वंदे भारत ट्रेनों में नियमित रूप से किया जाएगा। महाप्रबंधक ने एससीआर क्षेत्राधिकार पर सभी वंदे भारत ट्रेनों में 1007 से अधिक अधिभोग दर्ज किए जाने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने रेल उपयोगकर्ताओं से एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का उपयोग बंद करने और स्वच्छता और स्वच्छ एवं हरित भारत के लिए प्रतिबद्ध होकर सामूहिक रूप से भारत को कचरा मुक्त बनाने का प्रयास करने की भी अपील की।

विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस में 16 डिब्बे हैं। प्रत्येक कोच की सावधानीपूर्वक सफाई सुनिश्चित करने के लिए सफाई कर्मचारियों के 16 बैच नियुक्त किए गए थे। प्रत्येक बैच के भीतर, तीन स्टाफ सदस्यों की एक समर्पित टीम यह सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट कार्य करती है कि कोई भी छोटी बात नज़रअंदाज़ न हो। इन कर्मचारियों को स्वच्छ वंदे वीर नाम दिया गया है। 14 मिनट की सीमित समय-सीमा के लिए अविश्वसनीय समन्वय, सटीकता और दक्षता की आवश्यकता होती है।

जैसे ही ट्रेन प्लेटफार्म पर आती है और यात्री उतरते हैं, घड़ी टिक-टिक करने लगती है। सफ़ाई दल हरकत में आ जाता है, एक अच्छी तेल लगी मशीन की तरह मिलकर काम करता है।

सीएम ने पिछले नौ वर्षों में शिक्षा विभाग में बड़े बदलाव लाए : सबिता

शिक्षा मंत्री ने कन्या छात्रावास का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने सोमवार को यहां दोमलगुडा में शारीरिक शिक्षा कॉलेज के परिसर में लड़कियों के छात्रावास परिसर के निर्माण की आधारशिला रखी।

शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय परिसर में 20 करोड़ रुपये की लागत से लड़की छात्रावास भवन के अलावा प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवन का निर्माण कराया जायेगा। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को भवनों के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपये मंजूर करने के लिए धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय आने वाले दिनों में देश में उच्चतम मानकों तक विकसित होगा। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने पिछले नौ वर्षों के दौरान शिक्षा विभाग में बड़े बदलाव लाए हैं और वह पर्याप्त धन आवंटित करके तेलंगाना में शिक्षा के विकास के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर बीआरएस विधायक मुता गोपाल, तेलंगाना राज्य शिक्षा कल्याण और बुनियादी ढांचा विकास निगम के अध्यक्ष रावुला श्रीधर रेड्डी, एमएलसी रघोत्तम रेड्डी, शिक्षा विभाग की निदेशक देविका रानी, कॉलेज के प्रिंसिपल के. राम रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

स्कूल टीचर की पिटाई से यूकेजी बच्चे की मौत

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल के एक स्कूल में एक शिक्षक द्वारा कथित तौर पर बच्चे के सिर पर स्लेट से वार करने के बाद किंडरगार्टन के एक छात्र की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, बच्चा हेमंत (5) रामंतापुर के एक निजी स्कूल में यूकेजी कक्षा में पढ़ता था।

शनिवार को एक टीचर ने बच्चे की किताबें चेक कीं तो पता चला कि उसने अपना होमवर्क पूरा नहीं किया है। कथित तौर पर इससे नाराज शिक्षक ने एक स्लेट उठाई और हेमंत के सिर पर दे मारी। बच्चा कक्षा में गिर गया और उसे अस्पताल ले जाया गया।

सोमवार को इलाज के दौरान बालक की मौत हो गई। परिवार के सदस्यों ने प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर स्कूल और उप्पल पुलिस स्टेशन में विरोध प्रदर्शन किया।

एनटीआर परिवार के सदस्यों ने एनटीआर भवन में किया सत्याग्रह

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी नेताओं ने आज राज्य भर में अपनी पार्टी प्रमुख नारा चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी के विरोध में एक दिवसीय सत्याग्रह किया।

टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश ने नई दिल्ली में अनशन शुरू किया, जबकि हिंदुपुरम विधायक नंदमुरी बालकृष्ण की पत्नी वसुंधरा और एनटीआर के परिवार के सदस्य हैदराबाद के एनटीआर भवन में भूख हड़ताल पर बैठे।

एनटीआर की बेटी गरपति लोकेश्वरी, तारकरत्न की पत्नी आलेख्या रेड्डी, एनटीआर के पोते गरपति श्रीनिवास, चलसानी चामुंडेश्वरी, नंदामुरी जयश्री, नारा रोहित की मां नारा इंद्रिरा और अन्य लोग अनशन पर बैठे। इस अवसर पर तेलंगाना टीडीपी के प्रदेश अध्यक्ष कसानी ज्ञानेश्वर और पार्टी नेता अरविंद कुमार गौड़ और अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, एनटीआर के पोते गरपति श्रीनिवास ने चंद्रबाबू नायडू की अवैध गिरफ्तारी के लिए एपी सरकार पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सवाल किया कि जब वाईएसआरसीपी नेताओं ने एनटीआर और चंद्रबाबू के परिवार के सदस्यों का अपमान किया तो राज्य महिला आयोग कहां चला गया। उन्होंने विधायक कोडाली नानी और वल्लभनेनी वामसी की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा कि एनटीआर का परिवार भुवनेश्वरी, ब्राह्मणी और लोकेश के साथ खड़ा रहेगा। गरपति श्रीनिवास ने विश्वास जताया कि चंद्रबाबू जल्द ही जेल से बाहर आएंगे और दोनों तेलुगु राज्यों के विकास के लिए काम करेंगे।

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण 28 अक्टूबर को

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आकाश देखने वालों और खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए एक दिव्य सौगात है, क्योंकि साल का अंतिम चंद्र ग्रहण 28 अक्टूबर को शहर के आसमान को सुशोभित करने वाला है। चंद्र ग्रहण, जो हैदराबाद में भी दिखाई देने की उम्मीद है, रात 11:31 बजे शुरू होगा। ग्रहण 29 अक्टूबर को सुबह 1:08 बजे अपने चरम पर पहुंचेगा और 3:56 बजे समाप्त होगा। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 28 अक्टूबर की रात हैदराबाद में औसतन 54 फीसदी बादल छाए रहने की उम्मीद है। चंद्र ग्रहण के अलावा, एक और खगोलीय घटना है जिसने ध्यान आकर्षित किया है-14 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण। हालांकि, भारत के निवासी इस घटना को नहीं देख पाएंगे। प्लेनेटरी सोसाइटी ऑफ इंडिया के निदेशक रघुनंदन के मुताबिक, सूर्य ग्रहण भारत में कहीं भी दिखाई नहीं देगा।

सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों के प्रमोशन में कोई बाधा नहीं

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ साल पहले तक, तेलंगाना में एक वरिष्ठ डॉक्टर को सरकारी अस्पताल में प्रोफेसर बनने में कम से कम 20 साल लग जाते थे। हालाँकि, अंतिम वर्ष में, एक एसोसिएट प्रोफेसर केवल छह से सात वर्षों में प्रोफेसर बन सकता है और सरकारी अस्पताल में एक चिकित्सा इकाई का नेतृत्व भी कर सकता है। इन दिनों एक सरकारी डॉक्टर के लिए पेशेवर रूप से विकसित होने में लगने वाला समय दशकों तक सहायक या एसोसिएट प्रोफेसर के एक ही पद तक सीमित रहने के दिनों की तुलना में बहुत कम है। पहले, सरकारी अस्पतालों में योग्य वरिष्ठ डॉक्टर अपनी सेवानिवृत्ति से ठीक पहले प्रोफेसर बन जाते थे, जो अब नहीं है। सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की समय पर पेशेवर वृद्धि काफी हद तक 2016 और 2023 के बीच 21 सरकारी मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और नए शिक्षण अस्पतालों के शुभारंभ के अनुरूप भर्ती के साथ चिकित्सा शिक्षा में तेजी से विकास के कारण संभव हुई है।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों और संलग्न शिक्षण अस्पतालों में 1,479 सहायक प्रोफेसरों की हालिया भर्ती ने यह सुनिश्चित किया है कि सरकारी डॉक्टरों की पदोन्नति और पेशेवर विकास में कोई अत्यधिक देरी न हो। पिछले कुछ महीनों में, कुल 545 एसोसिएट प्रोफेसरों को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया है और तेलंगाना के विभिन्न सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में तैनात किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि अन्य भारतीय राज्यों में ऐसे उदाहरण हैं जहां वरिष्ठ डॉक्टर सहायक और एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में सेवानिवृत्त हुए और दुख की बात है कि कभी प्रोफेसर नहीं बन पाए। पेशेवर विकास को आगे बढ़ाने के लिए, राज्य सरकार ने सरकारी अस्पतालों में मौजूदा वरिष्ठ डॉक्टरों को तेलंगाना में आगामी आठ नए मेडिकल कॉलेजों (2024-25) में प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत और तैनात करके पहली प्राथमिकता देने का भी निर्णय लिया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया, प्रोफेसरों के इन पदों को मौजूदा वरिष्ठ डॉक्टरों से भरने के बाद ही, शेष पदों को एसोसिएट और सहायक प्रोफेसरों से प्रोफेसरों की पदोन्नति के माध्यम से भरा जाएगा।

पीएम आज निज़ामाबाद में करेंगे मनोहराबाद-सिद्दीपेट नई रेल लाइन का लोकार्पण

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 3 अक्टूबर को निज़ामाबाद में आयोजित एक समारोह में मनोहराबाद और सिद्दीपेट के बीच नई रेलवे लाइन के साथ-साथ धर्माबाद और मनोहराबाद, महबूबनगर और कुरनूल के बीच विद्युतीकरण समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री सिद्दीपेट-सिकंदराबाद ट्रेन सेवा (वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) को भी हरी झंडी दिखाएंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री बिजली, रेल और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लगभग 8,000 करोड़ रुपये की कई अन्य विकासात्मक परियोजनाओं को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे और आधारशिला रखेंगे। लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य में रेलवे के बुनियादी ढांचे को आश्चर्यजनक गति से बदला जा रहा है। हाल के दिनों में, कई नए क्षेत्रों को पहली बार रेलवे से जोड़ा जा रहा है। डबल लाइन, तीसरी लाइन कार्यों के माध्यम से मौजूदा लाइनों का विस्तार किया जा रहा है और राज्य में पूरे रेल नेटवर्क का तेजी से विद्युतीकरण किया जा रहा है। परिवर्तनकारी विकास को आगे बढ़ाते हुए, प्रधानमंत्री द्वारा मनोहराबाद और सिद्दीपेट के बीच एक नई लाइन राष्ट्र को समर्पित की जा रही है, जो इस क्षेत्र के लोगों की रेल कनेक्टिविटी की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षा को पूरा करती है। नई लाइन मेडक और सिद्दीपेट जिले के कई नए क्षेत्रों को पहली बार रेल कनेक्टिविटी प्रदान करती है।

मनोहराबाद और कोत्तापल्ली नई रेलवे लाइन के हिस्से के रूप में मनोहराबाद और सिद्दीपेट के बीच 76 किलोमीटर की नई रेल लाइन 1,200 करोड़ रुपये की लागत से पूरी की गई है। इस खंड का चालू होना रेल परियोजना के बड़े हिस्से के पूरा होने का प्रतीक है। यह लागत-साझाकरण परियोजना है जिसमें राज्य सरकार को लागत का 1/3 हिस्सा वहन करना होगा और मुफ्त में भूमि उपलब्ध करानी होगी। मनोहराबाद और सिद्दीपेट के बीच नई लाइन में सात नए स्टेशनों, 13 प्रमुख पुलों और 68 छोटे पुलों का निर्माण शामिल है। यह परियोजना लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास में सहायता करेगी और क्षेत्र में कृषि और कृषि-आधारित उद्योगों को बढ़ावा देगी।

धर्माबाद-मनोहराबाद और महबूबनगर-कुरनूल के बीच 348 ट्रैक किमी के विद्युतीकरण को लगभग 305 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया गया है। मनमाड-मुदखेड-महबूबनगर-धोन विद्युतीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में धर्माबाद-मनोहराबाद और महबूबनगर-कुरनूल खंडों का विद्युतीकरण परियोजना के तेलंगाना हिस्से के पूरे हिस्से के पूरा होने का संकेत देता है। इन खंडों के पूरा होने से आदिलाबाद से हैदराबाद/सिकंदराबाद और आगे तिरूपति, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महत्वपूर्ण शहरों तक निर्बाध और निरंतर विद्युतीकृत रेल कनेक्टिविटी की सुविधा मिलती है। इस खंड के विद्युतीकरण से कर्षण परिवर्तन के लिए ट्रेनों की देरी समाप्त हो जाती है, औसत गति में सुधार होता है, साथ ही परिवहन के पर्यावरण-अनुकूल साधनों को बढ़ावा मिलता है।

सिद्दीपेट-सिकंदराबाद-सिद्दीपेट के बीच दो नई ट्रेन सेवाएं (डेमू) शुरू की जा रही हैं। उद्घाटन ट्रेन सेवा को प्रधानमंत्री (वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) हरी झंडी दिखाएंगे और सिद्दीपेट से सिकंदराबाद तक संचालित किया जाएगा। यह ट्रेन सिद्दीपेट, मेदक, मेडचल मल्काजगिरी और हैदराबाद जिलों को जोड़ेगी।

टीडीपी नेताओं ने दिल्ली में की भूख हड़ताल

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी के खिलाफ टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश और पार्टी समर्थकों ने सोमवार को दिल्ली के लोधी एस्टेट में भूख हड़ताल की। पार्टी कार्यकर्ताओं ने आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू की रिहाई की मांग करते हुए 'मैं सीबीएन के साथ हूं' पोस्टर लिए हुए थे। कैंडल मार्च से लेकर रैलियों तक टीडीपी कार्यकर्ता देशभर में अपना आक्रोश दिखाकर चंद्रबाबू नायडू की रिहाई की मांग कर रहे हैं। इससे पहले, आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के विरोध में एक रैली आयोजित की गई थी।

24 सितंबर को, तेलुगु देशम पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने अपने पार्टी प्रमुख की रिहाई की मांग को लेकर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार के खिलाफ रविवार को विशाखापत्तनम में कैंडललाइट मार्च निकाला।

दिल्ली में भूख हड़ताल मंगलवार को होने वाली सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से एक दिन पहले हो रही है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज करने के आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। आंध्र प्रदेश कौशल विकास घोटाले में जो सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस विधायक ए रामकृष्ण रेड्डी द्वारा दायर शिकायत के आधार पर आंध्र प्रदेश के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा दायर किया गया था।

अपनी याचिका में, नायडू ने तर्क दिया कि आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने उनकी दलील को नजरअंदाज करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी थी कि पीसी अधिनियम की धारा 17ए के तहत, जो 26 जुलाई, 2018 को लागू हुआ, किसी लोक सेवक के खिलाफ कोई भी एफआईआर बिना पूर्व दर्ज नहीं की जा सकती है।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू को करोड़ों रुपये के कौशल विकास घोटाला मामले में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने 9 सितंबर को गिरफ्तार किया था।

अक्टूबर में औसत से अधिक गर्म रहने की संभावना : आईएमडी

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अक्टूबर के आगमन के साथ हैदराबाद में ठंडे मौसम की उम्मीद करने वालों को कुछ और समय तक इंतजार करना पड़ सकता है। यह इंतजार नवंबर तक बढ़ सकता है क्योंकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि इस महीने तापमान सामान्य से अधिक रहेगा।

आईएमडी, लंबी दूरी की भविष्यवाणियों के लिए संभाव्यता मॉडल का उपयोग करते हुए, हैदराबाद सहित राज्य भर में अधिकतम तापमान बढ़ने की उम्मीद करता है। हाल के दिनों में, शहर में अधिकतम तापमान बढ़ रहा है, जिससे असुविधा हो रही है। अक्टूबर के लिए हैदराबाद का औसत अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस है, जबकि औसत न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गांधीजी का जीवन हर किसी के लिए एक उदाहरण : डीसीपी इंदिरा

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर राचकोंडा प्रशासन डीसीपी इंदिरा ने राचाकोंडा पुलिस आयुक्तालय में गांधीजी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए, इंदिरा ने कहा कि गांधी एक महान योद्धा थे जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और देश को आजादी दिलाई और सुझाव दिया कि आज के युवाओं को गांधी के रास्ते पर चलना चाहिए। कार्यक्रम में एडिशनल डीसीपी एडमिन वी. श्रीनिवास रेड्डी, संपदा अधिकारी प्रमोद कुमार और अन्य ने भाग लिया।

महात्मा गांधी द्वारा दिखाया गया मार्ग जीवन के लिए आदर्श : जिलाधीश

कुमरम भीम आसिफाबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा दिखाया गया मार्ग व्यावहारिक है। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में जिला केंद्र के कलेक्ट्रेट भवन सभाकक्ष में आयोजित समारोह में कागजनगर आरडीओ राजेश्वर के साथ अतिरिक्त जिला कलेक्टर दसारी वेणु ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर बोलते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन में वे अहिंसा और सत्य के हथियार से लड़े और देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं पवित्रता का अभ्यास किया और इसे दुनिया भर में फैलाया और गांधीजी ने जिस तरह से आचरण किया, उससे दुनिया के सामने एक उदाहरण स्थापित किया।इस कार्यक्रम में समाहरणालय के प्रशासनिक पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, संबंधित पदाधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

पायलट बोले- तेरा-मेरा से नहीं मेरिट पर मिलेंगे टिकट

गठबंधन से इनकार, कहा- कांग्रेस अकेले सरकार बनाने में सक्षम, कार्यकर्ता सरकार बनाता है

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य सचिन पायलट ने कहा है कि इस बार तेरा मेरा की जगह मेरिट पर टिकट दिए जाएंगे। इस बार टिकट आवंटन शुद्ध रूप से मेरिट पर होगा और मेरिट पर होना ही चाहिए। यह तेरा-मेरा करके जो विवाद पैदा होता है उसको खत्म कर जो धरातल पर मजबूत हैं, जिनकी जीत की संभावना है, उसे आधार बनाकर टिकट बांटे जाएंगे।पार्टी बहुत जल्द अंतिम निर्णय लेगी। टिकटों पर लगातार चर्चा हो रही है। हमारे पर्यवेक्षक लगातार गांव—ढाणियों में जा रहे हैं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का फीडबैक ले रहे हैं। पायलट प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

पायलट ने कहा— हमारी सबसे बड़ी पूंजी हमारे कार्यकर्ता हैं। मैं बार-बार इस बात बोल रहा हूं कि कार्यकर्ता हमारे साथ रहेंगे तो जीतने में कोई दिक्कत नहीं है। टिकट वितरण के मापदंड के सवाल पर कहा कि क्राइटेरिया यह है कि हमें जीतने वाले को टिकट देना है, जो जीतने की क्षमता रखता है,उसको पार्टी सिंबल देगी और जिसको टिकट नहीं मिलेगा वह पार्टी उम्मीदवार को जितवाने में

लगेगा।

पायलट का गठबंधन से इनकार, अकेले चुनाव लड़ने की पैरवी

सचिन पायलट ने राजस्थान में कांग्रेस के गठबंधन की जगह अकेले लड़ने की पैरवी की है। पायलट ने राजस्थान में गठबंधन की जरूरत होने से इनकार कर दिया है। पायलट ने कहा कि इंडिया अलायंस हमारा राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन है। राजस्थान में कांग्रेस और बीजेपी के बीच में चुनाव होता है। बीजेपी की तुलना में राजस्थान में कांग्रेस इतनी मजबूत है कि अपने दम पर पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकती है।

युवाओं को पिछली बार से ज्यादा टिकट

युवाओं को मौका देने के सवाल पर पायलट ने कहा- जब फाइनल लिस्ट आएगी तब आप देखिएगा कि जितने युवाओं को पिछली बार मौका दिया था, उससे ज्यादा युवाओं को मौका इस बार दिया जाएगा। विनेबिलिटी सबसे बड़ा क्राइटेरिया होगा। हमारे नौजवान एससी,एसटी,ओबीसी, दलित सब लोगों को प्राथमिकता देंगे। हम विनेबिलिटी को इग्नोर नहीं कर सकते इसलिए गहन रूप से चर्चा हो रही है, अध्ययन हो रहा है और अलग-अलग फीडबैक ले रहे हैं।

कार्यकर्ताओं के दम पर सरकार बनाएंगे, राजस्थान से होगी एनडीए के पतन की शुरुआत

पायलट ने कहा- कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के दम पर हम सरकार बनाएंगे। वह जानता है कि भविष्य हमारा है। नौजवानों, कार्यकर्ताओं की अभिलाषा है वह तब संभव होगा जब सरकार दोबारा बनाएंगे। यहां चुनाव जीतने के बाद 2024 का लोकसभा चुनाव होगा, वहां पर हम बहुमत लेकर सरकार बनाएंगे। जनता ने वोट सरकार को दिया है और पार्टी ने सरकार बनाई है। पार्टी का जो कार्यकर्ता,नेता है उनके दाम पर हम सरकार निर्माण करेंगे। सरकार संगठन मिलजुलकर काम कर रहे हैं तभी तो जनता विश्वास कर रही है।

भविष्य में भी लोग जानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी के पास कोई विजन नहीं है। सदन के भीतर और अंदर बीजेपी कोई राजस्थान का विजन जनता के सामने नहीं रख पाई है। केवल विवादित मुद्दों को उठाकर और मंदिर— मस्जिद, हिंदू मुसलमान पर चर्चा करके लोगों को ध्यान डायवर्ट कर रहे हैं। देश में लोग क्या चाहते हैं उस पर चुप्पी साधी हुई है।

राहुल गांधी का राजस्थान पर पूरा फोकस

पायलट ने कहा- कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं को साध रही है और कहीं छोटा-मोटा कोर्स करेक्शन करना है तो लगातार कर रहे हैं। राहुल गांधी व्यक्तिगत रूप से राजस्थान पर पूरा ध्यान केंद्रित है और दोबारा सरकार बनेगी, इस तरह पार्टी मजबूत है और जीतने की स्थिति में है।

नेताओं के पार्टी छोड़ने पर कहा- चुनाव का समय है। कुछ लोग पार्टी छोड़ेंगे, कुछ ज्वाइन भी करेंगे, यह व्यक्ति का निर्णय होता है। सही है या गलत निर्णय है, यह जनता तय करेगी। मैं इस पर बोलना नहीं चाहता हूं लेकिन कांग्रेस पार्टी पहले ज्यादा मजबूत है।

प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए ठेके पर कर्मचारी नहीं लेगी सरकार

खुद की कंपनी बनाएगी सरकार, धरियावद पीड़िता को मिलेगी सरकारी नौकरी

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश में अब अब प्लेसमेंट एजेंसियों के जरिए सरकारी विभागों में संविदा पर कर्मचारी लगाने का सिस्टम खत्म हो जाएगा। अब सरकार खुद की एजेंसी बनाएगी। सरकारी कम्पनी के रूप में राजस्थान लॉजिस्टिकल सर्विस डिलिवरी कॉर्पोरेशन बनाने का फैसला किया है। सीएम अशोक गहलोत की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इसका फैसला किया गया है।

सरकारी विभागों और बोर्ड निगमों में अब सरकारी एजेंसी के जरिए ही संविदा कर्मचारी लगाए जाएंगे। संविदा कर्मचारियों को पूरा वेतन दिया जाएगा। अभी प्राइवेट एजेंसियां उनके वेतन में कई तरह की कटौती करती हैं। एक जनवरी 2021 से पहले काम कर रहे ठेके के कर्मचारियों को नई कंपनी से सीधे विभागों में लिया जाएगा, इससे उन्हें बिना किसी कटौती के पूरा पैसा मिलेगा।

सरकारी विभागों में काम कर रहे वर्क चार्ज कर्मचारियों को अब प्रमोशन मिलेगा। अब तक वर्क चार्ज कर्मचारियों जिस पद पर भर्ती होते थे उसी पद से रिटायर हो रहे थे। कैबिनेट ने नियमों में बदलाव को बदलवा की मंजूरी दी है जिसके बाद अब वर्क चार्ज कर्मचारियों को प्रमोशन मिल सकेगा।

80 से ज्यादा संस्थाओं को जमीन आवंटन

कैबिनेट ने 80 से ज्यादा सामाजिक संस्थाओं को सस्ती जमीन आवंटन करने का फैसला किया है। इनमें जयपुर, जोधपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान आवासन मण्डल, नगर विकास न्यास भरतपुर, भीलवाड़ा, बाड़मेर, बीकानेर, कोटा, सवाई माधोपुर, उदयपुर में जमीन अलॉट होगी।

जोधपुर की तहसील बाप के भड़ला में 910.5412 हैक्टेयर जमीन मैसर्स एनटीपीसी रिन्यूबल एनर्जी लिमिटेड को कीमतन आवंटित की जाएगी। यहां पर 500 मेगावाट सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किया जाएगा। साथ ही, बीकानेर में गांव कालासर और जोगनाथ नगर में 370 मेगावाट सोलर प्रोजेक्ट के लिए भी मैसर्स एनटीपीसी रिन्यूबल एनर्जी लिमिटेड को 596.04 हैक्टेयर जमीन दी जाएगी।

कैबिनेट ने केन्द्रीय वक्फ अधिनियम-1995 की धारा 109 के तहत राजस्थान वक्फ नियम-2023 सम्बंधित प्रस्ताव और अधिसूचना के प्रारूप को मंजूरी दी है। इन नियमों के लागू होने से वक्फ कार्य अधिक सुगमता, स्पष्टता एवं पारदर्शिता से संपादित किए जा सकेंगे।

धरियावद की पीड़िता को मिलेगी सरकारी नौकरी

मंत्रिमंडल ने प्रतापगढ़ जिले के धरियावद की पीड़िता को सरकारी नौकरी देने का निर्णय लिया है। पीड़िता को शिक्षा विभाग के स्थानीय राजकीय विद्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर नियुक्ति दी जाएगी। इससे पीड़िता का सामाजिक पुनर्वास हो सकेगा।

मंत्रिमंडल ने राजस्थान चतुर्थ श्रेणी सेवा (भर्ती एवं सेवा की अन्य शर्तें) नियम, 1999 में शिथिलता प्रदान करते हुए नियुक्ति के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जनजाति की महिला के साथ हुई घटना की निंदा भी की है। गौरतलब है कि पीड़िता को उसके पति व अन्य ने निर्वस्त्र करके गांव में घुमाया था।

मंत्रिमंडल ने अक्षय ऊर्जा प्रोत्साहन के लिए राजस्थान अक्षय ऊर्जा नीति-2023 का अनुमोदन किया है। इससे प्रदेश में अक्षय ऊर्जा आधारित परियोजनाओं से वर्ष 2030 तक 90 गीगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित होगी। इनसे सम्बंधित इकाइयों से राज्य में निवेश एवं रोजगार के लिए भी सम्भावनाएं बढ़ेंगी। राजस्थान अक्षय ऊर्जा एवं सौर ऊर्जा क्षमता स्थापना में देश में प्रथम स्थान पर है।

मंत्रिमंडल ने राजस्थान चर्म शिल्प कला विकास बोर्ड का गठन करने का निर्णय लिया है। इससे राज्य में चर्म व्यवसाय से सम्बंधित व्यक्तियों की आय एवं उनके जीवन स्तर में वृद्धि होगी।

पार्टी की निर्णायक भूमिका में वसुंधरा राजे'

देवीसिंह बोले- पूर्व सीएम को केंद्र से पूरी तवज्जो मिली; कांग्रेस 10 सीटों पर सिमटेगी

बाड़मेर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा में शामिल हुए पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी बाड़मेर पहुंचे। भाटी बीजेपी में शामिल होने से पहले वसुंधरा राजे को सीएम चेहरा घोषित करने की पैरवी लगातार कर रहे थे।

उन्होंने कहा है कि चुनावों में किसी भी राज्य में पार्टी सीएम चेहरा घोषित नहीं कर रही है। मुझे ऐसा लगा कि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को केंद्रीय नेतृत्व से पूरी तरह सहयोग मिल रहा है। उन्हें आगे भी हर तरह की निर्णायक भूमिका में रखा जाएगा और उनका सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा- कांग्रेस 10 से ज्यादा सीट नहीं जीत पाएगी।

बता दें कि देवी सिंह भाटी 2 अक्टूबर को बाड़मेर में भामाशाह दिवंगत तनसिंह चौहान के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे।

मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मैंने 5 साल पहले लोकसभा के चुनाव से पहले कुछ मुद्दे उठाए थे। उस समय से हमारा आपस में (मंत्री अर्जुनराम

मेघवाल) मतभेद था। यह टिकट दी गई तो हम पार्टी में नहीं रहेंगे। जब पार्टी ने टिकट तय कर लिया तो फिर मैं पार्टी से अलग हो गया। उसके बाद मैं स्वतंत्र था। अब बीजेपी संगठन से बातचीत हुई।

हमारे सांसद अर्जुनराम मेघवाल से भी हमारी बातचीत करवाई गई है। केंद्रीय नेतृत्व ने भी आश्वस्त किया कि आगे से कोई भी बात होगी तो हम लोग निर्णायक भूमिका अदा करेंगे। केंद्रीय नेतृत्व से निर्देश आए कि कोई भी पार्टी से जुड़ना चाहता है उन सबको जोड़ो। तब शायद उन्होंने मुझे लेकर भी उचित समझा तब उन्होंने कहा और मैंने सदस्यता ले ली।

भाटी ने कहा कि बीजेपी जॉइन करने के बाद जयपुर, बीकानेर, सीकर, ओसियां, बाड़मेर सहित कई इलाकों में गया तो उत्साह नजर आया। इससे मुझे लगता है कि हमारा कार्यकर्ता रिचार्ज हो गया है। सभी कार्यकर्ता खुश हैं। उन्होंने कहा- शादी में रूठे भाइयों को एक जाजम पर बैठाते हैं तो अच्छा वातावरण बनता है।

भाजपा सरकार बनाने के सवाल पर देवी सिंह भाटी ने कहा निश्चित तौर पर भाजपा सरकार बना रही है। अब रेवड़ी बांटने का जमाना ला दिया हमारे केजरीवाल (दिल्ली सीएम) ने। जनता का पैसा लूट करवाई जा रही है। फ्री में बांटो।

राजस्थान में कुर्सी बचाने के चक्कर में न तो विधायकों को कुछ बोल सकते हैं और न ही मंत्रियों को कह सकते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी लूट की पूरी छूट पा ली है। हर जगह और जिले में छोटा-मोटा काम बिना पैसे के नहीं होता है। भारी भ्रष्टाचार और लूट मची हुई है।

पूर्व मंत्री ने दिया थाने के बाहर धरना

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष के यहां हमले के विरोध में दिया धरना, आश्वासन के बाद किया स्थगित

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी भट्टा बस्ती थाने के सामने धरने पर बैठ गए। चतुर्वेदी बनीपार्क मंडल उपाध्यक्ष सोहनलाल चौधरी के यहां हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे थे।

उनका कहना था कि तड़के मंडल उपाध्यक्ष सोहन लाल चौधरी के यहां अचानक समुदाय विशेष के लोगों ने हमला कर दिया। इसमें सोहन लाल के बेटे महेन्द्र चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। इसकी सूचना स्थानीय भट्टा बस्ती थाने में दी गई। पुलिस प्रशासन की ओर से मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। चतुर्वेदी ने कहा- कांग्रेस राज में खुला जंगलराज चल रहा हैं।

पुलिस के आश्वासन के बाद धरना किया स्थगित

पूर्व मंत्री के धरने पर बैठने के बाद पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने अरूण चतुर्वेदी से समझाइश की। पुलिस ने बताया कि 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, 3 आरोपियों की शिनाख्त कर ली गई है।

पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 24 घंटे का समय मांगा। इसके बाद धरने को 24 घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया। अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि 24 घंटे में अगर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वे बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ फिर से धरने पर बैठेंगे।

रंधावा बोले- पीएम मोदी सिखों को बदनाम कर रहे

खालिस्तान के मुद्दे को इंटरनेशल बना दिया हिंदू-सिखों को बांटने की बात करते हैं

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सिखों को बदनाम करने का आरोप लगाया है। रंधावा ने कहा- पीएम नरेन्द्र मोदी ने पहले मुसलमानों को बदनाम किया और अब सिखों को बदनाम कर रहे हैं। ऐसे में माइनॉरिटी कहां जाएगी? भारत सेक्युलर स्टेट है। हमने इस देश को खून दिया है।

रंधावा जयपुर स्थित पीसीसी वॉर रूम में मीडिया से बात कर रहे थे। खालिस्तान के मुद्दे पर रंधावा ने कहा- पंजाब में आतंकवाद के समय जो इंटरनेशनल इश्यू नहीं बना उसे प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल इश्यू बना दिया।

प्रधानमंत्री को देश के लिए बोलना चाहिए

कनाडा के साथ चल रहे भारत

के विवाद को लेकर सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा- अटल बिहारी वाजपेयी भी भाजपा के ही प्रधानमंत्री थे, लेकिन वह भारत की बात करते थे। प्राइम मिनिस्टर पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। हमारे भी हैं। उनको देश के लिए बोलना चाहिए। चुनाव है तो राजस्थान में आकर बोलते हैं। महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है तो क्या मध्य प्रदेश में उनको दिखाई नहीं देता है। जो हमारे सिटीजन नहीं हैं, उनको खालिस्तान-खालिस्तान कहकर पीएम पंजाबियों पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। पंजाब में आतंकवाद के समय जो इंटरनेशनल इश्यू नहीं बना, उसे प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल इश्यू बना दिया।

हिंदू और सिखों को बांटने की बात करते हैं

रंधावा ने कहा- खालिस्तान की मांग सिखों की ही नहीं है। मैंने तो मार्च में कहा था केंद्र सरकार को एसएफजे पर बैन लगाना चाहिए। लेकिन ये अब चुनाव के समय कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को देश को जोड़ने वाली बात करनी चाहिए न कि हिंदू और सिखों को बांटने की बात। प्रधानमंत्री ऐसा बोलकर सिखों की इंटीग्रिटी पर बोल रहे हैं। आज भी जब पाकिस्तान से लड़ते हुए कोई शहीद होता है तो सबसे पहले पंजाबी की लाश आती है। क्या पंजाबी देशभक्त नहीं हैं? इसके बारे में प्रधानमंत्री मोदी क्यों नहीं बोलते हैं? क्या पीएम हमें बदनाम करना चाहते हैं?

भींडर बोले -हरदम स्वाभिमान के लिए लडूंगा

हम तो भाजपा परिवार के ही लेकिन, धक्का देकर बाहर निकाल दिया तो क्या कर सकते

उदयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने सक्रियता बढ़ा दी है। वल्लभनगर विधानसभा में जनता सेना राजस्थान का भटेवर में कालाजी बावजी आमलिया तालाब पर कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। जिसमें जनता सेना के सुप्रीमो व वल्लभनगर के पूर्व विधायक रणधीर सिंह भींडर ने साफ शब्दों में कहा कि कोई जनता सेना को कमजोर आंकने की कोशिश नहीं करें। न बिकूंगा न झुकूंगा। भींडर ने कहा कि हम भी भाजपा परिवार के ही हैं लेकिन धक्का देकर बाहर निकाल दिया तो क्या कर सकते हैं। हम परिवार में जाना चाहते हैं लेकिन धमकियों से नहीं सम्मान से के साथ। भींडर ने कहा कि हमारा एक

लक्ष्य होता है कि जनता की सेवा करना, जनता का काम होने से उनके चेहरे पर आने वाली खुशी ही हमारी कमाई है। हम जनसेवा के लिए काम कर रहे हैं। वे बोले कई लोग केवल पैसों के दम पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। मैं बताना चाहता हूं कि कोई 20 करोड़ रुपए भी खर्च कर दे पर मुझे रावला भी बेचना पड़ा तो बेचूंगा लेकिन लड़ाई आर-पार की लड़ेंगे।

डोटासरा और सरकार का प्रचार देख रहे अरोड़ा में विवाद

प्रदेशाध्यक्ष बोले- वो सोचें कि सरकार उसकी मेहरबानी से टिकी है तो सीएम बन जाते

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार की स्ट्रेटजी, कैम्पेन आदि देख रही एजेंसी डिजाइन बॉक्स्ड के फाउंडर नरेश अरोड़ा और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की मौजूदगी में विवाद हो गया है। दोनों के बीच जमकर बहस हुई। यह घटना 23 सितंबर को राहुल गांधी की सभा से एक दिन पहले हुई थी। दोनों के बीच हुई यह टकराहट चर्चा में है। डोटासरा ने कहा - पार्टी चुनाव में जाएगी तो पता होना चाहिए ना कि क्या कैम्पेन होगा, क्या नारा होगा। यही सवाल पूछा था। कोई न कोई तो सवाल पूछेगा कि नहीं? खरगे जी थोड़ी आएंगे पूछने, हमारी

जिम्मेदारी है। पार्टी ने विश्वास किया है। इन्वेस्ट किया है। कोई दायित्व है कि नहीं? पार्टी और संगठन की बात आएगी तो रखनी पड़ेगी ना मुझे कि क्या करना है क्या नहीं करना है ? हम न इसके हैं, न उसके हैं, पार्टी के हैं। राहुलजी ने पार्टी का अध्यक्ष बनाया है तो ड्यूटी बनती है ना मेरी।

आपने होर्डिंग देखे हैं ना। अशोक जी अच्छा काम कर रहे हैं। इसमें किसी को संदेह नहीं है। हम कॉम्प्लीमेंट करते ही हैं। मैं तो पहला अध्यक्ष हूं जो सरकार के कामों की इतनी बढ़ाई करता है। हर आयोजन में शामिल होता है, लेकिन अब चुनाव का समय आ गया है ना। सरकार के काम बताने हैं लेकिन संगठन कोई दूसरा आदमी थोड़ी देखेगा, हम ही तो देखेंगे। मेरा स्वास्थ्य पूछने आए थे। वर्षों से मुझे एलर्जी की दिक्कत है, ज्यादा जोर से बोलने से गला छिल जाता है।

लक्ष्मणगढ़ में मेरी सभा थी फिर राहुलजी खड़गे जी का कार्यक्रम वहां भाषण दिया था।

अच्छी बात है लेकिन कोई ऐसा व्यक्ति यह सोचे की उसकी मेहरबानी से सरकार और पार्टी खड़ी है तो यह उसकी गलतफहमी है। हम सब जो कुछ हैं वह कार्यकर्ता की मेहनत के कारण हैं। ऐसे किसी स्ट्रेटजिस्ट की मेहनत से सरकारें आती तो ये खुद पार्टी बना कर मुख्यमंत्री न बन जाते। रंधावा की और अरोड़ा की मीटिंग में बहस काफी हल्के स्तर पर उतर आई। रंधावा जी के सामने बात हुई है। रिपोर्ट वगैरह वही जानें। यह मेरी जानकारी में नहीं लेकिन जो इस सोच का आदमी हो जिसे पार्टी पर थोड़ा बहुत भी भरोसा नहीं है, उससे हम सबको चिंतित होना ही चाहिए।

बीजेपी की मांग- पेट्रोल-डीजल पर वैट कम करे राज्य सरकार

देश में सबसे ज्यादा वैट वसूल कर रही सरकार, यह जनता का शोषण

दौसा, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा ने राज्य सरकार से पेट्रोल - डीजल पर वैट कम करने की मांग की है। जिलाध्यक्ष डॉ प्रभुदयाल शर्मा ने बयान जारी कर कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार सीमावर्ती पंजाब, हरियाणा, गुजरात और उत्तर प्रदेश इन सभी राज्यों से पेट्रोल-डीजल पर सबसे अधिक वैट राजस्थान सरकार वसूल रही है और राजस्थान तो देश के सबसे महंगे पेट्रोल - डीजल का दंश झेल रहा है। उन्होंने कहा सितंबर माह में पेट्रोल पंप संचालकों ने हड़ताल कर कांग्रेस सरकार को चेतावनी दी थी लेकिन लगता है राज्य सरकार ने जनता से जुड़े मुद्दों पर बात करना ही बंद कर दिया है। 1 अक्टूबर को दौसा जिले सहित राज्य के सभी जिलों में पेट्रोल पंप संचालकों ने एक बार फिर हड़ताल कर अपनी आवाज उठाई है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि मुख्यमंत्री तुरंत प्रभाव से पंप संचालकों से बात कर पेट्रोल और डीजल पर वेट कम करे, जिससे जनता तथा पंप संचालकों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा पैट्रोल-डीजल पर छूट देने के बावजूद राजस्थान सरकार ने प्रदेश के लोगों को आज तक कोई राहत नहीं दी है। लोगों को महंगाई से राहत देने का ढ़ोंग करने वाली कांग्रेस सरकार पेट्रोल और डीजल पर सबसे अधिक टैक्स लगाकर जनता का शोषण कर रही है जो निंदनीय है।

मंदिर में बैठे चौकीदार का मर्डर: अज्ञात हमलावरों ने चाकू से किए वार, अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में एक मंदिर में चौकीदार की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। चौकीदार पर रात को मंदिर परिसर में अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया था। चौकीदार लहूलुहान हालत में रोड तक पहुंचा और लोगों को किसी के चाकू से हमला करने की बात बताई। लोगों ने उसे गंभीर हालत में सैटेलाइट अस्पताल पहुंचाया, जहां से सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया। चौकीदार ने सोमवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वार्ड 37 के पार्षद रवि प्रकाश सैनी ने बताया कि सुनील सिंह ठाकुर (40) निवासी उत्तर प्रदेश लंबे समय से बनी पार्क एरिया में चौकीदारी का काम करता था। रात को करीब 8.30 बजे वह श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर में बैठा था। इस दौरान अज्ञात लोगों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। सुनील सिंह लहूलुहान हालत में रोड तक आया और लोगों को बताया कि किसी ने उस पर चाकू से हमला दिया है। उसे अस्पताल लेकर चलो। इसके बाद वह बेहोश हो गया। पार्षद ने बताया- लोगों ने सुनील को सैटेलाइट अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे गंभीर हालत में सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया। सुनील ने सोमवार सुबह 7.30 बजे इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पिता के साथ घूमने गए किशोर को सांप ने डसा, 14 साल के बच्चे की मौत

धौलपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। धौलपुर में 14 साल के किशोर की सांप के काटने से मौत हो गई। किशोर की मौत से गांव में भी सन्नाटा है। धौलपुर में सरमथुरा थाना क्षेत्र के खरौली गांव में सर्पदंश से 14 साल के किशोर की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराकर लाश को सुपुर्द कर दिया है। किशोर की मौत से गांव में भी सन्नाटा पड़ गया है। परिजनों ने बताया कि 14 वर्षीय मान कुमार मीणा पुत्र अमर सिंह मीणा पिता के साथ खेतों पर घूमने गया था। खेत की मेड़बंदी में घास में जहरीला सांप छिपा था। किशोर का पैर सांप से टकरा गया। पैर टकराते ही सर्प ने पंजे में काट लिया।

बिजनेसमैन को युवती ने हनीट्रैप में फंसाया

अकाउंटेंट की जॉब पर रखा था, आपत्तिजनक फोटोज खींचकर 28 लाख रुपए ठगे

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में बिजनेसमैन को हनीट्रैप में फंसाने का मामला सामने आया है। 44 साल के बिजनेसमैन को फंसाकर 28 लाख रुपए ठग लिए गए। इसके बाद भी आए दिन डिमांड बढ़ती गई। इससे परेशान होकर पीड़ित विद्याधर नगर थाने पहुंचा। पीड़ित ने एक युवती और उसके पिता समेत तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। पीड़ित ने बताया- उसे तीन साल तक बदमाशों ने परेशान किया। इसके चलते तनाव झेलता रहा, लेकिन अब सब्र जवाब दे गया। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने बताया- पीड़ित का विद्याधर नगर में ड्राई फूट समेत अन्य कई कारोबार हैं। कारोबारी ने शिवांगी(23) नाम की युवती और उसके पिता के खिलाफ केस दर्ज कराया है। रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने बताया- 2019 में कारोबार को संभालने के लिए एक अकाउंटेंट की जरूरत थी।

कोरोना के जाने के बाद काम फिर से अच्छी रफ्तार पकड़ चुका था। इस बीच कारोबारी के पैर का ऑपरेशन हुआ। इसके कारण डॉक्टर्स ने करीब दो महीने का बेड रेस्ट करने की सलाह दी।

कारोबारी को खाना खिलाने के नाम पर रेस्टोरेंट में बुलाया। चुपके से नशा दे दिया। उसके बाद आपत्तिजनक फोटोज खींच लिए। फोटो वायरल करने के नाम पर रुपए ठगना शुरू कर दिया।

एनएमडीसी ने महात्मा गांधी की 154वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी ने आज अपने प्रधान कार्यालय और देश भर की सभी परियोजनाओं में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 154वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधान कार्यालय में गांधी जयंती समारोह का प्रारम्भ बी साहू, अधिशासी निदेशक (उत्पादन समन्वय एवं सुरक्षा), एम. जयपाल रेड्डी, अधिशासी निदेशक (संसाधन योजना एवं आरईडी), एएस पार्थसारथी, अधिशासी निदेशक/कंपनी सचिव और सत्येंद्र राय, अधिशासी निदेशक (का. एवं प्रशा.तथा डीटी) द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन और के साथ हुआ। राष्ट्रीय खनन कंपनी ने महात्मा गांधी के सम्मान में 15 सितम्बर से 2 अक्तूबर तक बडे स्तर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया। इस दो सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान, पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न इंटरैक्टिव कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं और स्वच्छता अभियानों का आयोजन किया गया।

सफाई मित्रों को सम्मानित करने और स्वच्छता ही सेवा प्रतियोगिता के विजेताओं को बधाई देने के लिए आज पुरस्कार वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर बी. साहू, अधिशासी निदेशक (उत्पादन समन्वय एवं सुरक्षा), ने कहा कि इस गांधी जयंती पर, आइए हम महात्मा गांधी के कालजयी ज्ञान का स्मरण करें और एक अधिक संवेदनशील और समावेशी समाज विकसित करने और एक स्वच्छ, हरित और अधिक शांतिपूर्ण विश्व की दिशा में काम करें।

महात्मा गांधी की 154वीं जयंती पर लंगर हौज के बापूघाट पर टीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष पोन्नाला लक्ष्मैया, वी.हनुमंत राव, कांग्रेस नेता आर. लक्ष्मण यादव, एस.पी.क्रांति कुमार, अकुला चंद्रशेखर, अफसर यूसुफ, चंटी बाबू, गिरि द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। उपस्थित हैं श्रीकांत गौड़, नवीन कुमार व अन्य।

अग्रणी महिला मंच द्वारा गांधीजी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गई। इसमें भाग लेती हुईं अध्यक्ष सुमन भुवानिया, सुनयना नरसरिया, टीना खंडेलवाल, रीता अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल, रितु गोयल, श्रद्धा सुखिया, स्मिता शाह, कोमल अग्रवाल, रूपा गुप्ता, एवं पवन भुवानिया।

आरपीएसएफ ने स्वच्छता अभियान का आयोजन किया

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल मुख्यालय, रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली की सलाह के अनुसार, 7 बीएन, आरपीएसएफ के सदस्य, मौलाली, हैदराबाद, नईदिल्ली, मुंबई, सूरत के साथ अपने मुख्यालय, मौलाली में एक विशाल स्वच्छ भारत पखवाड़ा का आयोजन किया। इस दौरान परिसर में बड़े पैमाने पर साफ-सफाई का आयोजन किया गया। स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरुक भी किया गया। भारत सरकार ने बटालियन को स्वच्छता प्रमाण पत्र जारी किए। यह स्वच्छता अभियान 16 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया गया।

लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर बजरंग सेना तेलंगाना टीम ने वीर सावरकर चौक काचीगुडा में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित हैं एन.आर. लक्ष्मण राव, रजनी श्रीरामोजु, सूर्या शुक्ला, अभिनय तिवारी, नरेश, सुनील अग्रवाल, प्राची जैन व अन्य।

रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 2 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोविडेंट केनवर्थ, राजेंद्र नगर, नीलोफर हॉस्पिटल एवं वर्क संस्थान (तेलंगाना चैप्टर) के संयुक्त तत्वावधान में राजेंद्र नगरस्थित प्रोविडेंट केनवर्थ क्लब हाउस में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आज यहाँ जारीप्रेस विज्ञप्ति के अनुसार लगभग 70 केनवर्थ निवासियोंने रक्तदान कर इस शिविर को सफल बनाया। केनवोर्थ के वरिष्ठ निवासी एवं शिविर के सह संयोजक ताहिर हुसैन ने इस अवसर पर सभी रक्त दानदाताओंको धन्यवाद देते हुए शिविर में भाग लेने के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया की इस रक्तदान में एकत्रित रक्त को निलोफ़र हॉस्पिटल के नवजात शिशुओं एवं गर्भवती माताओं की सहायतार्थ जमा करवाया जाएगा।

इस अवसर पर वर्क वर्ल्ड ऑर्गनायज़ेशन ऑफ़ रिलिजन एंड नॉलेज के संयोजक मोहम्मद जावेद हक़ ने बताया कि हमारे संगठन का उद्देश्य सामाजिक कार्यों द्वारा मानवता की सेवा करना है। ख़ुद के किए तो जानवर भी जीता है मगर इंसान वही है, जो दूसरों के लिए जिए और दूसरों के काम आए। इस अवसर पर वर्क के सदस्य मोहम्मद मिस्बाहउद्दीन ने बताया कि आज भी लोगों में रक्तदान को लेकर कईतरह की शंका बनी हुई है। रक्तदान करने से लोगों के शरीर में किसी भी तरह की कोई समस्या नहीं होती, बल्कि रक्तदान करने से शरीर में कई तरह के फायदे होते हैं। रक्तदान शिविर में सभी रक्त वीरों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह संस्थान के एस.बी. हाल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीएनए फिंगर प्रिंटिंग एवं निदान केंद्र (सीडीएफडी), हैदराबाद की निदशक (अतिरिक्त प्रभार) डॉ. संगीता मुखोपाध्याय उपस्थित हुईं। डॉ. संगीता मुखोपाध्याय ने अपने वक्तव्य के दौरान सरल एवं सुबोध हिन्दी में ट्यूबरकुलोसिस पर स्वास्थ्य जागरूकता शीर्षक विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि देश की जनता में 27 प्रतिशत लोग क्षय रोग से पीड़ित हैं। उन्होंने क्षय रोग के लक्षण, उसकी रोकथाम के लिए क्या करना चाहिए, उसकी दवाओं को कैसे लेना चाहिए बहु औषध प्रतिरोधकता आदि बिन्दुओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। संस्थान के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार ने स्मृति चिह्न और शाल के साथ डॉ. संगीता मुखोपाध्याय जी का सम्मान किया। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हिन्दी दिवस के अवसर पर दिए गए संदेश की वीडियो दिखाई गई। अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्थान के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार ने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने सभी से अनुरोध किया है कि अपने-अपने अनुभाग-प्रभागों में आपस में बात करते समय या आधिकारिक विचार-विमर्श करते समय हिन्दी में वार्तालाप करने का पूरा प्रयास करें। इस अवसर पर संस्थान के प्रशासन नियंत्रक डी.वी.एस. शास्त्री ने राजभाषा पर अपने विचार व्यक्त किये। इस समारोह में पखवाड़े दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों और उनके परिवार सदस्यों को मुख्य अतिथि के कर कमलों से पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रधान निजी सचिव श्रीमती रुक्मिणी वेंकटेश्वरन द्वारा प्रस्तुत वंदना से हुआ। मुख्य अतिथि का परिचय संस्थान के कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक अजीत कुमार ने दिया। संस्थान के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी चि.वें. सुब्बाराव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

महात्मा गांधी 154वीं जयंती पर पुराणपुल एक्स रोड पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बेगम बाजार बीआरएस अध्यक्ष सुनील साहू, पी. पवन कुमार, प्रमोद अग्रवाल, महेंद्र, श्रीकांत चारी एवं अन्य।

तेलंगाना के गठन में कई छात्र नायकों का बलिदान अविस्मरणीय : केटीआर

मंत्री ने तेलंगाना के शहीदों पर डॉक्यूमेंट्री जारी की

हैदराबाद, 2 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने रविवार को तेलंगाना के शहीदों के बलिदान पर एक वृत्तचित्र 'अमारा ज्योति' जारी किया। 10 मिनट के वीडियो में उन शहीदों की महानता का शानदार चित्रण है, जिन्होंने 1969 से लेकर राज्य का दर्जा प्राप्त होने तक अलग तेलंगाना की लड़ाई के दौरान अपनी जान गंवाई।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री राज्य के लिए युवाओं की शहादत का दिल छू लेने वाला विवरण पेश करेगी, जो तेलंगाना के लिए राज्य का विरोध करने वालों की साजिशों का नतीजा है। कई छात्र नायक उन लोगों में से थे जिन्होंने लोगों को राज्य के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। उन्होंने लेखक और एमएलसी देशपति श्रीनिवास और निर्देशक बदावत पूर्णचंदर को बधाई देते हुए कहा कि तेलंगाना के सभी लोगों को इसे अवश्य देखना चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसी और भी डॉक्यूमेंट्री का स्वागत किया जाएगा।

मंत्री ने 'नादका' नामक पुस्तक का भी विमोचन किया, जो एरोज़ू श्रीनिवास द्वारा लिखित निबंधों का एक संग्रह है और पर्यावरण स्वच्छता मुद्दों पर डॉ. गाडे वेंकटेश द्वारा लिखित एक अन्य पुस्तक 'कसुवु' है। उन्होंने पुस्तक के माध्यम से तेलंगाना की प्रगति के विश्लेषण के लिए तेलंगाना विकास समिति के महासचिव एरोज़ू श्रीनिवास की सराहना की।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर न्यू बोइनापल्ली बापूजीनगर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जेपी, अजित कल्याण, श्रीकांत, दुर्गा रामा राव व अन्य।

गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात कर गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विकास पर चर्चा की। उन्होंने मंत्री से क्षेत्र में जल प्रदूषण की समस्या की बात बताई।

विश्व जागृति मिशन द्वारा श्रद्धापर्व आयोजित

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। परमपूज्य सद्गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज द्वारा संस्थापित विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में आबिड्स स्थित हीरा-हॉल में मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर की अध्यक्षता में श्रद्धापर्व मनाया गया। महोत्सव में गुरूभक्तो द्वारा अपने माता-पिता, वरिष्ठ वृद्धजनों, अभिभावकों का श्रद्धा-सम्मान, पुजन आश्रम के पुजारी सर्वज्ञ शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। तत्पश्चात आनंदधाम आश्रम नई दिल्ली से प्राप्त गुरुदेव की सुपुत्री योगगुरू डॉ. अर्चिका दीदी का श्रध्दापर्व-महोत्सव पर आशीर्वचन का वीडिओ दिखाया गया। तत्पश्चात गुरू-वंदना, गुरू आरती तथा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। मंच संचालन मिशन के सत्संग व मिडीया प्रभारी राजकुमार दायमा नें किया। राजू भागचंदानी के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ। महोत्सव में प्रेमसिंह राठौर, श्रीमती आसमान कंवर राठौर. सज्जनलाल श्रीवास्तव, पी. रघुवीर, सुमेरसींह राठौर, राजकुमार दायमा, राजू भागचंदानी, भाग्यनारायण, शिवराज पाटिल, शिवानी मैथी, डॉ. किशोरी भटनागर, रामकिशन रतीवाल, आशीष मैथी आदि उपस्थित थे।

आखरी सांस तक जनता की सेवा करूंगा : विधायक हनमंत शिंदे

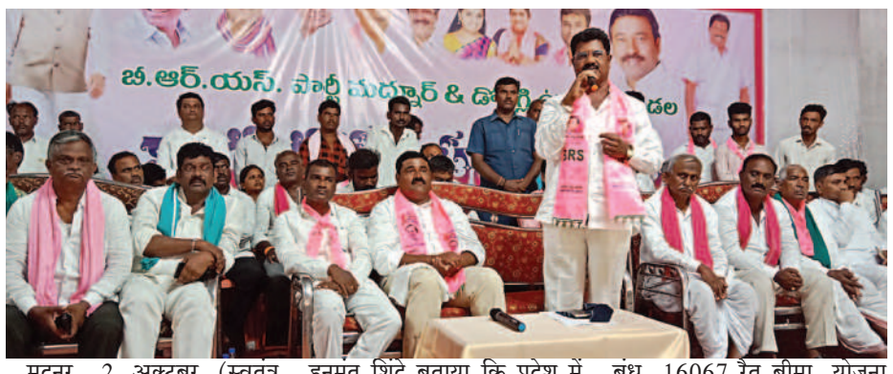

మదనూర, 2 అక్టూబర (స్వతంత్ర వార్తా)। గాంధీ జయంతి కే అవసర పర జుక్కల విధాయక హనమంత శిందే ద్వారా సోమవార కే దిన 34 గ్రామ పంచాయత భారత రాష్ట్ర సమితి కార్యకర్తాఓం కీ సభా బులాఈ గఈ।

సభా మేం కార్యకర్తాఓం కో సబోధిత కరతే హుఏ విధాయక హనమంత శిందే బతాయా కి ప్రదేశ మేం తేలంగానా సరకార ఆనే కే బాద ప్రదేశ కే ముఖ్యమంత్రీ కే. చంద్రశేఖర రావ కే ఆశీర్వాద సే జుక్కల విస క్షేత్ర మేం 35000 పేంశన, 12000 కల్యాణ లక్ష్మీ, 23000 కేసీఆర కిట, 3000 మహిలా కో న్యుట్రిన కిట, 55000 రైతూ బంధు, 16067 రైతు బీమా, యోజనా అంతర్గత ప్రత్యక కో 5 లాఖ రూపయే వితరణ కియా గయా। ఇస సభా సే పహిలే జుక్కల విధాయక కే నేతృత్వ మేం ఏకలార గేట సే లేకర మోటర సాయకల కీ విశాల రైలీ నికాలీ గఈ।

బీఆరఎస సాంసద సంతోష కుమార ने 'रन फॉर पीस' के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सांसद जोगिनीपल्ली संतोष कुमार ने गांधी जयंती के अवसर पर सोमवार को यहां बॉटनिकल गार्डन, कोंडापुर, हैदराबाद में 'रन फॉर पीस' के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया और 10के-5के-2के दौड़ को हरी झंडी दिखाई। 10के-5के-2के रनों के साथ 'रन फॉर पीस' कार्यक्रम का आयोजन बॉटनिकल गार्डन वॉकर्स एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। इस अवसर पर सांसद संतोष ने मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की पत्नी कल्वाकुंतला शोभा के जन्मदिन के अवसर पर बॉटनिकल गार्डन के विकास के लिए 15 लाख रुपये का दान दिया और गार्डन के परिसर में पौधे लगाए। बीआरएस सांसद ने पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के लिए वॉकर्स एसोसिएशन की सराहना की।

पीएम नरेंद्र मोदी के निर्देश पर महत्वपूर्ण स्वच्छता पहल स्वच्छ भारत अभियान के तहत जामबाग के पार्षद राकेश जयसवाल के नेतृत्व में ईएनटी अस्पताल, कोटि में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। साथ में हैं जी. श्रीनिवास यादव, मयूर कालेकर, अनिल यादव, रघु कांबले, प्रवीण बाबू, रामकृष्ण, जनार्दन, राजू यादव, एम. अनिल यादव, कल्पना शेरमा, प्राची जैन, अशोक जयसवाल, हरिनाथ, सागर, सुरेश, रामचंदर व अन्य।

गांधी जयंती पर बोइनपल्ली मार्केट यार्ड में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती हुईं मार्केट यार्ड की चेयरपर्सन श्रीमती हरिका आनंद बाबू, सचिव वेंकन्ना, ए. गौतम जैन, वेणुगोपाल रेड्डी व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी बोले : गहलोत ...

ये लोग मोदी को चाहे जितना गाली दे दे, करप्शन पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। कांग्रेस सरकार का हाल ये है कि जनता के पैसे से अपनी तिजोरी भरो और जनता को बेहाल छोड़ो। भाजपा करप्शन की तह तक जरूर जाएगी।

हम तो खदान माफिया सुनते थे, लेकिन यहां पेपर लीक माफिया पनप गए हैं। मैं नौजवानों को भरोसा दिलाता हूं कि उनके भविष्य से खिलवाड़ करने वालों का हिसाब पाताल में भी होगा। उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

इस विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक ही चेहरा है, वो है कमल। हमारा उम्मीदवार सिर्फ कमल है, इसलिए एकजुटता के साथ कमल को जिताने के लिए भाजपा कार्यकर्ता काम करें।

कांग्रेस को जब भी यह लगता है कि वह चुनाव हारने वाली है तो झूठी घोषणा करने लगती है। सरकारी खजाने से प्रचार करती है। राजस्थान में भी यही प्रयास कर रही है। यदि उन्हें इतनी चिंता थी तो बीते पांच साल में कहां थे, वे सिर्फ कुर्सी बचा रहे थे। गरीब परिवार की चिंता दूर करने की गारंटी सिर्फ मोदी पूरा करता है।

मैं बहुत दु:खी मन से कह रहा हूं कि जब अपराध की बात आती है तो राजस्थान टॉप पर आता है। अराजकता, दंगे, पत्थरबाजी की बात आती है तो हमारा राजस्थान बदनाम होता है। महिला अत्याचार, दलितों पर अत्याचार के मामले में हमारा राजस्थान बरबाद होता है।

जिसकी जितनी आबादी ...

इसलिए, भारत के जातिगत आंकड़ों को जानना महत्वपूर्ण है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने जनगणना कराई थी लेकिन उसके परिणाम मोदी सरकार ने प्रकाशित नहीं किए। रमेश ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, बिहार सरकार ने हाल ही में राज्य में अपने द्वारा किए गए जाति सर्वेक्षण के परिणाम जारी किए हैं। पहल का स्वागत करते हुए और कांग्रेस सरकारों द्वारा कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों में इसी तरह के पहले के सर्वेक्षणों को याद करते हुए कांग्रेस अपनी मांग को दोहराती है कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द राष्ट्रीय जाति जनगणना आयोजित करे।

उन्होंने कहा, यूपीए-2 सरकार ने वास्तव में इस जनगणना को पूरा किया था, लेकिन इसके परिणाम मोदी सरकार द्वारा प्रकाशित नहीं किए गए थे। सामाजिक सशक्तिकरण कार्यक्रमों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करने और सामाजिक न्याय को गहरा करने के लिए इस तरह की जनगणना आवश्यक हो गई है।

विपक्षी दल ने कहा कि अगर मोदी सरकार जातिगत जनगणना नहीं कराती है तो कांग्रेस की सरकार बनते ही इसे कराया जाएगा, ताकि हर वर्ग को उसका हक मिल सके। कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि बिहार में जाति आधारित जनगणना के आंकड़े समाज में विभिन्न वर्गों की हिस्सेदारी का संकेत दे रहे हैं।

भारत के किन 5 दिग्गजों ने विश्व कप में लिए हैं सर्वाधिक विकेट? एक खिलाड़ी अभी भी टीम का हिस्सा

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व कप 2023 में भारत की बैटिंग और बॉलिंग दोनों काफी स्ट्रांग दिख रही है। चलिए हम आपको बताते हैं कि विश्व कप में भारत के किस खिलाड़ी ने सर्वाधिक विकेट झटके हैं। आईसीसी विश्व कप दहलीज पर खड़ा है। महज 4 दिनों के बाद इस विश्व कप का आगाज होने वाला है। इसको लेकर फैंस में काफी क्रेज देखा जा रहा है। भारतीय टीम भी इस टूर्नामेंट को लेकर अपनी कमर कस चुकी है। भारत के पास सिर्फ मजबूत बल्लेबाजी ही नहीं बल्कि गेंदबाजी भी है। चलिए हम आपको बताते हैं कि भारत के कौन से 5 खिलाड़ी हैं, जिनके नाम विश्व कप में सबसे अधिक विकेट हैं। आपको जानकर खुशी

होगी कि इन खिलाड़ियों में एक गेंदबाज ऐसे भी हैं, जो वर्तमान में भी भारतीय टीम के हिस्सा हैं।

जहीर खान ने लिया है सबसे अधिक विकेट

विश्व कप में भारत के लिए सबसे अधिक विकेट जहीर खान ने लिया है। जहीर अपने समय के सबसे दिग्गज गेंदबाजों में से एक थे। जहीर ने विश्व कप में कुल 23 मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने 44 विकेट अपने नाम किए हैं। जहीर का बेस्ट परफॉर्मेंस रहा था, जब उन्होंने 42 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए थे। जहीर के बाद दूसरे स्थान पर जवागल श्रीनाथ हैं, जिन्होंने विश्व कप के 34 मैचों में 44 विकेट झटके हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा जब उन्होंने सिर्फ 30 रन देकर 4 विकेट झटक लिए थे।

मोहम्मद शमी भी लिस्ट में शामिल

इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं मोहम्मद शमी, जो कि अभी भी भारतीय टीम के हिस्सा हैं। शमी ने विश्व कप के सिर्फ 11 मैच खेलकर 31 विकेट झटक लिए हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा था जब शमी ने 69 रन देकर 5 विकेट झटके थे। चौथे स्थान पर हैं अनिल कुंबले, उन्होंने विश्व कप के 18 मैचों में 31 विकेट अपने नाम किए हैं। उनका बेस्ट परफॉर्मेंस 32 रन देकर 4 विकेट है। वहीं, पांचवें स्थान पर कपिल देव हैं, उन्होंने 26 मैचों में 28 विकेट झटक लिए हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 43 रन देकर 5 विकेट है।

अश्विन ने टीम इंडिया को दिया जीत का मंत्र

बोले- 'प्रेशर में परफॉर्म करना जरूरी'

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम में चयनित होने पर रविचंद्रन अश्विन ने खुलकर प्रतिक्रिया दी है।

भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने वर्ल्ड कप से ठीक पहले टीम इंडिया स्क्वॉड में एंट्री पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अश्विन अपना तीसरा वनडे विश्व कप खेलेंगे। इससे पहले वह 2011 की विजेता टीम और 2015 की सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम का हिस्सा थे। अश्विन और विराट कोहली प्रतिष्ठित 2011 विश्व कप विजेता टीम के एकमात्र दो खिलाड़ी हैं जिन्हें आगामी विश्व कप टीम में चुना गया है।

अश्विन ने विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के

साथ भारत की वनडे टीम में वापसी की। अश्विन की लगभग 20 महीने की अवधि के बाद वनडे टीम में वापसी हुई है।अनुभवी स्पिनर ने इसे लेकर स्टार स्पोर्ट्स पर विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक से बातचीत की और खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

ये मेरे लिए भी आश्चर्य से भरा- अश्विन

दिनेश कार्तिक से चर्चा के दौरान अश्विन ने कहा कि "जीवन आश्चर्य से भरा है और मैं ईमानदारी से नहीं सोच रहा था कि मैं यहां रहूंगा।

टीम प्रबंधन ने जो भरोसा दिखाया है और परिस्थितियों ने सुनिश्चित किया है कि मैं आज यहां हूं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में खेल का आनंद लेना मेरा मुख्य उद्देश्य रहा है और इस टूर्नामेंट में भी मैं यही करूंगा।"

अश्विन ने टीम को दिया जीत का मंत्र

अश्विन ने आगे कहा कि इस टूर्नामेंट में अधिकांश खिलाड़ियों के लिए दबाव सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन आप इससे कैसे निपटते हैं यह तय करता है कि टूर्नामेंट आपके और टीम के लिए कैसा होगा।

जहां तक मेरा सवाल है, अच्छी जगह पर रहना और खेल का आनंद लेना मुझे अच्छी स्थिति में रखेगा। मैं यह कहता रहा हूं, यह भारत के लिए मेरा आखिरी विश्व कप हो सकता है।"

एशियाड में भारत के साथ अन्याय; स्वप्ना का दावा- ट्रांसजेंडर एथलीट ने मेरा पदक छीना

हांगझोऊ, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिलाओं की हेप्टाथलान प्रतियोगिता में स्वप्ना बर्मन चौथे स्थान पर रहीं और बेहद करीबी अंतर से पदक जीतने से चूक गईं। इसके बाद उन्होंने कहा कि एक ट्रांसजेंडर महिला के कारण उन्हें पदक गंवाना पड़ा।

एशियाई खेल 2023 में विवादों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को चीन का वीजा नहीं मिलने पर खासा बवाल हुआ था। इस वजह से भारतीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने चीन जाने से इंकार कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए भी उचित सुविधाएं नहीं मिली। ज्योति याराजी को चीनी खिलाड़ी की गलती में बलि का बकरा बनाया जा रहा था, लेकिन उनके विरोध करने पर उन्हें रजत पदक दिया गया। अब एक और भारतीय एथलीट ने आयोजकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

जकार्ता में एशियाई खेलों के 2018 संस्करण में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय एथलीट स्वप्ना बर्मन ने आरोप लगाया कि महिलाओं के हेप्टाथलॉन में एक ट्रांसजेंडर महिला के कारण उन्हें अपना पदक गंवाना पड़ा। चीन के हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में बर्मन चौथे स्थान पर रहीं और उन्हें कोई पदक नहीं मिला।

एशियाई खेलों के पिछले संस्करण में 53.55 मीटर भाला फेंकने वाली स्वप्ना इस बार केवल 45.13 मीटर दूर ही भाला फेंक पाईं। बर्मन अंततः महिलाओं

की हेप्टाथलॉन स्पर्धा में 5708 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं और केवल चार अंकों से कांस्य पदक से चूक गईं। तीसरा स्थान उनकी हमवतन नंदिनी अगासरा ने हासिल किया, जिन्होंने कुल 5712 अंक हासिल किए।

प्रतियोगिता के एक दिन बाद, बर्मन ने सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाते हुए विवाद खड़ा कर दिया कि एक ट्रांसजेंडर एथलीट के कारण उन्हें अपना पदक गंवाना पड़ा है। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में इवेंट के अपने प्रतिद्वंद्वी का नाम नहीं लिया। उन्होंने लिखा "मैंने चीन के हांग्जो में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में एक ट्रांसजेंडर महिला के कारण अपना एशियाई खेलों का कांस्य पदक खो दिया है। मैं अपना पदक वापस चाहती हूं, क्योंकि यह हमारे एथलेटिक्स के नियमों के खिलाफ है। कृपया मेरी मदद करें और मेरा समर्थन करें।"

चीन की नानाली झेंग ने शानदार 6149 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उज्बेकिस्तान की एकातेरिना वोरोनिना ने 6056 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

रीढ़ की हड्डी में चोट के कारण स्वप्ना का करियर काफी प्रभावित रहा और उन्होंने पिछले साल संन्यास के बारे में गंभीरता से सोचा था, लेकिन आखिरकार अंतिम बार गौरव हासिल करने का फैसला किया और इसलिए वह अपने खिताब की रक्षा के लिए हांगझोऊ पहुंची थीं। इस साल उन्होंने अंतरराज्यीय प्रतियोगिता जीती और एशियाई खेलों की तैयारी में रजत पदक भी हासिल किया। उन्होंने सर्जरी से भी परहेज किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि खराब पीठ के बावजूद उनकी ट्रेनिंग न छूटे। हालांकि, अंत में वह पदक जीतने से चूक गईं।

शतरंज के तीसरे दौर में भारतीय पुरुष और महिला टीमें जीतीं

हांगझोऊ, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला टीम में कोनेरू हंपी, डी हरिका और वंतिका अग्रवाल ने अपनी बाजियां जीती, जबकि आर वैशाली ने ड्रॉ खेला।

भारतीय पुरुष और महिला टीम ने यहां एशियाई खेलों की शतरंज स्पर्धा के तीसरे दौर में अपने प्रतिद्वंद्वियों पर आसान जीत दर्ज की। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, आर प्रगनानंदा, अर्जुन एरिगेसी और पी हरिकृष्णा की शीर्ष वरीय पुरुष टीम ने कजाखस्तान को 3-1 से शिकस्त दी। वहीं दूसरी वरीयता प्राप्त महिला टीम ने चौथी वरीय इंडोनेशिया को 3-5 – 0.5 से हराकर तीसरी जीत हासिल की।

गुकेश ने जीएम रिनात जुमाबाएव को और प्रगनानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए जीएम अलीशर सुलेमेनोव को पराजित किया जबकि हरिकृष्णा ने आईएम नोगरबेक काजयबेक और एरिगेसी ने आईएम रमजान झालामाखानोव से ड्रॉ खेला। महिला टीम में कोनेरू हंपी, डी हरिका और वंतिका अग्रवाल ने अपनी बाजियां जीती, जबकि आर वैशाली ने ड्रॉ खेला।

विद्या रामराज ने की पीटी उषा की बराबरी, 39 साल बाद दोहराया इतिहास; 400 मीटर हर्डल रेस में कमाल

हांगझोऊ, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। 1984 में पीटी उषा ने 55.42 सेकेंड में यह दौड़ पूरी की थी। अब विद्या ने भी यह कर दिखाया है। इससे पहले विद्या का बेस्ट रिकॉर्ड 55.43 सेकेंड था।

एशियाई खेल 2023 में विद्या रामराज ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने महान एथलीट पीटी उषा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। विद्या ने 55.43 सेकेंड में 400 मीटर रेस पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में पीटी उषा के 39 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 1984 में पीटी उषा ने 55.42 सेकेंड में यह दौड़ पूरी की थी। अब विद्या ने भी यह कर दिखाया है। इससे पहले विद्या का बेस्ट रिकॉर्ड 55.43 सेकेंड था। वह हीट 1 से बहरीन की

अमीनत ओए जमाल के साथ सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं।

भाग लेने के साथ ही बनाया था रिकॉर्ड

विद्या की बहन नित्या भी एशियाई खेलों में भाग ले रही हैं। विद्या और नित्या भारत की पहली जुड़वा बहने हैं, जो एक साथ एशियाई खेलों में भाग ले रही हैं।

नित्या का जन्म विद्या से एक मिनट पहले हुआ था। इन दोनों के पिता कभी अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए कोयंबटूर की गलियों में ऑटो-रिक्शा चलाते थे। नित्या महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ और विद्या 400 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेती हैं।

रामराज और मीना की दोनों बेटियों की जन्म कोयंबटूर में हुआ था और 2014 तक एक स्थानीय सरकारी स्कूल में पढ़ते हुए बड़ी हुईं। 2014 में विद्या ने पदक जीता, लेकिन इसके आगे का सफर काफी मुश्किल था।

कोच नेहपाल सिंह राठौड़ की मदद से उन्होंने फिर से कड़ी मेहनत की और 2021 फेडरेशन कप में 400 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।

इसके बाद ओपन नेशनल में डबल हासिल किया और इससे विद्या को रेलवे में नौकरी मिल गई। पलक्कड़ डिवीजन के वरिष्ठ क्लर्क बनने के बाद परिवार की हालत काफी बेहतर हुई। नित्या चेन्नई में आयकर विभाग में शामिल हैं और अब मल्टी-टास्किंग स्टाफ के रूप में चेन्नई में तैनात हैं।

100 मीटर बाधा दौड़ में चीनी खिलाड़ी के कारण हुआ विवाद, भारत को फायदा; ज्योति के पदक का रंग बदला

हांगझोऊ, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक समय ऐसा था जब अधिकारी वू यानी के साथ-साथ ज्योति याराजी को भी डिस्क्वालिफाई करना चाहते थे। अगर ऐसा होता तो ज्योति के खाते में कोई पदक नहीं होता। बाद में समीक्षा में वू यानी को डिस्क्वालिफाई कर दिया।

भारत की महिला खिलाड़ी ज्योति याराजी ने एशियाई खेलों में अपना पहला पदक जीत लिया है। ज्योति ने 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता। 24 साल की ज्योति के पदक को लेकर काफी देर तक विवाद हुआ। चीन की खिलाड़ी की गलती ने उनके पदक को भी खतरे में डाल दिया था, लेकिन अंत में फैसला भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में

आया। याराजी तीसरे स्थान पर थीं और उनके खाते में कांस्य आया था। विवाद के बाद उनके पदक का रंग बदल गया।

दरअसल, दौड़ की शुरुआत ही विवादित रूप से हुई। चीन की खिलाड़ी वू यानी पहले ही दौड़ गईं। इसे गलत शुरुआत माना गया। याराजी के बगल वाली लेन में वू यानी खड़ी थीं। वू यानी के दौड़ने के बाद याराजी ने दौड़ना शुरू किया।

अधिकारियों ने दोनों की शुरुआत को गलत बताया और उन्हें बुलाया। इसका जोरदार विरोध भारतीय खिलाड़ी ने किया। लंबी चर्चा के बाद याराजी और वू यानी के दौड़ को समीक्षा के लिए भेजा गया। समीक्षा में वू यानी को डिस्क्वालिफाई कर दिया गया।

ज्योति ने 12.91 सेकंड में पूरी की दौड़

ज्योति याराजी ने 12.91 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर आ गईं। 12.74 सेकंड के साथ के साथ चीन की लिन यूवेई पहले स्थान पर रहीं। वहीं, वू यानी के डिस्क्वालिफाई होने से जापान की तनाका यूमि ने कांस्य पदक जीत लिया। उन्होंने 13.04 सेकंड में दौड़ को पूरा किया था। एक समय ऐसा था जब अधिकारी वू यानी के साथ-साथ ज्योति याराजी को भी डिस्क्वालिफाई करना चाहते थे। अगर ऐसा होता तो ज्योति के खाते में कोई पदक नहीं होता।

एशियाड में भारत : मेंस 400 मीटर रेस में तेजस्विन शंकर पहले स्थान पर रहे, स्केटिंग में 2 ब्रॉन्ज मिले, टेबल-टेनिस में भी आया कांस्य; मेंस हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची

हांगझोऊ, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। 19वें एशियन गेम्स के नौवें दिन भारतीय खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन जारी है। चीन के हांगझोउ में सोमवार को तेजस्विन शंकर ने मेंस 400 मीटर रेस में 14वां गोल्ड मेडल दिलाया। वे 49.67 सेकेंड का समय निकाल कर पहले स्थान पर रहे। इस गोल्ड के साथ भारत के कुल मेडल्स की संख्या 61 मेडल जीत चुका है। नौवें दिन 8 मेडल मिले। इनमें से 5 एथलीट्स ने जीते हैं। दिन की शुरुआत स्केटिंग के मेडल के साथ हुई। उसके बाद दोपहर होते-होते टेबल टेनिस के विमेंस डबल्स इवेंट में आया। फिर शाम में एथलेटिक्स के मुकाबले शुरू हुए।

नौवें दिन के मेडल

स्केटिंग : भारत को दो ब्रॉन्ज स्केटिंग के 3000 मीटर रिले में 4:34.861 समय के साथ विमेंस टीम ने ब्रॉन्ज जीता। इसके बाद मेंस टीम ने भी रीले इवेंट में 4:10.128 समय के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया।

टेबल टेनिस: सुतीर्था और अयहिका ने दिलाया ब्रॉन्ज सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी को सेमीफाइनल में नार्थ कोरिया के पेयर के खिलाफ 7 गेम में 11-7, 8-11, 11-7, 8-11, 9-11, 11-

5, 2-11 के स्कोर के साथ 4-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ भारत को ब्रॉन्ज मिला।

3000 मीटर स्टीपलचेज: भारत को एक ही इवेंट में दो मेडल विमेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में भारत के लिए पारुल चौधरी ने सिल्वर और प्रीति ने ब्रॉन्ज जीता। पारुल ने 9 मिनट 27.63 सेकंड में दौड़ पूरी की। वहीं, प्रीति ने 9 मिनट 43.32 सेकंड में रेस पूरी कर ब्रॉन्ज ने जीता। पहले स्थान पर बहरीन की यावी विनफ्रेड म्यूटाइल रही, जिन्होंने 9 मिनट 18.28 सेकंड में रेस पूरी की।

एथलेटिक्स: विमेंस लॉन्ग जंप में सोजन ने सिल्वर जीता विमेंस लॉन्ग जंप में 6.63 मीटर की जंप के साथ भारत की एंसी सोजन ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। यह सोजन का पर्सनल बेस्ट भी था।

एथलेटिक्स: मिक्स्ड रीले टीम को ब्रॉन्ज भारत के मुहम्मद अनस, जिस्ना मैथ्यू, ऐश्वर्या मिश्रा, सोनिया बैश्य, मुहम्मद अजमल ने मिक्स्ड रीले में ब्रॉन्ज जीता। टीम ने 3 मिनट14.34 सेकंड में रेस फीनिश की।

अन्य खेलों के रिजल्ट

हॉकी – हॉकी में भारतीय मेंस टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने अपने ग्रुप का आखिरी मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेला और 12-0 से एकतरफा जीत हासिल की। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह और मनप्रीत सिंह ने 3-3 गोल दागे। वहीं, अभिषेक ने दो गोल किए। अमित रोहिदास, ललित उपाध्याय, निलाकांता शर्मा और गुरजंत सिंह ने 1-1 गोल स्कोर किया।

भारतीय मेंस हॉकी टीम एशियाड में अजेय है। टीम ने ग्रुप के सभी मुकाबले जीते।

आर्चरी: भारत के खिलाड़ियो ने सभी 4 मेंस और विमेंस कंपाउंड इवेंट में प्री क्वार्टरफाइनल नॉकआउट मुकाबले जीते। अभिषेक वर्मा ने बेलाल अयमान अलावादी (साउदी अरब) को 147-139 से हराया, ओजस देवताले ने अहमद अलशट्टी (कुवैत) को 148-138 से हराया, ज्योति सुरेखा वेन्नम ने श्रीलंका की अनुराधा करुणारत्ने को 145-132 से हराया और अदिति गोपीचंद स्वामी ने नेपाल की इमयुंग राय को 149-137 से हराया।

एथलेटिक्स (विमेंस 400मीटर हर्डल्स): विमेंस 400 मीटर हर्डल्स में विथ्या रामराज ने 1984 में पीटी उषा के 400 मीटर हर्डल्स के नेशनल रिकॉर्ड की बराबरी की। विथ्या रामराज ने पहली हीट में टॉप पर फिनीश किया। उन्होंने 55.42 सेकंड्स में रेस पूरी की। इसी समय के साथ पीटी उषा ने लॉस एंजल्स ओलिंपिक में नेशनल रिकॉर्ड सेट किया था।

बैडमिंटन: मेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 64 में किदांबी श्रीकांत ने वियतनाम के ड्युक फेट वी को 2-0 से हराया। किदांबी ने 21-10, 21-9 के सेट से मैच अपने नाम किया।मेंस डबल्स के राउंड ऑफ 32 में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीत हासिल की। उन्होंने हॉन्गकॉन्ग के हिन लॉन्ग-चुन वाई को 2-0 (21-11, 21-16) से हराया।

कबड्डी: विमेंस कबड्डी के ग्रुप मैच में भारत ने चाइनीज ताइपे के साथ ड्रॉ खेला। समय समाप्ति तक दोनों टीमों का स्कोर 27-27 था।

कैनोइंग: भारत आज कैनोइंग में मेडल नहीं जीत सका।भारत मेंस कैनो डबल 500 मीटर में आठवें स्थान पर रहा। इस इवेंट में कजाकिस्तान को जीत मिली। वहीं, जापान ने 0.227 के मामूली अंतर से सिल्वर मेडल जीता।

स्क्वॉश: स्क्वॉश के मिक्स्ड डबल्स के ग्रुप मुकाबले में अनाहत और अभय की जोड़ी ने थाईलैंड को 2-0 से हराया।

भारत ने एशियाई खेलों में 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

पहली बार एक दिन में 15 पदक जीते

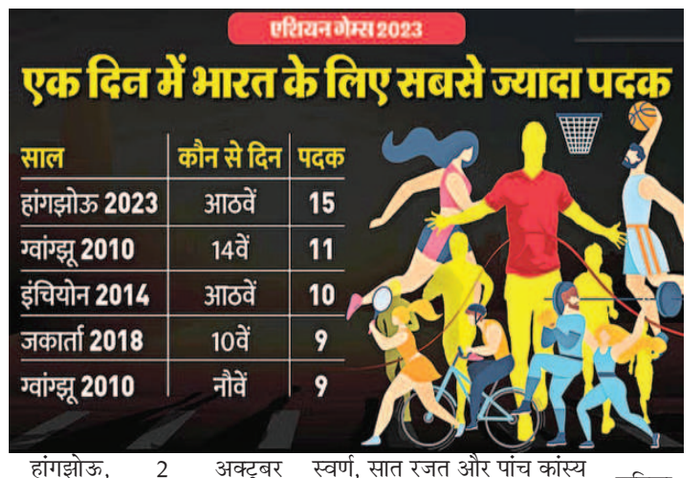

हांगझोऊ, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के आठवें दिन भारत ने पदकों का अर्धशतक पूरा कर लिया। भारत के कुल पदकों की संख्या 53 हो गई है। इनमें 13 स्वर्ण, 21 रजत और 19 कांस्य पदक शामिल हैं।

हांगझोऊ एशियाई खेलों में 'अब की बार 100 पार' का लक्ष्य लेकर उतरे भारतीय दल का कमाल जारी है। शुरुआती सात दिनों में 38 पदक जीतने के बाद आठवें दिन तो भारतीय एथलीट्स ने कमाल कर दिया और एक दिन में 15 पदक जीते। इनमें तीन स्वर्ण, सात रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। इतने पदकों के साथ भारत ने 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

यह एशियाई खेलों में एक दिन में भारत के सबसे ज्यादा पदक जीतने का रिकॉर्ड है। इससे पहले 2010 ग्वांग्जू एशियाई खेलों में भारत ने 14वें दिन 11 पदक जीते थे। हांगझोऊ के आठवें दिन भारत ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। वहीं, तीसरे नंबर 2014 इंचियोन एशियाई खेल हैं। उस साल भी आठवें दिन भारत ने 10 पदक जीते थे। 2018 जकार्ता एशियाई खेलों के 10वें दिन और 2010 ग्वांग्जू एशियाई खेलों के नौवें दिन भारत ने नौ-नौ पदक जीते थे।

हांगझोऊ एशियाई खेलों के आठवें दिन निशानेबाजी में पुरुषों की ट्रैप टीम, पुरुषों के 3000 मीटर स्टीपलचेज और पुरुषों के शॉटपुट स्पर्धा में भारत ने स्वर्ण जीता। वहीं, निशानेबाजी में महिलाओं की ट्रैप टीम, महिला गोल्फ (व्यक्तिगत), पुरुषों की बैडमिंटन टीम, महिलाओं की 1500 मीटर एथलेटिक्स, पुरुषों के 1500 मीटर दौड़, पुरुषों के लॉन्ग जंप और महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में भारत को रजत पदक हासिल हुआ। निशानेबाजी के व्यक्तिगत ट्रैप स्पर्धा, महिला बॉक्सिंग, पुरुषों के 1500 मीटर दौड़, महिलाओं की 800 मीटर हेप्टाथेलॉन और महिलाओं की डिस्कस थ्रो में भारत को कांस्य पदक मिला।

अविनाश साबले, तजिंदरपाल

भारत सरकार | G20 भारत 2023 INDIA | PM GatiShakti National Master Plan for Multi-Modal Connectivity | आज़ादी का अमृत महोत्सव

मोदी सरकार तेलंगाना के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध

तेलंगाना में ₹ 8000 करोड़ की विद्युत, रेल और स्वास्थ्य परियोजनाओं का राष्ट्र को समर्पण, शिलान्यास और शुभारंभ

राष्ट्र को समर्पण

एनटीपीसी तेलंगाना सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट

इकाई 1: 800 मेगावाट, अनुमानित लागतः ₹ 6000 करोड़

- अल्ट्रा–सुपरक्रिटिकल तकनीक पर आधारित पिटहेड प्लांट, ~ 42% की उच्च दक्षता के साथ, विशिष्ट कोयला खपत और CO_2 उत्सर्जन में कमी
- 85% आवंटन के साथ तेलंगाना के लिए सस्ती बिजली

मनोहराबाद–सिद्दीपेट नई रेल लाइन

लंबाईः 76 किमी., अनुमानित लागतः ₹ 1200 करोड़

- यात्रियों और माल ढुलाई दोनों के लिए सुरक्षित, तेज और किफायती परिवहन की सुविधा
- क्षेत्र में सामाजिक–आर्थिक विकास, पर्यटन और कृषि–अर्थव्यवस्था को बढ़ावा

धर्माबाद–मनोहराबाद और महबूबनगर–कर्नूल रेलखंड विद्युतीकरण

लंबाईः 348 किमी., अनुमानित लागतः ₹ 305 करोड़

- हैदराबाद से तिरुपति, चेन्नई और बैंगलोर जैसे महत्वपूर्ण शहरों के साथ केनेक्टिविटी
- बेहतर स्पीड के साथ पर्यावरण अनुकूल साधन

शुभारंभ

सिद्दीपेट–सिकन्दराबाद–सिद्दीपेट रेल सेवा

- रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करना, जन आकांक्षाओं को पूरा करना
- मेडक और सिद्दीपेट जिले के नए क्षेत्रों को पहली बार रेल से जोड़ा गया है

शिलान्यास

तेलंगाना में 20 क्रिटिकल केयर ब्लॉक

50 / 100 बेड, अनुमानित लागतः ₹ 516 करोड़

- PM-ABHIM के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास
- जिला स्तर पर रोगियों को क्रिटिकल केयर सेवाओं की उपलब्धता

श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के कर कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

डा. तमिलिसाई सौंदरराजन
राज्यपाल, तेलंगाना

श्री के. चन्द्रशेखर राव
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

श्री अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय मंत्री, रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी

श्री आर. के. सिंह
केंद्रीय मंत्री, विद्युत नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा

डॉ. मनसुख मांडविया
केंद्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक

श्री जी. किशन रेड्डी
केंद्रीय मंत्री, संस्कृति पर्यटन, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास

मंगलवार, 3 अक्टूबर 2023, दोपहर 1:00 बजे स्थान – गिरराज राजकीय डिग्री कॉलेज, निज़ामाबाद, तेलंगाना

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.